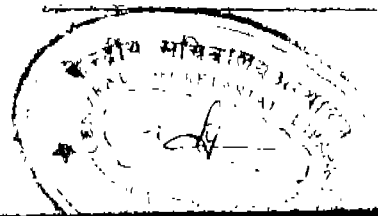


47/9



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रतिपक्षर व प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 32]
No. 32]

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 6, 1994/श्रावण 15, 1916
NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 6, 1994/SRAVANA 15, 1916

इस भाग में अलग एक संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन में छप सके
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (H)
PART II—Section 3—Sub-section (H)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय की छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government
of India (other than the Ministry of Defence)

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

(विधायी विभाग)

सूचना

नई दिल्ली, 5 जुलाई, 1994

का.आ. 1771.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री सुमन सिंह, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अन्तर्गत एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे कैथल (हरियाणा) में नोटरी के रूप में व्यवसाय करने के लिए नियुक्त किया जाए।

2. नोटरी के रूप में इस व्यक्ति की नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(83)/94-न्यायिक]

पी. सी. कन्नन, सक्षम प्राधिकारी

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Legal Affairs)

(Judicial Section)

NOTICE

New Delhi, the 5th July, 1994

S.O. 1771.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Suman Singh, Advocate for appointment as a Notary to practise in Kalthal (Haryana).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(83)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 5 जुलाई, 1954

का.आ. 1772.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री प्रकाश डी. प्रब, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे सिंधुदुर्ग (महाराष्ट्र) में नोटरी के रूप में व्यवसाय करने के लिए नियुक्त किया जाए।

2. नोटरी के रूप में इस व्यक्ति की नियुक्ति पर व किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (82)/94 न्यायिक]

पी.सी. कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 5th July, 1954

S.O. 1772.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Prakash D. Prab, Advocate for appointment as a Notary to practise in Sindhu-Durg Distt. (Maharashtra).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen day of the publication of this notice.

[F. No. 5(81)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 5 जुलाई, 1954

का.आ. 1773.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री गजे सिंह तंधर, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे पानीपत (हरियाणा) में नोटरी के रूप में व्यवसाय करने के लिए नियुक्त किया जाए।

2. नोटरी के रूप में इस व्यक्ति की नियुक्ति पर व किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (81)/94 न्यायिक]

पी.सी. कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 5th July, 1954

S.O. 1773.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Gaje Singh Tanwar, Advocate for appointment as a Notary to practise in Panipat (Haryana).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5/81/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 5 जुलाई, 1954

का.आ. 1774.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री मनीन्द्र कुमार कुप्या, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे झारखण्ड, जिला मिदनापुर, पश्चिम बंगाल में नोटरी के रूप में व्यवसाय करने के लिए नियुक्त किया जाए।

2. नोटरी के रूप में इस व्यक्ति की नियुक्ति पर व किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(86)/94 न्यायिक]

पी.सी. कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 5th July, 1954

S.O. 1774.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Manindra Kumar Kuila, Advocate for appointment as a Notary to practise in Jhargram sub Div. Distt. (West Bengal).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. (86)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 5 जुलाई, 1954

का.आ. 1775.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री रामदास सदाशिव जावले, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे सांताक्रुज (ई) बम्बई (महाराष्ट्र) में नोटरी के रूप में व्यवसाय करने के लिए नियुक्त किया जाए।

2. नोटरी के रूप में इस व्यक्ति की नियुक्ति पर व किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (85)/94 न्यायिक]

पी.सी. कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 5th July, 1954

S.O. 1775.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Ramdas Sadashiv Javle, Advocate for appointment as a Notary to practise in Santacruz (E), Bombay, (Maharashtra).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(85)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 5 जुलाई, 1994

का.आ. 1776:- नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री जगदीश कुमार त्रिखा, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे दिल्ली (राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सरकार) में नोटरी व्यवसाय करने के लिए नियुक्त किया जाए।

2. नोटरी के रूप में इस व्यक्ति की नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी के पास भेजा जाए।

[सं. 5 (84)/94 न्यायिक]

पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 5th July, 1994

S.O. 1776.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Jagdish Kumar Trikha, Advocate for appointment as a Notary to practise in Govt of NCT of Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(84)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

सूचना

नई दिल्ली, 9 जून, 1994

का.आ. 1977:- नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि कुमारी रतन भटनगर, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे दिल्ली में नोटरी व्यवसाय करने के लिए नियुक्त किया जाए।

2. नोटरी के रूप में इस व्यक्ति की नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी के पास भेजा जाए।

[सं. 5 (76)/94 न्यायिक]

पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 9th June, 1994

S.O. 1777.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Rules, 1956 that application has been made to the said Authority,

under Rule 4 of the said Rules, by Km. Rattan Bhatnagar, Advocate for appointment as a Notary to practise in Delhi (Govt. of NCT).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[F. No. 5(76)/94-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 13 जुलाई, 1994

का. आ. 1778:- केन्द्रीय सरकार राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में गृह मंत्रालय के निम्नलिखित कार्यालयों/बटालियनों में हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान रखने वाले कर्मचारियों की संख्या 80 प्रतिशत से अधिक हो जाने के फलस्वरूप उन्हें एतद्द्वारा अधिसूचित करती है :

- (1) कार्यालय पुलिस महानिरीक्षक, द्रुत कार्य बल, के.रि. पुलिस बल, नई दिल्ली।
- (2) कार्यालय पुलिस उप महानिरीक्षक, द्रुत कार्य बल, के.रि. पुलिस बल, नई दिल्ली।
- (3) कार्यालय कमांडेंट 100 बटालियन, द्रुत कार्य बल, के.रि.पु. बल।
- (4) कार्यालय कमांडेंट 101 बटालियन, द्रुत कार्य बल, के.रि.पु. बल।
- (5) कार्यालय कमांडेंट 102 बटालियन, द्रुत कार्य बल, के.रि.पु. बल।
- (6) कार्यालय कमांडेंट 103 बटालियन, द्रुत कार्य बल, के.रि.पु. बल।
- (7) कार्यालय कमांडेंट 104 बटालियन द्रुत कार्य बल, के.रि.पु. बल।
- (8) कार्यालय कमांडेंट 106 बटालियन, द्रुत कार्य बल, के.रि.पु. बल।
- (9) कार्यालय कमांडेंट 107 बटालियन, द्रुत कार्य बल, के.रि.पु. बल।
- (10) कार्यालय कमांडेंट 108 बटालियन, द्रुत कार्य बल।

[सं. 12017/1/94 हिन्दी]

बद्रो सिंह, निदेशक (राजभाषा)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 13th July, 1994

S.O. 1778.—In pursuance of Sub-Rule (4) of Rule 10 of the Official Languages (Use for the Official Purposes of the Union) Rules 1976, the Central Government hereby notifies the following offices/Battalions of the Ministry of

Home Affairs where the percentage of Hindi knowing staff has gone above 80 percent :—

1. Office of the I.G. Police, Rapid Action Force, CRPF, New Delhi.
2. Office of the DIG Police, Rapid Action Force, CRPF, New Delhi
3. Office of the Commandant, 100 Bn., Rapid Action Force, CRPF.
4. Office of the Commandant 101 Bn., Rapid Action Force, CRPF.
5. Office of the Commandant 102 Bn., Rapid Action Force, CRPF.
6. Office of the Commandant 103 Bn., Rapid Action Force, CRPF.
7. Office of the Commandant 104 Bn., Rapid Action Force, CRPF.
8. Office of the Commandant 106 Bn., Rapid Action Force, CRPF.
9. Office of the Commandant 107 Bn., Rapid Action Force, CRPF.
10. Office of the Commandant 108 Bn., Rapid Action Force, CRPF.

[No. 12017/1/94-Hindi]
BADRI SINGH, Director

(पुनर्वास प्रभाग)¹

नई दिल्ली, 4 जुलाई, 1994

का.आ. 1779 :—निष्कांत संपत्ति प्रशासन अधिनियम, 1950 (1950 का 31) के खंड 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा तत्काल प्रभाव से सचिव (राजस्व), आर एण्ड आर विभाग, हिमाचल प्रदेश सरकार को सचिव (राजस्व) के रूप में उनकी अपनी श्रुतियों के अतिरिक्त, उक्त अधिनियम के अधीन अथवा द्वारा उक्त महा-अभिरक्षक के लिए अधिरोपित कर्तव्यों का निर्वाह करने के उद्देश्य से निष्कांत संपत्ति उप महा-अभिरक्षक नियुक्त करती है।

2. यह दिनांक 2 अगस्त, 1985 की अधिसूचना सं. 1 (19)/विशेष कक्ष/84-ए.एस. II का अतिक्रमण करती है।

[सं. 1 (4)/94-सेटलमेंट (सी)]
पी.एस. शर्मा, अवर सचिव

(Rehabilitation Division)

New Delhi, the 4th July, 1994

S.O. 1779.—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950) the Central Government, hereby appoints, with immediate effect, Secretary (Revenue), R&R Department

Government of Himachal Pradesh to be the Deputy Custodian General of Evacuee Property in addition to his own duties, as Secretary (Revenue) for the purpose of discharging the duties imposed on such Deputy Custodian General by or under the said Act.

2. This supersedes notification No. 1(19)/Spl. Cell/84-SS.II (F) dated the 2nd August, 1985.

[No. 1(4)/94-SETTLEMENT(C)]

P. S. SHARMA, Under Secy.

नई दिल्ली, 4 जुलाई, 1994

का. आ. 1780—निष्कांत संपत्ति प्रशासन अधिनियम 1950 (1950 का 31) के खण्ड 6 के उप खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा विशेष सचिव (राजस्व)/अवर सचिव (राजस्व)/संयुक्त सचिव (राजस्व) हिमाचल प्रदेश सरकार, राहत एवं पुनर्वास विभाग, शिमला जैसा भी मामला हो, को उनके स्वयं अपने कर्तव्यों के अतिरिक्त हिमाचल प्रदेश राज्य में स्थित निष्कांत संपत्तियों के संबंध में उक्त अधिनियम के अधीन अथवा द्वारा अभिरक्षक के लिए अधिरोपित कर्तव्यों का निर्वाह करने के उद्देश्य से निष्कांत संपत्ति अवर अभिरक्षक नियुक्त करती है।

2. यह दिनांक 17/18 मई, 1971 की अधिसूचना सं. 10/10/प्रशा. 11/1971 का अतिक्रमण करती है।

[संख्या 1(4)/94 सेटलमेंट (ई)]
पी. एस. शर्मा, अवर सचिव

New Delhi, the 4th July, 1994

S.O. 1780.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950), the Central Government hereby appoints Special Secretary (Revenue)/Additional Secretary (Revenue)/ Jt. Secretary (Revenue), as the case may be, to the Government of Himachal Pradesh, Relief and Rehabilitation Department, Shimla, as Additional Custodian of Evacuee Property, in addition to his own duties for the purpose of discharging the duties imposed on the Custodian by or under the said Act in respect of evacuee properties situated in the State of Himachal Pradesh.

2. This supersedes Notification No. 10/10/Admn.11/1971, dated the 17/18th May, 1971.

P. S. SHARMA, Under Secy.
[No. 1(4)/94-SETTLEMENT(B)]

नई दिल्ली, 4 जुलाई, 1994

का.आ. 1781.— निष्क्रान्त संपत्ति प्रणाली अधिनियम, 1950 (1950 का 31) के खण्ड 55 के उप खण्ड (3) द्वारा महा अभिरक्षक के रूप में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं एतद्वारा इस विभाग की दिनांक 4 जुलाई, 1994 की अधिसूचना सं. 1 (4)/94-सेटलमेंट (ग) द्वारा हिमाचल प्रदेश राज्य के लिए निष्क्रान्त संपत्ति उप महा अभिरक्षक के पद पर नियुक्त, सचिव (राजस्व), राहत एवं पुनर्वास विभाग, हिमाचल प्रदेश सरकार को महा अभिरक्षक की निम्नलिखित शक्तियां प्रत्यायोजित करता हूँ :-

- (i) अधिनियम की धारा 24 तथा 27 के अधीन शक्तियां ।
- (ii) अधिनियम की धारा 10 (2) (ग) के अधीन किसी भी निष्क्रान्त संपत्ति के स्थानान्तरण के अनुमोदन की शक्तियां ।
- (iii) निष्क्रान्त संपत्ति (केन्द्रीय) प्रणाली नियम, 1950 के नियम 30-क के अधीन मामलों के स्थानान्तरण की शक्तियां ।

2. यह दिनांक 14 अगस्त, 1985 की पूर्व अधिसूचना सं. 1 (19)/विशेष कक्ष/84-एम.एस. II (जी) का पत्रिकरण करती है ।

[सं. 1 (4)/94-सेटलमेंट (डी)]

जी.एस. संधू, महा अभिरक्षक

New Delhi, the 4th July, 1994

S.O. 1781.—In exercise of the powers conferred on me as Custodian General by Sub-Section (3) of Section 55 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950), I hereby delegate to Secretary (Revenue), Relief and Rehabilitation Department, Government of Himachal Pradesh, appointed as Deputy Custodian General of Evacuee Property for the State of Himachal Pradesh vide this Department's Notification No. 1(4)/94-Settlement (c), dated the 4th July, 1994, the following powers of the Custodian General :—

- (i) Powers under Section 24 and 27 of the Act.
- (ii) Powers of approval of transfer of any Evacuee Property under Section 10(2)(o) of the Act.
- (iii) Powers of transfer of cases under Rule 30-A of the Administration of Evacuee Property (Central) Rules, 1950.

2. This superseeds earlier Notification No. 1(19)/Special Cell/84-SS. II(G) dated the 14th August, 1985.

[No. 1(4)/94-Settlement (D)]

G. S. SANDHU, Custodian General

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 28 जून, 1994

का.आ. 1782.— केन्द्रीय सरकार एतद्वारा आतंकवादी और विध्वंसक क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1987 (1987 का 28) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के सर्वश्री एस. एन. तिवारी, अपर विधि सलाहकार, सी. एस. शर्मा, उप-विधि सलाहकार और एस. के. पिसोलकर, वरिष्ठ लोक अभियोजक को उक्त अधिनियम की धारा 9 के अन्तर्गत हैदराबाद (आ.प्र.) में और/अथवा किसी अन्य स्थान जहां मामले का परीक्षण किया जाए, गठित नामनिर्दिष्ट न्यायालय में नियमित मामला सं. 32 (एस)/93-सी.बी.आई./हैदराबाद (अपराध सं. 251/93-पुलिस स्टेशन मल्काजगिरी, जिला रंगा रेड्डी, आ.प्र.) तथा दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के विशेष कार्यबल द्वारा अन्वेषित और संस्थित उक्त अधिनियम के अन्तर्गत उद्भूत अन्य मामलों/विषयों में अभियोजन के संचालन के लिए, विशेष लोक अभियोजकों के रूप में नियुक्त करती है ।

[सं. 225/16/94-ए. बी. डी.-II]

आर.एस. बिष्ट, अवसर सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS

(Department of Personnel and Training)

New Delhi, the 28th June, 1994

S.O. 1782.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Terrorist and Disruptive Activities (Prevention) Act, 1987 (28 of 1987), the Central Government hereby appoints S/Shri S. N. Tewari, Additional Legal Adviser, C. S. Sharma, Dy. Legal Adviser and S. K. Pisolkar, Senior Public Prosecutor, of the Central Bureau of Investigation as Special Public Prosecutors for conducting prosecution of Regular Case No. 32(S) of 1993, CBI, Hyderabad (Crime No. 251/93 of P. S. Malkajgiri, Range Reddy District, Andhra Pradesh) and other cases or matters arising under the said Act investigated and instituted by the Special Task Force of the Delhi Special Police Establishment in the Designated Court constituted under Section 9 of the said Act, at Hyderabad (A.P.) and/or at any other place where the case is tried.

[No. 225/16/94-AVD.II]

R. S. BISHT, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 जून, 1994

का.आ. 1783.— केन्द्रीय सरकार एतद्वारा आतंकवादी और विध्वंसक क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1987 (1987 का 28) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के सर्वश्री एस. एन. तिवारी, अपर विधि सलाहकार, सी. एस. शर्मा उप-विधि-सलाहकार और जे. एस. राजावाल, लोक अभियोजक

New Delhi, the 28th June, 1994

को, उक्त अधिनियम की धारा 9 के अन्तर्गत अजमेर, राजस्थान में, और/अथवा किसी अन्य स्थान जहाँ मामले का परीक्षण किया जाए, गठित नामनिर्दिष्ट न्यायालय में नियमित मामला सं. 37 (एस.)/93-सी.बी.आई. जयपुर (अपराध सं. 174/93-जी.आर. पी.कोटा, राजस्थान) तथा दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के विशेष कार्य बल द्वारा अन्वेषित और संस्थित उक्त अधिनियम के अन्तर्गत उद्भूत अन्य मामलों विषयों में अभियोजन के संचालन के लिए, विशेष लोक अभियोजकों के रूप में नियुक्त करती है

[सं. 225/16/94-ए.बी.डी. II]

आर.एस. बिष्ट, अवर सचिव

New Delhi, the 28th June, 1994

S.O. 1783.—In exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 13 of the Terrorist and Disruptive Activities (Prevention) Act, 1987 (28 of 1987), the Central Government hereby appoints S/Shri S. N. Tewari, Additional legal Adviser, C. S. Sharma, Dy. legal Adviser and J. S. Rajawat Public Prosecutor, of the Central Bureau of Investigation as Special Public Prosecutors for conducting prosecution of Regular case No. 37 (S) of 1993, CBI, Jaipur (Crime No. 174/93 of G.R.P. Kota, Rajasthan and other cases or matters arising under the said Act, investigated and instituted by the Special Task Force of the Delhi Special Police Establishment in the Designated Court constituted under section 9 of the said Act, at Ajmer, Rajasthan and at any other place where the case is tried.

[No. 225/16/94-AVD. II]

R. S. BISHT, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 जून, 1994

का.आ. 1784.—केन्द्रीय सरकार एतद्वारा आतंकवादी और विध्वंसक क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1987 (1987 का 28) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के सर्वश्री एस.एन. तिवारी, अपर विधि सलाहकार, सी.एस. शर्मा, उप-विधि सलाहकार और जी.एस. सिंह, वरिष्ठ लोक अभियोजक को, उक्त अधिनियम की धारा 9 के अन्तर्गत कानपुर सिटी (उ.प्र.) में, और/अथवा किसी अन्य स्थान जहाँ मामले का परीक्षण किया जाए, गठित नाम निर्दिष्ट न्यायालय में नियमित मामला सं. 43 (एस) और 44 (एस)/93-सी.बी.आई. लखनऊ (अपराध सं. 595/93-पुलिस स्टेशन जी.आर.पी., कानपुर (उ.प्र.) और अपराध 597/93-पुलिस स्टेशन कानपुर, उ.प्र. (तथा दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के विशेष कार्यबल द्वारा अन्वेषित और संस्थित उक्त अधिनियम के अन्तर्गत उद्भूत अन्य मामलों/विषयों में अभियोजन के संचालन के लिए, विशेष लोक अभियोजकों के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. 225/16/94-ए.बी.डी.-II]

आर.एस. बिष्ट, अवर सचिव

S.O. 1784.—In exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 13 of the Terrorist and Disruptive Activities (Prevention) Act, 1987 (28 of 1987), the Central Government hereby appoints S/Shri S. N. Tewari, Additional legal Adviser, C. S. Sharma, Dy. legal Adviser and V. N. Singh Senior Public Prosecutor, of the Central Bureau of Investigation as Special Public Prosecutor for conducting prosecution of Regular Cases Nos. 43(S) (Crime No. 595/93 of P.S.G.R.P. Kanpur, Uttar Pradesh) and 44(S) of 1993, CBI, Lucknow and Crime No. 597/93 of P. S. Kanpur (Uttar Pradesh) and other cases or matters arising under the said Act, investigated and instituted by the Special Task Force of Delhi Special Police Establishment in the Designated Court constituted under section 9 of the said Act, at Kanpur City (U.P.) and/or at any other place where the case is tried.

[No. 225/16/94-AVD-II]

R. S. BISHT, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 जून, 1994

का.आ. 1785.—केन्द्रीय सरकार एतद्वारा आतंकवादी और विध्वंसक क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1987 (1987 का 28) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के सर्वश्री एस.एन. तिवारी, अपर विधि सलाहकार, सी.एस. शर्मा, उप-विधि सलाहकार और डी.के. पाण्डे, वरिष्ठ लोक अभियोजक को, उक्त अधिनियम की धारा 9 के अन्तर्गत सूरत (गुजरात) में, और/अथवा किसी अन्य स्थान जहाँ मामले का परीक्षण किया जाए, गठित नाम निर्दिष्ट न्यायालय में नियमित मामला सं. 43 (एस)/93-सी.बी.आई., अहमदाबाद (अपराध सं. 132/93-पुलिस स्टेशन बल्साड रेलवे पुलिस स्टेशन-I गुजरात) तथा दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के विशेष कार्यबल द्वारा अन्वेषित और संस्थित उक्त अधिनियम के अन्तर्गत उद्भूत अन्य मामलों/विषयों में अभियोजन के संचालन के लिए, विशेष लोक अभियोजकों के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. 225/16/94-ए.बी.डी.-II]

आर.एस. बिष्ट, अवर सचिव

New Delhi, the 28th June, 1994

S.O. 1785.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Terrorist and Disruptive Activities (Prevention) Act, 1987 (28 of 1987), the Central Government hereby appoints S/Shri S. N. Tewari, Additional legal Adviser, C. S. Sharma, Dy. legal Adviser and D. K. Pandey, Senior Public Prosecutor, of the Central Bureau of Investigation as Special Public Prosecutors for conducting prosecution of Regular Case No. 43(S) of 1993, CBI, Ahmedabad (Crime No. 132/93 of P. S. Valsad Rly. Police Station-I, Gujarat) and other cases or matters arising under the said Act investigated and instituted by the Special Task Force of the Delhi Special Police Establishment in the Designated Court constituted under section 9 of the said Act, at Surat (Gujarat) and at any other place where the case is tried.

[No. 225/16/94-AVD-II]

R. S. BISHT, Under Secy.

निम्न मन्त्रालय

(राजस्व विभाग)

आयकर महानिदेशक (छूट) का कार्यालय

कलकत्ता, 3 जून, 1992

आयकर

का. आ. 1786 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए, अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली 110016 को भेजेगा; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसेन्स किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिमाव को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इंडियन स्कूल आफ पॉलिटिकल इकॉनॉमि,
आर्यबोध 968/21-22, सेनापति बापत रोड,
पुना-411016

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-90 से 31-3-92 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :—1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूत्राव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है से माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन

पर की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[सं. 684/फा. सं. म. नि./आ. क. (छूट)/एस-7
कल./ 35 (1) (iii) / 90-91]

ए. के. बिस्वास, उप निदेशक

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

Office of the Director General of Income-tax (Exemptions)
Calcutta, the 3rd June, 1992

INCOME TAX

S.O. 1786.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, Technology Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian School of Political Economy,
Arthabodh, 968/21-22, Senapati Bapat Road, Pune-411016.

This Notification is effective for the period from 1st April, 1990 to 31st March, 1992.

NOTES:

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 684/F. No. DG/IT(E)/M-7/Cal/35(1)(iii).90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 9 जून, 1992

आयकर

का. आ. 1787 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट) (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिमर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ पैकेजिंग
इ 2, एम आई डी सी एरिया,
पो. बी. नं. 9433 चाकला,
अंधेरी ईस्ट बाम्बे-93

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-91 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :—1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[मं. 685/फा. सं० म. नि. /आ. क. (छूट) एम-122/
कल./ 35 (1) (ii) / 90-91]

ए. के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 9th June, 1992

INCOME TAX

S.O. 1787.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian Institute of Packaging,
E-2, MIDC Area, P.B. No. 9433,
Chakala, Andheri (East),
Bombay-93.

This Notification is effective for the period from 1-4-91 to 31-3-93.

NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 685/F. No. DG/IT(E)/M-122/Cal/35(1)(ii)/90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 9 जून, 1992

आयकर

का. आ. 1788 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा ;

- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

महाराष्ट्र राज्य द्राक्षा बगैतदार संघ (महाराष्ट्र राज्य ग्रेप ग्रीवर्स एसोसिएशन), द्राक्षा भवन ई०/4 मार्केट यार्ड, गुलटेकडी, पुणे-411037

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :—1. उपर्युक्त शर्तें (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होंगी।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदनपत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 686/फा. सं. म नि./आ. क. (छूट)/एम-13/कल/35(1)(ii)/90-91]

ए. के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 9th June, 1992

INCOME TAX

S.O. 1788.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the "category Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

1734 GI/94—2.

- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Maharashtra Rajya Draksha Bagaitdar Sangh (Maharashtra State Grape Growers' Association), 'Draksha Bhawan', E/4, Market Yard, Gultekdi, Pune-411037.

This Notification is effective for the period from 1-4-92 to 31-3-94.

NOTES :

- Condition (i) above will not apply to organisations as associations.
- The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 686]F. No DG/IT(E)/M-13/35(1)(ii)/90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 9 जून, 1992

आयकर

का. आ. 1789.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर

अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिमर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

दी इन्स्टीट्यूट ऑफ़ चाटर्ड एकाउन्टेन्ट्स
ऑफ़ इंडिया पो. बा. नं. 7100,
इन्द्रप्रस्थ मार्ग, नई दिल्ली-110002

यह आधेसूचना दिनांक 1-4-91 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :—1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं 687/फा. सं. म. नि. / आ. क. / (छूट) एन डी-46/
35 (1) (iii)/90-91]

ए. के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 9th June, 1992

INCOME TAX

S.O. 1789.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income Tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

The Institute of Chartered Accountants of India, P.B.
No. 7100, Indraprastha Marg, New Delhi-110002.

This Notification is effective for the period from 1-4-91 to 31-3-93.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 687/F. No. DG/IT(E)/ND-46/35(1)(iii)/90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 24 जून, 1992

आयकर

का. आ. 1790.—मर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संघ” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन” न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिमर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

बैफ डेवलपमेंट रिमर्च फाउंडेशन
उरली कन्चन, ताल हबेली, जि. —पूना।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :—1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 688/फा. सं. म. नि./आ. क. (छूट) / एम 57/ कल/35 (1) (ii)/90-91]
ए. के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 24th June, 1992

INCOME-TAX

S.O. 1790.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “Association” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, “Technology Bhawan”, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Baif Development Research Foundation, Urulikanchan, Tal. Haveli, Distt. Pune.

This Notification is effective for the period from 1-4-92 to 31-3-95.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-

tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 688/F. No. DG/IT(E)/M-57/35(1)(ii)/90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 24 जून, 1992

आयकर

का. आ. 1791 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संघ” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा ;

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन”, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा ; और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्तूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई गिसर्व किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

डाबर रिसर्च फाउंडेशन,
8/3, आसफ अली रोड,
नई दिल्ली—110002

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-89 से 31-3-92 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :—1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन

की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 689/फा. सं. म. नि. / आ. क. (छट) एन डी-84/कल/35 (1)(ii)/90-91]
ए. के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 24th June, 1992

INCOME TAX

S.O. 1791.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes for clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Dabour Research Foundation, 8/3, Asaf Ali Road, New Delhi-110 002.

This Notification is effective for the period from 01-04-1989 to 31-03-92.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 689/F. No. DG/IT(E)/ND-84/35(1)(ii)/90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 6 जुलाई, 1992

आयकर

का. आ. 1792 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के

अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा ;
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा ; और
- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

पैकेजिंग रिसर्च सेन्टर,
पी-35, तारातला रोड,
कलकत्ता—700088

यह अधिसूचना दिनांक 1-1-92 से 1-1-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :—1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छट), कलकत्ता को तीन प्रतियां में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 690/फा. सं. म. नि. / आ. क. (छट) / प. बं. 44/35 (1) (ii) / 90-91]
ए. के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 6th July, 1992

INCOME TAX

S.O. 1792.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by

the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemption), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Packaging Research Centre,
P-35, Taratolla Road,
Calcutta-700088.

This Notification is effective for the period from 1-1-92 to 1-1-93.

Notes. —(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 690/F. No. DG/IT(E)/WB-44/35(1)(ii)/90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 6 जुलाई, 1992

आयकर

का. आ. 1793:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संव" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक

तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छूट क वारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

श्री अरविन्द इन्स्टीट्यूट आफ एंग्लाइड साइंटिफिक रिसर्च ट्रस्ट
पांडिचेरी—605012

यह अधिसूचना दिनांक 1-1-92 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :— 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तब प्रतियां में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करेंगे हैं।

[सं. 691/फा. सं. म. नि./आ. क. (छूट) पान्डी-2 (35)
(1) (ii)/90-91]
ए. के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 6th July, 1992

INCOME TAX

S.O. 1793.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemption), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Sri Aurobindo Institute of Applied Scientific Research Trust, Pondichery-605012.

This Notification is effective for the period from 1-4-92 to 31-3-94.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 691/F. No. DG/IT(E)/Poondy-2/35(1)(ii)/90-91]
A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 6 जुलाई, 1992

आयकर

का. आ. 1794.—मर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (iii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा वहीयां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और।

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा परीक्षित आय व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इण्डियन स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यूट

203, बीटी रोड, कलकत्ता — 700035

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-5-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:—1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त / आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करनी हैं।

[सं. 692/का.सं.म.नि/आ. क (छूट) प.बं. 40/35(1)
(iii)/90-91]

ए. के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 6th July, 1992

INCOME TAX

S.O. 1794.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemption), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian Statistical Institute,
203, B. T. Road, Calcutta-700035.

This Notification is effective for the period from 1-4-92 to 31-3-93.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 692/F. No. DG/IT(E)/WB-40/35(1)(iii)/90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 6 जुलाई, 1992

Calcutta, the 6th July, 1992

INCOME TAX

आयकर

का. आ. 1795.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संघ” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा-बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन”, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दो गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा परीक्षित आय-व्यय हितान्वय का भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

अस्ट्रा रिसर्च सेंटर
पो. बा. नं० 359
18 क्रॉस मल्लेस्वम
बंगलूर-560003

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी 1. उक्त शर्त (1) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 693 फा. सं. म. नि. आ. क (छूट) कोटी-4
35 (1) (ii) 90-91]]

ए. के. विश्वास, उप निदेशक

S.O. 1795.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “Association” subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemption), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Astra Research Centre,
Post Box No. 359,
18 Cross, Malleswaram,
Bangalore-560003.

This Notification is effective for the period from 1-4-92 to 31-3-93.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 693/F. No. DG/IT(E)/KT-4/35(1)(ii)/90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 6 जुलाई, 1992

आय-कर

का. आ. 1796.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संघ” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा-बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन”, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा परीक्षित आय-उपय हिस्सा को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

हेक्साभर एग्रिकल्चरल रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट फाउन्डेशन, हेक्साभर हाउस, सायानी रोड, बम्बई-400025

यह अधिमूर्चना दिनांक 1-4-92 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :— (1) उपर्युक्त शर्त “संव” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 694/(फा. सं. म. नि./आ. क. (छूट) एम-3 कल./35(1) (ii) 90-91)]

ए. के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 6th July, 1992

INCOME TAX

S.O. 1796.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “Association” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, “Technology Bhawan”, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemption), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Hexamar Agricultural Research and Development Foundation, Hexamar House, Sayani Road, Bombay-400025.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1993.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 694/F. No. DG/IT(E)/M-3/Cal/35(1)(ii)/90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 20 जुलाई, 1992

आयकर

का. आ. 1797.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संस्था” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा-बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन”, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिस्सा को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

जसलोक हास्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर,
15 डा. जी. देशमुख मार्ग,
बम्बई-400026

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:—1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[स. 695/का. सं. म नि/आ. क० (छूट)/एम 35/35(1) (ii)/90-91]

ए. के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 20th July, 1992

INCOME TAX

S.O. 1797.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Jaslok Hospital and Research Centre,
15, Dr. G. Deshmukh Marg,
Bombay-400026.

This Notification is effective for the period from 1-4-92 to 31-3-93.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of

approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 695/F. No. DG/IT(E)/M-35/35(1)(ii)/90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 20 जुलाई, 1992

आयकर

का. आ. 1798.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा को प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

शाह इण्डस्ट्रियल रिसर्च इन्स्टीट्यूट,
सारनाथ, वाराणसी-221007

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-90 से 31-3-92 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:—1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां

सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान
विभाग को प्रस्तुत करना है।

[स. 696/फा. सं. न. नि./आ.क. (छूट)/यू पी 2/35
(1)(ii)/90-91]

ए. के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 20th July, 1992

INCOME-TAX

S.O. 1798.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Sah Industrial Research Institute,
Saranath, Varanasi-221007.

This Notification is effective for the period from 1-4-90 to 31-3-92.

Notes : (1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

- (2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 696/F. No. DG/IT(E)/UP-2/35(1)(ii)/90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 20 जुलाई, 1992

आयकर

का. धा. 1799.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर, नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, प्रौद्योगिकी भवन न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त आयकर महानिदेशक (छूट) जिन क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छूट क बार में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इन्दिरा गांधी नैशनल सेंटर फार दै आर्ट्स
जनपथ, नई दिल्ली-110001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूसाव दिया जाता है कि ये अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 697/फा. सं. न. नि./आ. क. (छूट)/न. डि. 22/
35(1)(iii) 90-91]

ए. के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 20th July, 1992

INCOME-TAX

S.O. 1799.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year, and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemption), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Indira Gandhi National Centre for the Arts, Janpath, New Delhi-110001.

This Notification is effective for the period from 1-4-92 to 31-3-93.

Notes.—(1) Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

(2) The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 697/F. No. DG/IT(F)/ND-22/35(1)(iii)/90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 20 जुलाई, 1992

आयकर

का. आ. 1800.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर 'संघ' संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा ;

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "पौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा ; और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम,

1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इण्डियन एसोसिएशन फार दि कल्टीवेशन आफ साइंस, यादवपुर, कलकत्ता-700032

यह अधिपूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:—1. उपर्युक्त शर्तें (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को पता च दिया जाना है कि वे अनुमोदन को अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता का तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 698/का. सं. म. नि./आ. क. (छूट) प. अ.-30/35(i)(ii) 90-91]

ए. के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 20th July, 1992

INCOME-TAX

S.O. 1800.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian Association for the Cultivation of Science, Jadavpur, Calcutta-700032.

This Notification is effective for the period from 1-4-92 to 31-3-1995.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 698/F. No. DG/IT(E)/WB-30/35(1)(ii)/90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 20 जुलाई, 1992

आयकर

का. आ. 1801—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, 'प्रौद्योगिकी भवन' न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा को प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया संबंधित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

नैशनल काउन्सिल आफ साइंस फुसुमा, 19-ए, गुरुसदय रोड, कलकत्ता-700019

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-91 से 31-3-92 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 699/फा.स. म. नि./आ.क. (छूट)/प.ब.-35/35
(1)(ii)/90-91]

ए.के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 20th July, 1992

INCOME TAX

S.O. 1801.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

National Council of Science Fussuma, 19-A, Gurusaday Road, Calcutta-700019.

This Notification is effective for the period from 1-4-91 to 31-3-92.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 699/F. No. DG/IT(E)/WB-35/35(1)(ii)/90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 22 जुलाई, 1992

आयकर

का.आ. 1802—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के

31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

श्री सोहनलाल जैन विद्या प्रसारक समिति, 20/6, मथुरा रोड, फरीदाबाद।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-91 से 31-3-92 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को मुद्राश दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 700/फा.सं.म.नि./आ.क(छूट)/एच-2/35(1) (iii)/90-91]

ए.के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 22nd July, 1992

INCOME TAX

S.O. 1802.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Shri Sohanlal Jain Vidya Prasarak Samiti, 20/6, Mathura Road, Faridabad.

This Notification is effective for the period from 1-4-91 to 31-3-92.

NOTES: 1.—Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 700/F. No. DG/IT(E)/H-2/35(1)(iii)/90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 29 जुलाई, 1992

आयकर

का.आ. 1803 —सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनेपोक्षित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोद्योगिकी भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति, (क) आयकर महानिदेशक (छूट), सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

श्रील इंडिया हाट फाउन्डेशन,
4874 (प्रथम तल), अन्सारी रोड,
24, दरयागंज, नई दिल्ली-110002

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर प्रायुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 701/फा.सं.म.नि./आ.क(छूट)/न दि-39/35(1)
(ii)/90-91]

ए.के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, 29th July, 1992

INCOME TAX

S.O. 1803.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

All India Heart Foundation.
4874 (1st Floor), Ansari Road,
24, Darvaganj,
New Delhi-110002.

This Notification is effective for the period from 1-4-92 to 31-3-93.

NOTES : 1.—Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 701/F. No. DG/IT(E)/ND-39/35(1)(ii)/90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 31 जुलाई, 1992

आयकर

का.आ. 1804 :—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड

(ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन बहिर्गत प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिक भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर प्रायुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(i) में दी गई रिमर्क किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिस्सा को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

एफ.आई.ए.एम.सी. बायो मेडिकल एथिक्स सेंटर सेंट्रल पायस एक्स कालेज, आरे रोड गोरेगांव ईस्ट, बम्बई-400063 यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर प्रायुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 702/फा.सं.म.नि./आ. का. (छूट)/एम-11/35(1)
(ii)/90-91]

ए.के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 31st July, 1992

INCOME TAX

S.O. 1804.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

F.I.A.M.C. Bio-Medical Ethics Centre,
St. Pius X College, Aarey Road,
Goregaon East Bombay-400063.

This Notification is effective for the period from 1-4-92 to 31-3-94.

NOTES : 1.—Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 702/F. No. DG/IT(E)/M-11/Cal/35(1)(ii)/90-91]
A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 31 जुलाई, 1992

आयकर

का.आ. 1805—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर, “संस्था” संघर्ष के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहिया रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन” न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च किया गया सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

जानान प्रबोधिनी संशोधन संस्था
510, सदाशिव पेट
पुणे 411030

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा संघर्ष के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 703/फा.सं. म नि/आ.क. (छूट)/एम-71/कल/35
(1)(iii)/90-91]

ए.के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 31st July, 1992

INCOME TAX

S.O. 1805.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technology Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Janana Prabodhini Samshodhan,
Sanstha, 510, Sadashiv Peth,
Pune-411030.

This Notification is effective for the period from 1-4-92 to 31-3-95.

NOTES : 1.—Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six

copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 703/F. No. DG/IT(E)/M-71/35(1)(iii)/90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 2 नवम्बर, 1992

आयकर

का.आ. 1806.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है, और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(i) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

गांधी मेमोरियल हैप्रोसी फाउन्डेशन,
हिन्दी नगर पो. आ.,
बरधा-442103

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-91 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्तें (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूचित किया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 740/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/एम-118/कल/35(1)(iii)/90-91]

ए.के. विश्वास, उपनिदेशक आयकर (छूट)

Calcutta, the 2nd November, 1992

INCOME TAX

S.O. 1806.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of subsection (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Gandhi Memorial Leprosy Foundation,
Hindi Nagar P.O.,
Wardha-442103.

This Notification is effective for the period from 1-4-91 to 31-3-92.

NOTES : 1.—Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 740/F. No. DG/IT(E)/M-118/35(1)(iii)/90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 11 नवम्बर, 1992

आयकर

का.आ. 1807.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii)

के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संघर्ष के अधीन अनुमोदित किया गया है—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बंदिश रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली 110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर प्राप्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

गूजरमल मोदी साइंस फाउंडेशन मोदीनगर-201201
जिला—गाजियाबाद (यूपी०)

यह अधिमूर्चना दिनांक 5-4-90 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उक्त शर्त (1) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर प्राप्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 741 (एफ सं० म०नि०/आ०क०(छूट)/यूपी-13/
कल० 35(1)(ii)/90-91]

ए०के० विश्वास, उप निदेशक

been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; &
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

Gujarmal Modi Science Foundation,
Modinagar-201201.
Dt. Ghaziabad (U.P.)

This Notification is elective for the period from 5-4-90 to 31-3-93.

NOTES : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research

[No. 741|F. No. DG|IT(E)|UP-13|Cal|35(i)(ii)|
90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

Calcutta, the 11th November, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1807.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has 1734 GI/94—4.

कलकत्ता, 13 नवम्बर, 1992

आयकर

का०आ० 1808.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर

अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयुक्त आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

जयरामदास पटेल साइंटिफिक रिसर्च फाउंडेशन 705 फ़ॉस एपार्टमेंट्स, 56 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 742 (एफ०सं० म०नि०/आ०क० (छूट)/नदि-17/कल/35(1)(ii)(90-91)]

ए०के० विश्वास, उप निदेशक

Calcutta the 13th November, 1992
(INCOME-TAX)

S.O. 1808.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has

been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clauses (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions, having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961

NAME OF THE ORGANISATION :

Jayaramdas Patel Scientific Research Foundation, 705, Eros Apartments 56, Nehru Place, New Delhi-110019.

This Notification is elective for the period from 5-4-90 to 31-3-93.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 742/F. No. DG|IT(E)|ND-17/Cal|35(i)(ii)|90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 17 नवम्बर, 1992

आयकर

सा०क० 1809.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम, के नियम 6 के अधीन विहित

प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू महरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

नेशनल हेल्थ एन्ड एजुकेशन सोसाइटी वीर सावरकर मार्ग, माहिम, बम्बई-400016

यह अधिमूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उर्ध्वोक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

ए०के० विश्वास उपनिदेशक

Calcutta, the 17th November, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1809.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes

of classes (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; &
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions, having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961

NAME OF THE ORGANISATION :

National Health & Education Society,
Veer Savarkar Marg,
Mahim,
Bombay-400016.

This Notificative is effective for the period from 1-4-92 to 31-3-93.

Notes : 1 Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 743]F. No. DG[IT(E)]M-132[Cal]35(1)(ii)
90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 19 नवम्बर, 1992

अधिसूचना

आयकर

सा०का० 1810—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के

खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा,
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब की भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

केरला फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट, पीची-680653, जिला-त्रिचूर, केरला।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-91 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 743/एफ.सं. मं. नि.आ. क. (छूट)/K-5/कल. 35(1)/(ii) 90-91]

ए०के० विश्वास, उपनिदेशक

Calcutta, the 19th November, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1810.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of

the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

Kerala Forest Research Institute,
Peechi-680653, Dist. Trichur,
Kerala.

This Notification is elective for the period from 1-4-91 to 31-3-94.

This Notification is effective for the period from organisation categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. F. 744/F. No. DG/IT(E)K-5/Cal/35/(1)(ii)/90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 19 नवम्बर, 1994

आयकर

का०आ० 1811.—सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के

लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) और जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिमाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ मैग्नेटोबायोलॉजी 52ए, एके ब्लॉक, 7वां मेन रोड, अन्ना नगर, मद्रास-40

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगी।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 745/एफ०सं० म०नि०/आ०क० (छूट)/टीएन-19/कल० 35(1)(ii) 90-91]

ए०के० बिस्वास, उपनिदेशक

Calcutta, the 19th November, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1811.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

Madras Institute of Magnetobiology,
No. 52A, A. K. Block, 7th Main Road,
Anna Nagar, Madras-50.

This Notification is effective for the period from 1-4-92 to 31-3-93.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisation categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 735|F. No. DG|IT|E|IN-19|Cal|35(1)(ii)|
(ii)|90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 19 नवम्बर, 1994

आयकर

का०आ० 1812.—सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए, अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग,

“प्रौद्योगिकी भवन” न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमार्च कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

मैन मेड टेक्स्टाइल रिमार्च एसोसिएशन नियर माइक्रोवेव टावर, रिंग रोड, सुरत-395002

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) “संघ” जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 746 (एफ.नं०/आ.नं० (छूट) जी-17/कल० 35(1)(ii)/90-91)]
ए० के० विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 19th November, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1812.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category “Institution” subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secret-

ary, Department of Scientific & Industrial Research, ‘Technoloky Bhawan’, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; &

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

Man-Made Textile Research-Association,
Near Microwave Tower, Ring Road,
Surat-395002.

This Notification is effective for the period from 1-4-92 to 31-3-93.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 746|F. No. DG|IT(E)|G-17|Cal|35(1)(ii)/90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 27 नवम्बर, 1992

आयकर

का. आ. 1813.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर “संघ” संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, “प्रौद्योगिकी भवन” न्यू मह रोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर, तक लेखा परी-
क्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट)
(ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और
(ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके
क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम
1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्यों संबंधित
छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय व्यय हिसाब को
भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

एन. सी. एन. टी. सी. नेटवर्क
द्वारा टेक्नोलॉजी भवन
न्यू मेहरौली रोड
नई दिल्ली - 110016

यह अधिसूचना दिनांक 6-7-92 से 31-3-93 तक की
अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :

1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू
नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन
की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर
निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन
पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट)
कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनु-
मोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-
पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक
अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 747 (एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट)/न. दि.
101 कल/35 (1) (ii) (90-91)]
ए. के. विश्वास, उपनिदेशक

Calcutta, the 27th November, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1813.—It is hereby notified for general infor-
mation that the organisation mentioned below has
been approved by the Prescribed Authority under
Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes
of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of
the Income-tax Act, 1961 under the category "Asso-
ciation" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate
books of accounts for its research acti-
vities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its
scientific research activities to the Secret-
ary, Department of Scientific & Industrial
Research, 'Technology Bhawan', New
Mehrauli Road, New Delhi-110016 for
every financial year by 31st May of each
year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General
of Income-tax (Exemptions), (b) Secret-
ary, Department of Scientific & Industrial
Research, and (c) Commissioner of In-
come-tax|Director of Income-tax (Exemp-
tions), having jurisdiction over the organi-
sation, by the 31st October each year, a
copy of its audited Annual Accounts and
also a copy of audited Income and Expendi-
ture Account in respect of its research
activities for which exemption has granted
under sub-section (1) of Section 35 of
Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

NCSTC-Network.
C/o. Technology Bhawan.
New Mehrauli Road.
New Delhi-110016.

This Notification is effective from the period from
6-7-1992 to 31-3-1993.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to
organisation categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplic-
ate and well in advance for further extension of the
approval, to the Director General of Income-tax
(Exemptions), Calcutta through the Commissioner
of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions)
having jurisdiction over the organisation. Six copies
of the application for extension of approval should
be sent directly to the Secretary, Department of
Scientific & Industrial Research.

[No. 747|F. No. DG|IT(E)|ND-101|Cal|35(1)(ii)/
90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director.

कलकत्ता, 27 नवम्बर, 1992

आयकर

का. आ. 1814.—सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित
किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को,
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1)
खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम, के नियम 6 के
अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ"
संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां
रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का
एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष
के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान
विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-
110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित
वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट) (ख)
सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग)
आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार
में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 35 (i) में दी गई रिसर्च कार्यों संबंधित छूट के

कारे में लेखा—परीक्षीय आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करना।

संगठन का नाम

नैशनल इन्स्टीट्यूट आफ रॉक मेकानिक्स (कोलार)
(पूर्वतन कोलार इन्स्टीट्यूट आफ रॉक मेकानिक्स एण्ड
ग्राउण्ड कंट्रोल)

चैम्पियन रीफ्स प्रो. आ., कोलार गोल्ड फील्ड 563117
कर्नाटक

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-91 से 31-3-94 तक की
अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :

1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र को 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 748/एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट) केटी-31/
कल. 35(1)(ii) (90-91)]

ए. के. विश्वास, उपनिदेशक

Calcutta, the 27th November, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1814.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemp-

tions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

National Institute of Rock Mechanics (Kolar)
(Formerly:— Kolar Institute of Rock Mech-
anics and Ground Control)
Champion Reefs P.O., Kolar Gold Fields-
563117. Karnataka.

This Notification is effective For the period from 1-4-91 to 31-3-93.

Notes : 1. Condition (i) above will not apply to organisation categorised as associations.

2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 748|F. No. DG|IT(E)|KT-31|Cal|35(1)(ii)/
90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director.

कलकत्ता, 27 नवम्बर, 1992

आयकर

का. आ. 1815.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (iii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर, तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिस्वर्त कार्यों संबंधित (छूट)

के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इन्डियन काउन्सिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकोनामिक रिलेशन्स

40 लोदी एस्टेट, नई दिल्ली - 110003

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :

1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता का तान प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 749/एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट)/निदि-23/कल./35 (1)(iii)/(90-91)]

ए. के. बिश्वास, उपनिदेशक

Calcutta, the 27th November, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1815.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/ Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited

Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian Council for Research on International Economic Relations,
40, Lodi Estate,
New Delhi-110003.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1993.

NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/ Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 749/F. No. DG/IT(E)/ND-23/Cal/35(1)(iii)/90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 30 नवम्बर 1992

आयकर

का. आ. 1816.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" वर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम

1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

यूरोलाजी सर्विसेस सोसाइटी
हॉस्पिटल रोड,
जयपुर-302001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-91 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र को 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 750/एफ सं. म. नि./आ. क. (छूट)/आर-9/
कल./35(1)(ii)(90-91)]
ए. के. बिश्वास, उपनिदेशक

Calcutta, the 30th November, 1992

(INCOME-TAX)

S.O. 1816.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy

of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Urology Services Society,
Hospital Road,
Jaipur-302001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1993.

NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as association.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 750/F. No. DG/IT(E)/R-9/Cal/35(1)(ii)/
90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता 30, नवम्बर, 1992

आयकर

का. आ. 1817.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के नियम, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" वर्ग के अंगीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिये अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के नियम, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परिक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है, और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में

दी गई रिमर्च कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित खाता-पत्र रिमांड को भी प्रस्तुत करेंगे।

संगठन का नाम

(1d) मिजोफ्रेनिया रिमर्च फाउन्डेशन नं. सी-46,
13वां स्ट्रीट, अन्ना नगर पूर्व, मद्रास-600102

सह प्रमाणित दिनांक 1-4-92 ग 31-3-94 तक
की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संघ के लिये
लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे
अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आयकर
आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके
क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम
से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता
को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन
की अवधि बढ़ाने के संबंध में किये आवेदन-
पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और
औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत
करना है।

[संख्या 751/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट) टी एन-48/
कल./35(1)(ii) (90-91)]

ए.के. बिस्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 30th November, 1992

(INCOME TAX)

S.O. 1817.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of

its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

(The) Schizophrenia Research Foundation (India),
No. C-46, 13th Street, Anna Nagar East, Madras-600 102.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1994.

NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 751/F. No. DG|IT(E)|TN-48|Cal|35(1)
(ii)|90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 4 दिसम्बर, 1992

आयकर

का. आ. 1818.—सर्व साधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" संघ के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिये अलग लेखा बहियां रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर

अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमर्च कार्यों से सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षण आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर
पोस्ट बॉक्स नं. 6042
द्वारा गोदरेज एण्ड बायस मैनु.कं. प्रा.लि., लालबाग
पैरल, बम्बई-400012

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-95 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिये लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किये आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 752/एफ सं. म.नि./आ.क. (छूट)/एम-12/
कलकत्ता / 35(1)(ii)(90-91)]

ए.के. बिश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 4th December, 1992

(INCOME TAX)

S.O. 1818.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, "Technology Bhawan", New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial

Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

World Wide Fund for Nature, Post Box No. 6042, C/o. Godrej & Boyce Mfg. Co. Pvt. Ltd., Lalbaugh, Parel, Bombay-400012.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1995.

NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 752|F. No. DG|IT(E)|M-12|Cal|35(1)
(ii)|90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 15 दिसम्बर, 1992

आयकर

का.आ. 1819.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित कि जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके

क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिस्चर्च कार्यों से सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

दि गुजरात कैंसर सोसाइटी
निउ सिविल हॉस्पिटल कंपाउन्ड
आसरा
अहमदाबाद-380016

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-93 तक को अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्तें (1) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 753/एफ.स. म. नि./आ.क. (छूट)/जी-22/कल./35 (1) (ii) (90-91)]

ए. के. बिश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 15th December, 1992

(INCOME TAX)

S.O. 1819.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :—

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial

Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

The Gujarat Cancer Society,
New Civil Hospital Compound,
Asarwa, Ahmedabad-380016.

This Notification is effective for the period from 1-4-1992 to 31-3-1993.

NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 753|F. No. DG|IT(E)|G-22|Cal|35(1)(ii)|90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 15 दिसम्बर, 1992

आयकर

का.आ. 1820.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग

और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है, और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

कर्नाटक कैंसर थेरापी एण्ड रिसर्च इन्स्टीट्यूट नवानगर, हुबली-580025

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-95 तक को अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (i) "संघ" जैसा संवर्ग के लिये लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किये आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 754 (एफ सं. म. नि./आ. क. (छूट)/केटी-3/कल. 35(1)(ii) (90-91)]

ए. के. बिस्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 15th December, 1992

INCOME TAX

S.O. 1820.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research,

search, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

The Karnataka Cancer Therapy and Research Institute, Navanagar, Hubli-580025.

This Notification is effective for the period from 1-4-92 to 31-3-95.

Notes :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 754|F. No. DG|IT(E)|KT-3|Cal|35(1)(ii)|90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 18 दिसम्बर, 1992

आयकर

का. आ. 1821.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न-उल्लिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 को उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिये अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्तूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट)

जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है, और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

सोसायटी फार डेवलपमेंट आल्टर्नेटिव्स
बी-32, इंस्टीट्यूशनल एरिया
तारा क्रेसेंट, नया मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-95 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिये लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिये आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किये आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 755/एफ सं. म. नि./आ. क. (छूट)/न वि.-19/
कल. 35(1)/(ii)/90-91]

ए.के. विश्वास, उप निदेशक,

Calcutta, the 18th December, 1992

INCOME TAX

S.O. 1821.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions),

having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Society for Development Alternatives,
B-32, Institutional Area,
Tara Crescent,
New Mehrauli Road,
New Delhi-110016.

This Notification is effective for the period from 1-4-92 to 31-3-95.

Notes :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 755/F. No. DG/IT(E)/ND-19/Cal/
35(1)(ii)/90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 18 दिसम्बर, 1992

आयकर

का. आ. 1822:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा ;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा ; और
- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक

तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब की भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

नानावती हास्पिटल मेडिकल रिसर्च सेन्टर
स्वामी विवेकानन्द रोड,
विले पार्ले (प.), बम्बई-400056

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :—1. उपर्युक्त शर्तें (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू होंगी।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 756/एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट)/एम 58/कल. 35 (1) (ii)/90-91]

ए. के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 18th December, 1992

INCOME-TAX

S.O. 1822.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year ; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary,

Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Nanavati Hospital Medical Research Centre,
Swami Vivekanand Road,
Ville-Parle (West), Bombay-400056.

This Notification is effective for the period from 1-4-92 to 31-3-93.

Notes :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 756|F. No. DG|IT (E)|M-58|Cal|35(1) (ii)|90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 18 दिसम्बर, 1992

आयकर

का. आ. 1823.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "विश्वविद्यालय" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा ;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा ; और

- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्तूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

महाराजा सायाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बरोडा,
वडोदरा—390002, गुजरात

यह अधिसूचना दिनांक 28-10-91 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पण : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संव" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 757/एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट)/जी-54/
35 (1)/(ii)/(90-91)]

ए. के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 18th December, 1992

INCOME-TAX

S.O. 1823.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "University" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for

every financial year by 31st May of each year ; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

The Maharaja Sayajirao University of Baroda,
Vadodara-390002, Gujarat.

This Notification is effective for the period from 28-10-91 to 31-3-94.

Notes :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 757/F. No. DG/IT(E)/G-54/Cal/
35 (1) (ii)/90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 18 दिसम्बर, 1992

आयकर

का. आ. 1824.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा ;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली 110016 को भेजेगा ; और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमार्क कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

बिड़ला इकोनॉमिक रिसर्च फाउन्डेशन
9/1 आर. एन. मुखर्जी रोड
कलकत्ता-700001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-95 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :—1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संघर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 758/एफ. सं. म. नि./आ. क. (छूट) पत्र-8/
कल. 35(1)(iii)/(90-91)]

ए. के. विश्वास, उप निदेशक

Calcutta, the 18th December, 1992

INCOME TAX

S.O. 1824.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for

every financial year by 31st Mar of each year; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Birla Economic Research Foundation, 9/1, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-700041.

This Notification is effective for the period from 1-4-92 to 31-3-95.

NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.
[No. 758/F. No. DG|IT(E)|W.B-8|Cal|35(1)(iii)|90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 22 दिसम्बर, 1992

आयकर

का. आ. 1825.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संघर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा ;
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष

के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिमार्क कार्यों से सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिमाव को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

कल्याणी गोरक्षण ट्रस्ट,
240 एक, शनिवार पथ,
कल्याणी बिल्डिंग,
कराड-415110

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी :—1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या 759/एफ. सं. म. नि. /आ. क. (छूट)/एम. 125/
कल. 35 (1) (ii) / 90-91]
ए. के. बिष्वास, उपनिदेशक

Calcutta, the 22nd December, 1992

INCOME TAX

S.O. 1825.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Kalyani Goraksha Trust, 240F, Shaniwar Peth, Kalyani Building, Karad-415110.

This Notification is effective for the period from 1-4-92 to 31-3-93.

NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 759/F. No. DG|IT(E)|M-125|Cal|35(1)
(ii) 90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 22 दिसम्बर 1992

आयकर

का. आ. 1826.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा ;
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक

वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और

(3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिमार्क कार्यों सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

कन्ज्यूमर एजुकेशन एण्ड रिसर्च सेंटर,
ठाकुरभाई देसाई स्मारक भवन,
साँ कालेज के पास, एलिस ब्रिज,
अहमदाबाद-380006

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1.—उपयुक्त शर्त (1) "संव" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनु-मोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 760/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/जी-8/
कल. 35 (1) (iii)/90-91]
ए.के. बिस्वास, उपनिदेशक

Calcutta, the 22nd December, 1992

INCOME-TAX

S.O. 1826.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION :

Consumer Education and Research Centre, Thakorbhai Desai Smarak Bhavan, Near Law College, Ellis Bridge, Ahmedabad-380006.

This Notification is effective for the period from 1-4-92 to 31-3-93.

NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 760/F. No. DG/IT(E)/G-8/Cal/35(1)(iii)/90-91]
A. K. BISWAS, Dy. Director.

कलकत्ता, 22 दिसम्बर, 1992

आयकर

का. आ. 1827.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संव" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (1) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा ग्रहियां रखेगा;
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक

अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी एंटी गिफ्ट कार्यों से सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

एम.पी. बिरला मेडिकल रिसर्च सेंटर
बिरला बिल्डिंग,
9/1, आर एन मुखर्जी रोड,
कलकत्ता-700001.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता की तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करनी हैं।

[संख्या : 761/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/प.व 22/
कल/35(1)(ii)/90-91]

ए.के. बिश्वास, उपनिदेशक

Calcutta, the 22nd December, 1992

INCOME-TEX

S.O. 1827.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax [Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

M. P. Birla Medical Research Centre, Birla Building, 9/1, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-700001.

This Notification is effective for the period from 1-4-92 to 31-3-93.

NOTES :

- Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax [Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 761/F. No. DG/IT(E)/WB-22/Cal/35(1)(ii)/90-91]
A. K. BISWAS, Dy. Director.

कलकत्ता, 22 दिसम्बर 1992

आयकर

का.आ. 1828.—सर्वसाधारण को एनद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक

वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रीछांगिक भवन" न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिमर्क कार्यों से सम्बन्धित (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

विडला इन्स्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोनॉमी एण्ड प्लेनेटोरियम साइन्सेज, बिड़ला बिल्डिंग,
9/1 आर एन मुखर्जी रोड,
कलकत्ता-700001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा संगठन के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करनी हैं।

[संख्या : 762/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)प.व.-3/
कल./35(1)(ii)/90-91]
ए.के. बिश्वास, उपनिदेशक

Calcutta, the 22nd December, 1992

INCOME-TAX

S.O. 1828.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

The Birla Institute of Astronomy & Planatorium Sciences, "Birla Building", 9/1, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-700 001.

This Notification is effective for the period from 1-4-92 to 31-3-93.

NOTES :

- Condition (1) above will not apply to organisations categorised as associations.
- The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 762/F. No. DG/IT(E)/WB-3/Cal/35(1)(ii)/90-91]
A. K. BISWAS, Dy. Director.

कलकत्ता, 28 दिसम्बर, 1992

आयकर

का.आ. 1829.—सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम, के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक

अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

- (3) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महा निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिचर्च कार्यों से सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

ऑर्गनान रिसर्च सेंटर
7 वुड स्ट्रीट, कलकत्ता-700016

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा प्रकरण के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करता है।

[संख्या : 763/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/पब-24/
कल. 35 (1) (ii) (90-91)]

ए.के. बिस्वास, उपनिदेशक

Calcutta, the 28th December, 1992

INCOME-TAX

S.O. 1829.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities:
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary,

Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax [Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Organon Research Centre, 7, Wood Street, Calcutta-700016.

This Notification is effective for the period from 1-4-92 to 31-3-93.

NOTES :

- Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax [Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 763/F. No. DG/IT(E)/WB-24/Cal/35(1)(ii)/90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 28 दिसम्बर, 1992

आय-कर

का. आ. 1830.—सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा-बहियां रखेगा ;
- यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई निम्न कार्यों से सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब की भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इन्स्टीट्यूट फॉर टेक्नो-इकोनॉमिक स्टडीज, 76, हारिंगटन रोड, मद्रास-600031

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-90 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता की तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 764/एफ सं. म. नि./आ. क. (छूट)/डीएन-44/
कल 35 (1) (iii) (90-91)]
ए. के. विश्वास, उपनिदेशक

Calcutta, the 28th December, 1992

INCOME-TAX

S.O. 1830.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Institute for Techno Economics Studies, 76, Harrington Road, Madras-600031.

This Notification is effective for the period from 1-4-90 to 31-3-93.

NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 764/No. DG/IT/(E)/TN-44/Cal/35(1)(iii) 90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 29 दिसम्बर, 1992

आयकर

का.आ. 1831.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन प्रहित प्राधिकारी द्वारा - निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए, अलग लेखा-बहियां रखेगा

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक

वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन", न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित। (छूट) के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इन्डो सोवियत एडवांस्ड रिसर्च सेंटर फॉर पावर मेटालर्जी (ए.आर.सी)
प्रोजेक्ट आफिस—डी, एम आर, एल
पो.आ. कन्चन बाग, हैदराबाद-258

यह अधिसूचना दिनांक 11-8-92 से 31-3-94 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : 1. उक्त शत (1) "नव" जैसा प्रकाश के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 765 /एफ सं. म.नि./आ.क. (छूट)/आप्र-18/
35 (1) (ii) 90-91]
ए.के. बिस्वास, उपनिदेशक

Calcutta, the 29th December, 1992

INCOME-TAX

S.O. 1831.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

1734 GI/94—7

- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Indo-Soviet Advanced Research Centre for Powder Metallurgy (ARC), Project Officer D.M.R.I., P. O. Kanchan Bagh, Hyderabad-258.

This Notification is effective for the period from 11-8-92 to 31-3-94.

NOTES :

- Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 765|F. No. DG|IT(E)|AP-18|Cal|35(1)(ii) 90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 29 दिसम्बर, 1992

आयकर

क्र०आ० 1832.—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड(ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी

द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्य के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्य का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू महारौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा; और

(iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट) (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिस्चर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा परीक्षित आयव्यय हिमाव को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

शंकरा रिसर्च फाउन्डेशन,
ए. 78-मसूदपुर बसन्त कुंज, नई दिल्ली-110937

यह अधिसूचना दिनांक 30-9-91 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी:— 1. उपयुक्त शर्त (1) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

(2) संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या 766 एफ सं. मं. नि. आ० का० (छूट)
नदि-104/कल/35(1)(ii) 90-91].

ए०के० बिस्वास उपनिदेशक

Calcutta, the 29th December, 1992

INCOME TAX

S.O. 1832.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the

Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year, and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Sankara Research Foundation, A-78, Masoodpur-Vasant Kunj, New Delhi-110037.

This Notification is effective for the period from 30-9-91 to 31-3-93.

NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 766/F. No. DG/IT(E)/ND-104/Cal/35(1)(ii) 90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 29 दिसम्बर, 1992

आयकर

का०आ० 1833.—गर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (iii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्था" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है:—

(i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।

(ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए

प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रोद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

- (ii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्तूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

कृष्णमाचारी योगा मन्दिर,
13, 4वा क्रॉस स्ट्रीट,
राम कृष्ण नगर,
मद्रास-600038

यह अधिगुचना दिनांक 1-5-91 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी: 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।

2. संगठन को सूझाव दिया जाता है कि वे अनुसंधान की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 767/एफ सं. म.नि./आ.क. (छूट)/
पब-37/कल/35 (1) (iii) 90-91]

ए. के. दिशवास, उपनिदेशक

Calcutta, the 29th December, 1992
INCOME TAX

S.O. 1833.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial

Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Krishnamacharya Yoga Mandir, 13, 4th Cross Street, Srikrishna Nagar, Madras-600038.

This Notification is effective for the period from 6-5-91 to 31-3-93.

NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 767/F. No. DG/IT(E)/WB-37/Cal/35(1)(iii)
90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 29 दिसम्बर, 1992

आयकर

का०आ० 1834.—सर्वसाधारण को एनद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग "प्रोद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा को प्रति (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर महानिदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

लाल चन्द एग्रिकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट
फ्लैट नं. 4 एवं 5, द्वितीय तल, कमर्शियल कॉम्प्लेक्स
सावित्री सिनेमा के पीछे, जी.के. पार्स II
नई दिल्ली-110048

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-90 से 31-3-93 तक की अवधि में लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त शर्त (1) "संघ" जैसा प्रवर्ग के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या. 768/एफ.सं. म.नि./आ.क. (छूट)/न. दि.-75/
कल./35 (1) (ii) (90-91)]

ए.के. विश्वास, उपनिदेशक

Calcutta, the 29th December, 1992

INCOME TAX

S.O. 1834.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions), having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION

Lal Chand Agricultural Research Institute,
Flat No. 4 and 5, 2nd Floor, Commercial Complex,
Behind Savitri Cinema, GK Pt. II,
New Delhi-110048.

This Notification is effective for the period from 1-4-90 to 31-3-93.

NOTES :

- Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
- The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 768|F. No. DG|IT(E)|ND-75|Cal|35(1)(ii)
90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

कलकत्ता, 29 दिसम्बर, 1992

आयकर

का. जा.— 1835:—सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, आयकर नियम के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संघ" संवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है :—

- (i) संगठन अनुसंधान कार्यों के लिए अलग लेखा बहियां रखेगा।
- (ii) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष के 31 मई तक सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, "प्रौद्योगिकी भवन" न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा, और

- (iii) यह प्रत्येक वर्ष के 31 अक्टूबर तक लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा की प्रति, (क) आयकर महानिदेशक (छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक तथा औद्योगिक, अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त आयकर महानिदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में उक्त संगठन पड़ता है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (1) में दी गई रिसर्च कार्यों सम्बन्धित छूट के बारे में लेखा-परीक्षित आय-व्यय हिसाब को भी प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

उपा साइंटिफिक रिसर्च इन्स्टीट्यूट,
14, प्रिन्सेप स्ट्रीट, कलकत्ता-700072

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-92 से 31-3-93 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

- टिप्पणी : 1. उपर्युक्त धर्त (1) "संघ" जैसा संघर्ष के लिए लागू नहीं होगा।
2. संगठन को सुझाव दिया जाता है कि वे अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करें, अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[संख्या : 769 एफ सं. स. नि. /आ. क. (छूट)/
प. व.-10/कल. 35 (1) (ii) (90-91)]

ए० के० विश्वास, उपनिदेशक

Calcutta, the 29th December, 1992

INCOME TAX

S.O. 1835.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain separate books of accounts for its research activities;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions),

having jurisdiction over the organisation, by the 31st October each year, a copy of its audited Annual Accounts and also a copy of audited Income and Expenditure Account in respect of its research activities for which exemption was granted under sub-section (1) of Section 35 of Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE ORGANISATION
Usha Scientific Research Institute, 14, Princep Street, Calcutta-700072.

This Notification is effective for the period from 1-4-92 to 31-3-93.

NOTES :

1. Condition (i) above will not apply to organisations categorised as associations.
2. The organisation is advised to apply in triplicate and well in advance for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax|Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research.

[No. 769|F. No. DG|IT(E)|WB-10|Cal|35(1)(ii)
90-91]

A. K. BISWAS, Dy. Director

आदेश

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 1994

का. भा. 1836 :—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश फा. सं. 673/120/92—सी. गु.—8 दिनांक 18-8-92 को यह निदेश जारी किया था कि श्री सुनील शान्तिनाथ शाह उर्फ कमलेश शान्तिनाथ शाह, अखण्ड ज्योति, तृतीय मंजिल, विल्डिंग नं. 2, रोड नं. 8 शान्ताक्रूज (ईस्ट) बम्बई—400055 को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार बम्बई में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे ऐसा कोई भी कार्य करने से रोका जा सके जो विदेशी मुद्रा के संवर्धन के लिए हानिकारक हो।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिसमें उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त

शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, बम्बई के समक्ष हाजिर हों।

[फा. सं. 673/120/92—सी. शु.-8]

रूप चन्द, अवसर सचिव

ORDER

New Delhi, the 14th July, 1994

S.O. 1836.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/120/92-Cus. VIII dated 18-8-92 under the said sub-section directing that Shri Sunil Shantilal Shah, @ Kamlesh Shantilal Shah, Akhand Jyot, 3rd Floor Bldg. No. 2, 8th Road, Santacruz (East), Bombay-400055 be detained and kept in custody in the Central Prison, Bombay with a view to preventing him from indulging in activities prejudicial to the augmentation of Foreign Exchange resources in future.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed ;

3. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Bombay within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/120/92-CUS. VIII]

ROOP CHAND, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 1994

का. आ. 1837:—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश फा. सं. 673/6/94—सी. शु.—8 दिनांक 27-1-94 को यह निदेश जारी किया था कि श्री पृथपाल सिंह उर्फ गोपी सुपुत्र श्री जोगिन्द्र सिंह पता—एन-51, कीर्ति नगर, नई दिल्ली को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार तिहाड़ में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे ऐसा कोई भी कार्य करने से रोका जा सके जो विदेशी मुद्रा के संरक्षण के लिए हानिकारक हो।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके।

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, नई दिल्ली के समक्ष हाजिर हों।

[फा. सं. 673/6/94—सी. शु.—8]

रूप चन्द, अवसर सचिव

ORDER

New Delhi, the 14th July, 1994

S.O. 1837.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/6/94-Cus. VIII dated 27-1-94 under the said sub-section directing that Shri Pritpal Singh @ Gogi S/o Shri Joginder Singh R/o N-51, Kirti Nagar, New Delhi be detained and kept in custody in the Central Prison, Tihar with a view to preventing him from indulging in activities prejudicial to the Conservation of Foreign Exchange resources in future.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed ;

3. Now, therefore, in exercise of the power conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, New Delhi within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/6/94-CUS. VIII]

ROOP CHAND, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 1994

का. आ. 1838:—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश फा. सं. 673/5/94—सी. शु.—8 दिनांक 27-1-1994 को यह निदेश जारी किया था कि श्री अमरजीत सिंह उर्फ बिल्ला सुपुत्र श्री जोगिन्द्र सिंह निवासी एन-51, कीर्ति नगर, नई दिल्ली को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार तिहाड़ में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे ऐसा कोई भी कार्य करने से रोका जा सके जो विदेशी मुद्रा के संरक्षण के लिए हानिकारक हो।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके।

3. अतः अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, नई दिल्ली के समक्ष हाजिर हों।

[फा. सं. 673/5/94—सी. शु.—8]

रूप चन्द, अवसर सचिव

ORDER

New Delhi, the 14th July, 1994

S.O. 1838.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/5/94-Cus. VIII dated 27-1-94 under the said sub-section directing that Shri Amarjeet Singh @ Billa S/o Shri Joginder Singh R/o N-51, Kirti Nagar, New

Delhi be detained and kept in custody in the Central Prison, Tihar with a view to preventing him from indulging in activities prejudicial to the Conservation of Foreign Exchange resources in future.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed ;

3. Now, therefore, in exercise of the power conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, New Delhi within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/5/94-CUS. VIII]
ROOP CHAND, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 1994

का. आ. 1839:—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन आदेश फा. सं. 673/116/92-सी. शु.-8 दिनांक 15-7-92 को यह निदेश जारी किया था कि श्री बजीर अहमद सुपुत्र स्वर्गीय श्री सहाबजैद गांव सकरी क्यूनि पी. एस. पचपेरवा जिला गोंडा (उ.प्र.) को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, गोंडा (उत्तर प्रदेश) में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे भविष्य में तस्करीत माल के परिवहन या छिपाने या रखने का काम करने से अन्यथा तस्करीत माल का व्यवहार करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके ;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस महानिदेशक (उ.प्र.), लखनऊ के समक्ष हाजिर हों।

[फा. सं. 673/116/92-सी. शु.-8]

रूप चन्द, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 14th July, 1994

S.O. 1839.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued under F. No. 673/116/92-Cus-VIII dated 15-7-92 under the said sub-section directing that Shri Wazir Ahmad S/o Late Shri Shabzad, Village Sakri Kuivan, P.S. Pachperwa, Distt. Gonda (U.P.) be detained and kept in custody in the Central Jail, Gonda (U.P.) with a view to preventing him from dealing in smuggled goods otherwise than by engaging in transporting or concealing or keeping smuggled goods in future.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed ;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Dir. Gen. of Police, U.P. Lucknow within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/116/92 CUS. VIII]
ROOP CHAND, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 1994

का. आ. 1840:—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन आदेश फा. सं. 673/105/92-सी. शु.-8 दिनांक 14-7-1992 को यह निदेश जारी किया था कि श्री अमरीक सिंह सुपुत्र श्री चंचल सिंह पता : गांव—धवन तहसील एवं जिला—गुरदासपुर (पंजाब) मार्फत अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, अमृतसर को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, अमृतसर में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे भविष्य में तस्करीत माल के परिवहन से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके ;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस महानिदेशक, पंजाब, चण्डीगढ़ के समक्ष हाजिर हों।

[फा. सं. 673/105/92-सी. शु.-8]

रूप चन्द, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 14th July, 1994

S.O. 1840.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued under F. No. 673/105/92-Cus. VIII dated 14-7-1992 under the said sub-section directing that Shri Amrik Singh S/o Shri Chanchal Singh resident of Village Dawan, Tehsil and District Gurdaspur (Pb.) C/o the Superintendent, Central Jail, Amritsar be detained and kept in custody in the Central Jail, Amritsar with a view to preventing him from engaging in transporting smuggled goods in future.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed ;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Dir. General of Police, Punjab, Chandigarh within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/105/92-CUS. VIII]
ROOP CHAND, Under Secy.

(आयकर)

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 1994

का. आ. 1841:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (6ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा यह घोषणा करती है कि युद्ध सामग्री और उपकरणों के निर्यात और आयात से संबंधित "स्टेट फॉरेन इकोनामिक कॉर्पोरेशन" को जो एक निगमित कंपनी है और जिसका कार्यालय गोगोलेव्स्की बल्वर 21 मास्को रूस में स्थित है भारत की सुरक्षा से संबंधित योजनाओं में भारत में या भारत में बाहर सेवा प्रदान करने हेतु भारत के राष्ट्रपति के साथ दिनांक 11 सितम्बर, 1992 को किए गए करार के अनुसरण में प्राप्त की गई तकनीकी सेवाओं के शुल्क के रूप में होने वाली किसी आय को आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत उक्त कंपनी की कुल आय की गणना करते समय, हिसाब में नहीं लिया जाएगा।

[अधिसूचना सं. 9570/फा. सं. 200/41/94-आयकर नि. I]

केशव देव, उप सचिव

(INCOME-TAX)

New Delhi, the 14th July, 1994

S.O. 1841.—In exercise of the powers conferred by clause (6-C) of Section 10 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby declares that any income arising to State Foreign Economic Corporation for Export and Import of Armament and Equipment, a company incorporated having its office at Gogolevsky Bulver 21 Moscow, Russia by way of fees for technical services received in pursuance of the agreement dated 11th September, 1992 entered into with the President of India for providing services in or outside India in projects connected with security of India shall not be taken into consideration for computing the total income of the said company under the Income-tax Act, 1961.

[Notification No. 9570/F. No. 200/41/94-ITA1]

KESHAV DEV, Dy. Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 1994

स्टाम्प

का. आ. 1812:—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा टाटा मेटेलिकस लिमिटेड, कलकत्ता को मात्र चौतीस लाख तिरासी हजार रुपये का समेकित स्टाम्प शुल्क अदा करने की अनुमति देती है जो उक्त कंपनी द्वारा जारी किए गए 29,02,50,000 रुपये के कुल मूल्य के 125 रुपये प्रत्येक के अंकित मूल्य के 1 से 23,22,000 तक की विशिष्ट संख्या वाले 23,22,000—14% सुरक्षित विमोच्य आंशिक रूप से परिवर्तनीय ऋणपत्रों पर स्टाम्प शुल्क के कारण प्रभावी है।

[सं. 23/94-स्टाम्प फा. सं. -33/51/94-बि. क.]

आत्मा राम, अवसर सचिव

ORDER

New Delhi, the 19th July, 1994

STAMPS

S.O. 1842.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits Tata Metaliks Limited, Calcutta to pay consolidated stamp duty of rupees thirty four lakh eighty three thousand only, chargeable on account of the stamp duty on 23,22,000—14% Secured Redeemable Partly Convertible Debentures of Rs. 125 each bearing distinctive numbers 1 to 23,22,000 of the value of rupees 125 each of the aggregate value of rupees 29,02,50,000 to be issued by the said company.

[No. 23/94-Stamps/F. No. 33/51/94-ST]

ATMA RAM, Under Secy.

विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 1994

का. आ. 1843:—राजनयिक कौंसली अधिकारी (शपथ एवम् शुल्क) अधिनियम, 1948 (1948 का 41वां) की धारा 2 के अंक (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत का मुख्य कौंसलावास सान-फ्रांसिस्को में सहायक श्री के. पी. पांडे को 4-5-1994 में कौंसली एजेंट का कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[टी-4330/1/94]

ओस्कर केरकेट्टा, अवसर सचिव (कौंसली)

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 1st July, 1994

S.O. 1843.—In pursuance of the Clause 'A' of Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers' (Oath and Fees) Act, 1948 (41 of 1948) the Central Government hereby authorises Shri K. P. Pandey, Assistant in the Consulate General of India, San Francisco to perform the duties of Consular Agent with effect from 4-5-1994.

[No. T-4330/1/94]

OSCAR KERKETTA, Under Secy. (Cons.)

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 1994

का. आ. 1844:—राजनयिक कौंसली अधिकारी (शपथ एवम् शुल्क) अधिनियम, 1948 (1948 का 41वां) की धारा 2 के अंक (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत का मुख्य कौंसलावास सिकागो में सहायक श्री ओ. पी. यादव को 4-5-94 से कौंसली एजेंट का कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[टी-4330/1/94]

ओस्कर केरकेट्टा, अवसर सचिव (कौंसली)

New Delhi, the 1st July, 1994

S. O. 1844.—In pursuance of the Clause 'A' of Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers' (Oath and Fees) Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby authorises Shri O. P. Yadav, Assistant, in the Consulate General of India, Chicago to perform the duties of Consular Agent with effect from 4-5-1994.

[No. T-4330/1/94]

OSCAR KERKETTA, Under Secy. (Cons.)

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 1994

New Delhi, the 1st July, 1994

का. आ. 1845.—राजनयिक कौंसली अधिकारी (शपथ एवं शुल्क) अधिनियम, 1948 (1948 का 41वां) की धारा 2 के अंक (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत का मुख्य कौंसलावास बिरमिंघम में सहायक श्री निर्मल के. अचार्य को 4-5-94 से कौंसली एजेंट का कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[सं. टी-4330/1/94]

ओस्कर केरकेट्टा, अवसर सचिव (कौंसली)

New Delhi, the 1st July, 1994

S.O. 1845.—In pursuance of the Clause 'A' of the Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oath and Fees), Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby authorises Shri Nirmal K. Acharya, Assistant, in the Consulate General of India, Birmingham, to perform the duties of Consular Agent with effect from 4-5-1994.

[No. T-4330/1/94]

OSCAR KERKETTA, Under Secy. (Cons.)

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 1994

का.आ. 1846.—राजनयिक कौंसली अधिकारी (शपथ एवं शुल्क) अधिनियम, 1948 (1948 का 41वां) की धारा 2 के अंक (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत का मुख्य कौंसलावास सिकागो में सहायक श्री ओ.पी. यादव को 4-5-94 से कौंसली एजेंट का कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[सं. टी-4330/1/94]

ओस्कर केरकेट्टा, अवसर सचिव (कौंसली)

New Delhi, the 1st July, 1994

S.O. 1846.—In pursuance of the Clause 'A' of the Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oath and Fees), Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby authorises Shri O. P. Yadav, Assistant, in the Consulate General of India, Chicago to perform the duties of Consular Agent with effect from 4-5-1994.

[No. T-4330/1/94]

OSCAR KERKETTA, Under Secy. (Cons.)

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 1994

का. आ. 1847.—राजनयिक कौंसली अधिकारी (शपथ एवं शुल्क) अधिनियम, 1948 (1948 का 41वां) की धारा 2 के अंक (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत का दूतावास मास्को में ए.पी. डब्ल्यू. ओ. श्री अजय मल्होत्रा को 8-6-94 से कौंसली एजेंट का कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[सं. टी-4330/1/94]

ओस्कर केरकेट्टा, अवसर सचिव (कौंसली)

S.O. 1847.—In pursuance of the Clause 'A' of the Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oath and Fees), Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby authorises Shri Ajay Malhotra, APWO in the Embassy of India, Moscow to perform the duties of Consular Agent with effect from 8-6-1994.

[No. T-4330/1/94]

OSCAR KERKETTA, Under Secy. (Cons.)

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 1994

का.आ. 1848.—राजनयिक कौंसली अधिकारी (शपथ एवं शुल्क) अधिनियम, 1948 (1948 का 41वां) की धारा 2 के अंक (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत का मुख्य कौंसलावास जेद्दा में सहायक श्री जी. हरहाप्पन को 20-6-94 से कौंसली एजेंट का कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[सं. टी-4330/1/94]

ओस्कर केरकेट्टा, अवसर सचिव (कौंसली)

New Delhi, the 1st July, 1994

S.O. 1848.—In pursuance of the Clause 'A' of the Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers' (Oath and Fees), Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby authorises Shri G. Harahappan, Assistant in the Consulate General of India, Jeddah to perform the duties of Consular Agent with effect from 20-6-1994.

[No. T-4330/1/94]

OSCAR KERKETTA, Under Secy. (Cons.)

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 1994

का. आ. 1849.—राजनयिक कौंसली अधिकारी (शपथ एवं शुल्क) अधिनियम, 1948 (1948 का 41वां) की धारा 2 के अंक (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत का उच्चायोग विंजस्टन में सहायक श्री एन. सहनोद को 22-6-94 से कौंसली एजेंट का कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[सं. टी-4330/1/94]

ओस्कर केरकेट्टा, अवसर सचिव (कौंसली)

New Delhi, the 1st July, 1994

S.O. 1849.—In pursuance of the Clause 'A' of the Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oath and Fees), Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby authorises Sh. A. S. Shenoy, Assistant in the High Commission of India, Kingston to perform the duties of Consular Agent with effect from 22-6-1994.

[No. T-4330/1/94]

OSCAR KERKETTA, Under Secy. (Cons.)

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 1994

का. आ. 1850.—राजनयिक कौंसली अधिकारी (शपथ एवम् शुल्क) अधिनियम, 1948 (1948 का 41वां) की धारा 2 के अंक (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत का दूतावास रियाध में सहायक श्री सी. बी. खानपुरे को 20-6-94 से कौंसली एजेंट का कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[टी.-4330/1/94]

ओस्कर केरकेट्टा, अवसर सचिव (कौंसली)

New Delhi, the 1st July, 1994

S.O. 1850.—In pursuance of the Clause 'A' of the Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oath and Fees), Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby

authorises Shri C. B. Khanapure, Assistant in the Embassy of India, Riyadh to perform the duties of Consular Agent with effect from 20-6-1994.

[No. T-4330/1/94]

OSCAR KERKETTA, Under Secy. (Cons.)

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 1994

का. आ. 1851.—राजनयिक कौंसली अधिकारी (शपथ एवम् शुल्क) अधिनियम, 1948 (1948 का 41वां) की धारा 2 के अंक (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत का मुख्य कौंसलावाम बिरमिंघम में सहायक श्री निर्मल के. आचार्य को 4-5-94 से कौंसली एजेंट का कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[टी.-4330/1/94]

ओस्कर केरकेट्टा, अवसर सचिव (कौंसली)

New Delhi, the 1st July, 1994

S.O. 1851.—In pursuance of the Clause 'A' of the Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oath and Fees), Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby authorises Shri Nirmal K. Acharya, Assistant, in the Consulate General of India, Birmingham, to perform the duties of Consular Agent with effect from 4-5-1994.

[No. T-4330/1/94]

OSCAR KERKETTA, Under Secy. (Cons.)

कोयला मंत्रालय

नई दिल्ली, 17 जून, 1994

का. आ. 1852.—केन्द्रीय सरकार ने कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन निकाली गई, भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3 उपखंड (ii) तारीख 8 मई, 1993 के पृष्ठ 1315 और 1316 पर प्रकाशित अधिसूचना सं. का. आ. 892, तारीख 12 अप्रैल, 1993 के साथ पठित और भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 2 नवम्बर, 1991 में प्रकाशित भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 2753, तारीख 9 अक्तूबर, 1991 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र की भूमि में, जिसका माप 494.72 एकड़ (लगभग) या 200 209 हेक्टर (लगभग) है, खनिजों को खनन, खदान बोर करने, उनकी खुदाई और खोज करने, उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य करने तथा उन्हें ले जाने के अधिकारों का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

और नया प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 8 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

श्रीर केन्द्रीय सरकार का, पूर्वोक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् श्रीर मध्य प्रदेश सरकार से परामर्श करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि उससे संलग्न अनुसूची में वर्णित 494.72 एकड़ (लगभग) या 200.209 हेक्टर (लगभग) माप वाली भूमि में खनिजों का खनन, खदान, बोर करने, उनकी खुदाई और उनकी खोज करने, उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकार अर्जित किए जाने चाहिए।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उक्त अनुसूची में वर्णित 494.72 एकड़ (लगभग) या 200.209 हेक्टर (लगभग) माप वाली भूमि में खनिजों का खनन, खदान, बोर करने, उनकी खुदाई और उनकी खोज करने, उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य करने तथा उन्हें ले जाने के अधिकारी अर्जित किए जाते हैं।

इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के सं. एस. ई. सी. एल./बी. एल. पी./जी. एम./पी. एल. जी. लैड/114 तारीख 8 सितम्बर, 1992 वाले रेखांक का निरीक्षण कलेक्टर, सरगुजा (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में या साउथ इस्टर्न कोलीफील्ड्स लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) सी।एन. रोड, बिलामपुर (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में किया जा सकता है।

अनुसूची

कटकोना कोयला खान

बैकुंठपुर क्षेत्र

जिला—सरगुजा (मध्य प्रदेश)

खनन अधिकार
वन भूमि

क्र. सं.	वन कम्पाटमेंट	रैंज	प्रभाग	क्षेत्र हेक्टर में	टिप्पणी
1.	213	सूरजपुर	दक्षिण सरगुजा	30.272	भाग
2.	214	सूरजपुर	दक्षिण सरगुजा	29.767	भाग
3.	215	सूरजपुर	दक्षिण सरगुजा	90.371	भाग
4.	216	सूरजपुर	दक्षिण सरगुजा	15.343	भाग
5.	473	बैकुंठपुर	कोरिया	18.430	भाग
6.	479	बैकुंठपुर	कोरिया	06.440	भाग
7.	480	बैकुंठपुर	कोरिया	09.586	भाग

कुल 200.209 हेक्टर (लगभग)
या
494.72 एकड़ (लगभग)

सीमा वर्णन :

क—ख	रेखा कोरिया वन प्रभाग में "क" बिन्दु से आरम्भ होती है और वन कम्पार्टमेंट संख्यांक 480 से होकर जाती है उसके बाद वन कम्पार्टमेंट संख्यांक 213, 214, 216 से होकर दक्षिण सरगुजा प्रभाग में जाती है और "ख" बिन्दु पर मिलती है।
ख—ग	रेखा वन कम्पार्टमेंट संख्यांक 216, 215 से होकर जाती है उसके बाद वन कम्पार्टमेंट संख्यांक 473 से होकर कोरिया वन प्रभाग में आगे जाती है और "ग" बिन्दु पर मिलती है।
ग—घ	रेखा वन कम्पार्टमेंट संख्यांक 473, 479, 480 से होकर जाती है और आरम्भिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[फा. सं. 43015/18/89-एल. एम. वकल्य]
चिनय वणिष्ठ, निदेशक

MINISTRY OF COAL
New Delhi, the 17th June, 1994

S.O. 1852. —Whereas by the notification of the Government of India to the Ministry of Coal number S.O. 2753, dated the 9th October, 1991, issued under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Area (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), (hereinafter referred as to the said Act), and published in Part II, Section 3, Sub-section(ii) of the Gazette of India, dated the 2nd November, 1991, the Central Government gave notice of its intention to acquire the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the lands measuring 494.72 acres (approximately) or 200.209 hectares (approximately) in the locality specified in the Schedule appended to that notification;

And whereas the competent authority, in pursuance of section 8 of the said act, has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government, after considering the report aforesaid and after consulting the Government of Madhya Pradesh, is satisfied that the rights to mine, quarry, bore, dig and search for win, work and carry away minerals in the lands measuring 494.72 acres (approximately) or 200.209 hectares (approximately) described in the Schedule appended hereto should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section(1) of section 9 of the said Act, the Central Government hereby declares that the rights to mine, quarry, bor, dig and search for win, work and carry away 'minerals in the lands measuring 494.72 acres (approximately) or 200.209 hectares (approximately) described in the said Schedule appended hereto are hereby acquired,

The plan bearing NO. SECL/BSP/GN(PIG)/Land/114, dated the 8th September, 1992, of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Collector, Surguja (Madhya Pradesh) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the office of the South Eastern Coalfields Limited (Revenue Section), Seepat Road, Bilaspur 495001 (Madhya Pradesh).

SCHEDULE
KATKONA COLLIERY
BAIKUNTPUR AREA
DISTRICT — SURGUJA (MADHYA PRADESH)

MINING RIGHTS
FOREST LAND

Serial number	Forest Compartment number	Range	Division	Area in hectares	Remarks
1.	213	Surajpur	South Surguja	30.272	Part
2.	214	Surajpur	South Surguja	29.767	Part
3.	215	Surajpur	South Surguja	90.371	Part
4.	216	Surajpur	South Surguja	15.343	Part
5.	473	Baikuntpur	Korea	18.430	Part
6.	479	Baikuntpur	Korea	06.440	Part
7.	480	Baikuntpur	Korea	09.586	Part
Total				200.209 hectares (approximately) or 494.720 acres (approximately)	

Boundry Description:

- A—B** Line starts from point 'A' in Korea Forest Division and passes through forest compartment number 480, then proceeds in South Surguja Division through forest compartment number 213, 214, 216 and meets at point 'B'.
- B—C** Line passes through forest compartment numbers 216, 215, then proceeds in Korea forest division through forest compartment number 473 and meets at point 'C'.
- C—D—A** Line passes through forest compartment numbers 473, 479 480 and meets at the starting point 'A'.

[F: No. 43015/18/89-I SW]
VINAY VASISHTHA, Director

नई दिल्ली, 23 जून, 1994

का. आ. 1853.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची क और अनुसूची ख में उल्लिखित भूमि में कोयला अभिप्राप्त किए जाने की संभावना है,

अतः अब केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस क्षेत्र में कोयले का पूर्वोक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती . .

इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. सी-I/(ई)/III/एफ. एफ. आर./500—1091 तारीख 22 अक्टूबर, 1991 का निरीक्षण वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (राजस्व विभाग) कोल इस्टेट, सिविल लाइंस, नागपुर-440001 के कार्यालय में या कलेक्टर बेतूल (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाऊस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाली भूमि में हितवद्ध सभी व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) निर्दिष्ट सभी नक्शों, चार्टों और अन्य दस्तावेजों, को, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिन के भीतर, राजस्व अधिकारी, वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, कोल इस्टेट, सिविल लाइंस, नागपुर-440001 (महाराष्ट्र) को भेजेंगे।

अनुसूची "क"

तथा विस्तार ग्लाक

पथखेडा क्षेत्र

जिला बेतूल (मध्य प्रदेश)

क्र.सं.	वन का नाम	कम्पार्टमेंट	तहसील	जिला	क्षेत्र हैक्टेयर में	टिप्पणी
1.	मध्य प्रदेश सरकार का असीर आरक्षित वन।	396	बेतूल	बेतूल	79.219 भाग	
2.	मध्य प्रदेश सरकार का असीर आरक्षित वन।	397	बेतूल	बेतूल	373.691 भाग	
3.	मध्य प्रदेश सरकार का असीर आरक्षित वन।	398	बेतूल	बेतूल	98.078 भाग	
4.	मध्य प्रदेश सरकार का असीर आरक्षित वन।	400	बेतूल	बेतूल	66.265 भाग	

कुल क्षेत्र : 527.253 हैक्टेयर (लगभग)

या

1302.84 एकड़ (लगभग)

अनुसूची "ख"

क्र.सं.	स्वामी का नाम	तहसील	जिला	क्षेत्र हेंक्टर में	टिप्पणी
1.	पुनर्वास विभाग, मध्य प्रदेश	बेतूल	बेतूल	162.000	भाग
2.	मध्य प्रदेश विद्युत बोर्ड, सरनी	बेतूल	बेतूल	64.000	भाग
कुल क्षेत्र :				226.000 हेक्टेयर (लगभग)	
				या	
				558.44 एकड़ (लगभग)	

कुल योग (अनुसूची क + अनुसूची ख) : 753.253 हेक्टेयर (लगभग) या 1861.28 एकड़ (लगभग)

सीमा वर्णन :

क—ख	रेखा बिन्दु "क" से आरम्भ होती है और पुनर्वास क्षेत्र से होकर और उसके बाद कम्पार्टमेंट स. 398 से होकर जाती है और बिन्दु "ख" पर मिलती है।
ख—ग	रेखा कम्पार्टमेंट संख्यांक 398 से होकर और उसके बाद मध्य प्रदेश विद्युत बोर्ड द्वारा धारित भूमि से होकर जाती है और बिन्दु "ग" पर मिलती है।
ग—घ	रेखा भागतः मध्य प्रदेश विद्युत बोर्ड द्वारा धारित भूमि से होकर और उसके बाद असीर आरक्षित वन की पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "घ" पर मिलती है।
घ—ङ.	रेखा कम्पार्टमेंट संख्यांक 395 और 396 की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है उसके बाद असीर आरक्षित वन के कम्पार्टमेंट संख्यांक 396 से होकर आगे जाती है और कम्पार्टमेंट संख्यांक 396 की उत्तरी सीमा के बिन्दु "ब" पर मिलती है।
ङ.—च	रेखा कम्पार्टमेंट संख्यांक 396 और 397 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "च" पर मिलती है।
च—छ	रेखा पुनर्वास क्षेत्र की पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है, उसके बाद उसी क्षेत्र से होकर आगे जाती है और बिन्दु "छ" पर मिलती है।
छ—क	रेखा पुनर्वास क्षेत्र की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "क" पर मिलती है।

[सं. 43015/22/91--एल. एस. डब्ल्यू.]

विनय वसिष्ठ, निदेशक

New Delhi, the 23rd June, 1994

S.O. 1853. —Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the Schedule A and Schedule B hereto annexed :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein

The plan bearing No. C-1(E)/III/FFR/500-1091 dated the 22nd October, 1991 of the area covered by this notification can be inspected in the office of the Western Coalfields Limited (Revenue Department), Coal Estate, Civil Lines, Nagpur-40001 or in the office of the Collector, Betul (Madhya Pradesh) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the lands covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of the section 13 of the said Act to the Revenue Officer, Western Coalfields Limited, Coal Estate, Civil Lines, Nagpur-440001 (Maharashtra) within ninety days from the date of publication of this notification in the Official Gazette

SCHEDULE 'A'
TAWA EXTENSION BLOCK
PATHAKHERA AREA
DISTRICT BETUL (MADHYA PRADESH)

Sl. No.	Name of forest	Compartment Number	Tahsil	District	Area in hectares	Remarks
1.	Asir Reserve Forest of Government of Madhya Pradesh.	396	Betul	Betul	79.219	Part
2.	Asir Reserve Forest of Government of Madhya Pradesh.	397	Betul	Betul	283.691	Part
3.	Asir Reserve Forest of Government of Madhya Pradesh.	398	Betul	Betul	98.078	Part
4.	Asir Reserve Forest of Government of Madhya Pradesh.	400	Betul	Betul	66.265	Part
Total area :					527.53 hectares approximately or 1302.84 acres (approximately)	

SCHEDULE 'B'

Sl. No.	Name of owner	Tahsil	District	Area in hectares	Remarks
1.	Rehabilitation Department of Madhya Pradesh.	Betul	Betul	162.000	Part
2.	Madhya Pradesh Electricity Board, Sarni.	Betul	Betul	64.000	Part
Total area :				226.000 hectares (approximately) or 558.44 acres (approximately)	

Grand Total
(Schedule A + Schedule B) : 753.253 hectares (approximately)
or 1861.28 acres (approximately)

Boundary description :

- A—B : Line starts from point 'A' and passes through rehabilitation area and then through Compartment No. 398 and meets at point 'B'.
- B—C : Line passes through Compartment No. 398 and then through land held by Madhya Pradesh Electricity Board and meets at point 'C'.
- C—D : Line passes partly through the land held by Madhya Pradesh Electricity Board and then along the eastern boundary of Asir Reserve Forest and meets at point 'D'.
- D—E : Line passes along the common boundary of compartment number 395 and 396, then proceeds through compartment number 396 of Asir Reserve Forest and meets on the Northern Boundary of compartment number 376 at point 'E'.
- E—F : Line passes along the northern boundary of compartment number 396 and 397 and meets at point 'F'.
- F—G : Line passes along the eastern boundary of the rehabilitation area, then proceeds through the same area and meets at point 'G'.
- G—A : Line passes along the western boundary of the rehabilitation area and meets at point 'A'.

[F. No. 43015/22/91-LSW]
VINAY VASISHTHA, Director

आदेश

नई दिल्ली, 23 जून, 1994

का. आ. 1854 :—कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन निकाली गई भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का. आ. 1164, तारीख 27 मई, 1993 के, भारत के राजपत्र, भाग 2 खण्ड 3, उपखण्ड (ii) तारीख 27 मई, 1993 में प्रकाशित होने पर, उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित भूमि (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त भूमि कहा गया है)

में खनिजों का खनन, खदान, बोर करने, उनकी खुदाई और खोज करने उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकार उक्त अधिनियम की धारा 10 की उपधारा (1) के अधीन, सभी विल्लगनों से मुक्त होकर, आत्यंतिक रूप से केन्द्रीय सरकार में निहित हो गए थे,

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, विलासपुर (जिसे इसमें इसके पश्चात् सरकारी कम्पनी कहा गया है) ऐसे निर्बंधनों और शर्तों का, जो केन्द्रीय सरकार इस निमित्त अधिरोपित करना ठीक समझे, अनुपालन करने के लिए रजामंद है,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि इस प्रकार निहित उक्त भूमि में के पूर्वोक्त अधिकार, तारीख 5 जून, 1993 से केन्द्रीय सरकार में इस प्रकार निहित बने रहने की बजाय, निम्नलिखित निर्बंधनों और शर्तों के अधीन रहते हुए, सरकार कम्पनी में निहित हो जाएंगे, अर्थात् :—

(1) सरकारी कम्पनी, उक्त अधिनियम के उपबंधों के अधीन अवधारित प्रतिकर, ब्याज, नुकसानी और वैसी ही मदों की बावत किए गए सभी सदायों की केन्द्रीय सरकार को प्रतिपूर्ति करेगी,

(2) सरकारी कम्पनी द्वारा शर्त (1) के अधीन, केन्द्रीय सरकार को संदेय रकमों का अवधारण करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण का गठन किया जाएगा तथा ऐसे किसी अधिकरण और ऐसे अधिकरण की सहायता करने के लिए नियुक्त व्यक्तियों के संबंध में उपगत सभी व्यय, उक्त सरकारी कम्पनी वहन करेगी और इसी प्रकार, इस प्रकार निहित उक्त भूमि में या उस पर के अधिकारों के लिए या उनके संबंध में सभी विधिक कार्यवाहियां जैसे अपील, आदि की बावत उपगत सभी व्यय भी, सरकार कम्पनी वहन करेगी,

(3) सरकारी कम्पनी केन्द्रीय सरकार या उसके पदधारियों की, ऐसे किसी अन्य व्यय के संबंध में, जो इस प्रकार निहित उक्त भूमि में के अधिकारों के बारे में, केन्द्रीय सरकार या उसके पदधारियों द्वारा या उनके विरुद्ध किन्हीं कार्यवाहियों के संबंध में आवश्यक हो, क्षतिपूर्ति करेगी,

(4) सरकारी कम्पनी को, केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोक्षण के बिना उक्त भूमि में के अधिकार किसी अन्य व्यक्ति को अंतरित करने की शक्ति नहीं होगी, और

(5) सरकारी कम्पनी, ऐसे निर्देशों और शर्तों का, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा, जब कभी आवश्यक हो, उक्त भूमि के विशिष्ट क्षेत्रों के लिए दी या अधिरोपित की जाएं, पालन करेगी।

[फा. सं. 43015/22/86 - सी ए/एल. एस. डब्ल्यू.]

विनय वसिष्ठ, निदेशक

ORDER

New Delhi, the 23rd June, 1994

S.O. 1854.—Whereas on the publication of the notification of the Government of India in the Ministry of Coal number S.O. 1164, dated the 27th May, 1993 in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 5th June, 1993 issued under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1947) (hereinafter referred to as the said Act), the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the lands described in the Schedule appended to the said notification (hereinafter referred to as the said lands) vested absolutely in the Central Government free from all encumbrances under sub-section (1) of section 10 of the said Act;

And whereas the Central Government is satisfied that the South Eastern Coalfields Limited, Bilaspur (hereinafter referred to as the Government Company) is willing to comply with such terms and conditions as the Central Government thinks fit to impose in this behalf;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the said Act, the Central Government hereby directs that the aforesaid rights in the said lands so vested shall, with effect from the 5th June, 1993, instead of continuing to so vest in the Central Government, vest in the Government Company, subject to the following terms and conditions, namely :—

(1) The Government Company shall reimburse the Central Government all payments made in respect of compensation, interest, damages and the like, as determined under the provisions of the said Act;

(2) a tribunal shall be constituted for the purpose of determining the amounts payable to the Central Government by the Government Company under condition (1), and all expenditure incurred in connection with any such tribunal and persons appointed to assist the tribunal shall be borne by the Government Company and, similarly, all expenditure incurred in respect of all legal proceedings like appeals, etc., for or in connection with the right, in the said lands, so vesting shall also be borne by the Government Company;

(3) the Government Company shall indemnify the Central Government or its officials against any other expenditure that may be necessary in connection with any proceedings, by or against the Central Government or its officials regarding the rights in the said lands so vesting;

(4) the Government Company shall have no power to transfer the rights in the said lands so vested to any other person without the previous approval of the Central Government; and

(5) the Government Company shall abide by such directions and conditions as may be given or imposed by the Central Government for particular areas of the said lands, as and when necessary.

[No. 43015/22/86-CA/LSW]

VINAY VASISHTHA, Director

नई दिल्ली, 23 जून, 1994

का. आ. 1855.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) धारा 4 की उपधारा (1) के अन्तर्गत जारी की गई और भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii), तारीख 4 दिसम्बर, 1993 को पृष्ठ 3680 से 3681 तक में प्रकाशित भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 2586, तारीख 10 नवम्बर, 1993 द्वारा उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिश्रेत की भूमि के 141.10 हेक्टर (लगभग) या 348.67 एकड़ (लगभग) में कोयले के पूर्वोक्षण करने के अपने आणय की सूचना दी थी,

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त भूमि के भाग में कोयला अभिप्राप्य है,

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे संलग्न अनुसूची में यथावर्णित 130.03 हेक्टर (लगभग) या 321.32 एकड़ (लगभग) माप वाली भूमि में खनन अधिकारों का अर्जन करने के अपने आणय की सूचना देती है,

टिप्पणी : 1: इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक संख्या सी-1 (ई) III जे. आर. 540-0893, तारीख 17 अगस्त 1993 का निरीक्षण कलेक्टर का कार्यालय चन्द्रपुर (महाराष्ट्र) या कोयला नियंत्रक का कार्यालय, 1 काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता या वेस्टर्न कोलफील्ड्स, मिजिल लाईंस, नागपुर - 440001 (महाराष्ट्र) में किया जा सकता है।

टिप्पणी : 2: उक्त अधिनियम की धारा 8 के उपबंधों पर ध्यान आकर्षित किया जाता है, जिसमें निम्नलिखित उपबंध हैं :—

8. अर्जन के प्रति आक्षेप—

(1) कोई व्यक्ति जो किसी भूमि में जिसकी वास्तव धारा 7 के अधीन अधिसूचना निकाली गई है, हितबद्ध है, अधिसूचना के निकाले जाने से तीस दिन के भीतर सम्पूर्ण भूमि या उसके किसी भाग या ऐसी भूमि में या उस पर के किन्हीं अधिकारों का अर्जन किए जाने के बारे में आपत्ति कर सकेगा।

स्पष्टीकरण— इस धारा के अन्तर्गत यह आपत्ति नहीं मानी जाएगी कि कोई व्यक्ति किसी भूमि में कोयला उत्पादन के लिए स्वयं खनन क्रियाएं करनी चाहता है और ऐसी परिस्थिति में केन्द्रीय सरकार या किसी अन्य व्यक्ति को नहीं करना चाहिए।

(2) उपधारा (1) के अधीन प्रत्येक आपत्ति सक्षम प्राधिकारी को लिखित रूप में दी जाएगी और सक्षम प्राधिकारी आपत्ति-कर्ता को स्वयं सुने जाने का या विधि व्यवसायी द्वारा सुनवाई का अवसर देगा और ऐसी सभी आपत्तियों को सुनने के पश्चात् और ऐसी अतिरिक्त जांच, यदि कोई हो, करने के पश्चात् जो वह आवश्यक समझता है वह या तो धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन अधिसूचित भूमि के या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में एक रिपोर्ट या ऐसी भूमि के विभिन्न टुकड़ों या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में आपत्तियों पर अपनी सिफारिशों और उसके द्वारा की गई कार्यवाही के अभिलेख सहित विभिन्न रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को उसके विनिश्चय के लिए देगा।

(3) इस धारा के प्रयोजनों के लिए वह व्यक्ति किसी भूमि में हितबद्ध समझा जाएगा जो प्रतिकर में हित का दावा करने का हकदार होता यदि भूमि या किसी ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकार इस अधिनियम के अधीन अर्जन कर लिए जाते हैं।

टिप्पणी : 3: केन्द्रीय सरकार ने भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 11 जून, 1983 के पृष्ठ 2446 से 2450 तक में प्रकाशित अधिसूचना सं. का. आ. 2519, तारीख 27 मई, 1983 द्वारा कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता को स्वतः अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी नियुक्त किया है।

असूनुची
नंदगांव विस्तार ब्लाक
चन्द्रपुर क्षेत्र
जिला - चन्द्रपुर (महाराष्ट्र)

(प्लान सं. सी - 1 (ई) III जे. आर. 540 - 0893, तारीख 17 अगस्त, 1993)

खनन अधिकार

क्र. सं.	ग्राम का नाम	पटवारी सर्किल संख्या	कम्पाटमेंट	तहसील	जिला	क्षेत्र हैक्टर में	टिप्पणी
1.	विसापुर	7	—	चन्द्रपुर	चन्द्रपुर	46.36	भाग
2.	मियोकुंड	7	—	चन्द्रपुर	चन्द्रपुर	65.97	भाग
3.	आरक्षित वन, चांदा रेंज, चन्द्रपुर खंड	—	486	चन्द्रपुर	चन्द्रपुर	17.70	भाग
कुल क्षेत्र						130.03 हैक्टर (लगभग) या 321.32 एकड़ (लगभग)	

ग्राम विसापुर में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक :

394 भाग, 396 से 398, 411 से 432, 433/1, 433/2, 434, 435, 445 से 456, 457 भाग, 458 भाग, सड़क भाग, नाला भाग।

ग्राम मियोकुंड में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक :

1 भाग, 2 भाग, 3 से 15, 16क, 16ख, 17, 18क, 18ख, 19क, 19ख, 20 से 26, 27/1, 27/2, 28 से 38, 39 भाग, 49 भाग, 50 से 57, 58 भाग, 59, 60 भाग, 61, 62 भाग, 64 भाग, 65 भाग, 81 भाग सड़क मार्ग।

आरक्षित वन चांदा रेंज, चन्द्रपुर में अर्जित किए जाने वाले कम्पाटमेंट संख्यांक :

486 भाग।

सीमा वर्णन :

क-ख : रेखा "क" बिन्दु से आरम्भ होती है और नाला की पश्चिमी सीमा के साथ ग्राम विसापुर से गुजरती है और "ख" बिन्दु पर मिलती है।

ख-ग : रेखा ग्राम नंदगांव और विसापुर धर्मशाला टुकुम और नियोकुंड की सामान्य सीमा के साथ गुजरती है और तब ग्राम धर्मशाला टुकुम और आरक्षित वन की सामान्य सीमा के साथ आगे बढ़ती है और "ग" बिन्दु पर मिलती है।

ग-घ : रेखा कम्पाटमेंट संख्या 486 में आरक्षित वन से होकर गुजरती है और ग्राम नियोकुंड के प्लॉट संख्या से होकर आगे जाती है और बिन्दु "घ" पर मिलती है।

घ-ङ : रेखा प्लॉट संख्यांक 1 और 2 की बाह्य सीमा के साथ ग्राम नियोकुंड से होकर गुजरती है और "ङ" बिन्दु पर मिलती है।

ङ-च : रेखा प्लॉट संख्यांक 81, 2 में ग्राम नियोकुंड से होकर गुजरती है तब प्लॉट संख्यांक 39, 49, 58 में प्लॉट संख्यांक 38, 37 की बाह्य सीमा के साथ आगे बढ़ती है, प्लॉट संख्यांक 65, 64, 60, 62 से सड़क पार करती है तब प्लॉट संख्या 458 में ग्राम विसापुर से होकर गुजरती है प्लॉट संख्यांक 457, 394 में नाला को पार करता है और भागतः प्लॉट संख्यांक 394, की बाह्य सीमा के साथ आगे बढ़ती है और "च" बिन्दु पर मिलती है।

च-क : रेखा प्लॉट संख्यांक 396, 397, 398, 394 की बाह्य सीमा के साथ ग्राम विसापुर से होकर गुजरती है, नाला पार करती है और आरम्भिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[फा. सं. 43015/6/93 - एन. एस. डब्ल्यू.]

विनय वर्मा, निदेशक

New Delhi, the 23rd June, 1994.

S.O.1855....—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Coal, number S.O. 2586 dated the 10th November, 1993, issued sub-section (1) of Section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act) and published in the Gazette of India in part-II, Section 3, sub-section (ii) dated the 4th December, 1993 at pages 3680 to 3681, the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 141.10 hectares (approximately) or 348.67 acres (approximately) of the lands in locality specified in the Schedule annexed to that notification.

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in a part of the said land;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire mining rights in the lands measuring 130.03 hectares (approximately) or 321.32 acres (approximately) as describe in the Schedule appended hereto:

Note—1 : The plan bearing No. C-1(E) III/JR/540-0893 dated the 17th August, 1993 of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Collector, Chandrapur (Maharashtra) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the office of the Western Coalfields Limited (Revenue Department), Coal Estate, Civil Lines, Nagpur-440 001 (Maharashtra).

Note—2 : Attention is hereby invited to the provisions of section 8 of the said Act, which provides as follows :—

Objection to acquisition :

‘8(1) Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7 has been issued may, within thirty days of the issue of the notification, object to the acquisition of the whole or any part of the land or of any rights in or over such land.

Explanation :—It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the production of coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or by any other person.

(2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the competent authority in writing, and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall, after hearing all such objections and after making such further enquiry, if any, as he thinks necessary, either make a report in respect of the land which has been notified under sub-section (1) of section 7 of rights in or over such land, or make different reports in respect of different parcels of such land or of rights in or over such land, to the Central Government, containing this recommendation on the objections, together with the record of the proceedings held by him, for the decision of that Government.

(3) For the purpose of this section, a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land were acquired under this Act.”

Note—3 : The Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta has been appointed by the Central Government as the competent authority under the said Act vide notification number S.O. 2519 dated the 27th May, 1983, published in the Gazette of India in part-II, Section -3, Sub-Section (ii) dated the 11th June, 1983 at pages 2446 to 2450.

SCHEDULE
NANDGAON EXTENSION BLOCK
CHANDRAPUR AREA

District Chandrapur (Maharashtra)

[Plan No. C-I(E)III/JR 540-0893 dated the 17th August, 1993]

‘ning Rights :

Sl.	Name of village	Patwari circle number	Com- partment number	Tehsil	District	Area in hectares	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	Visapur	7	—	Chandrapur	Chandrapur	46.36	Part
2.	Bhiokund	7	—	Chandrapur	Chandrapur	65.97	Part
3.	Reserve Forest Chanda Range Chandrapur Division.	—	486	Chandrapur	Chandrapur	17.70	Part
Total area =						130.03 hectares (approximately) or 321.32 acres (approximately)	

Plot numbers to be acquired in village Visapur :

394 part, 396 to 398, 411 to 432, 433/1, 433/2, 434, 435, 445 to 456, 457 part, 458 part, Road part, Nallah part.

Plot numbers to be acquired in village Bhiokund :

1 part, 2 part, 3 to 15, 16A, 16B, 17, 18A, 18B, 19A, 19B, 20 to 26, 27/1, 27/2, 28 to 38, 39 part, 49 part, 50 to 57, 58 part, 59, 60 part, 61, 62 part, 64 part, 65 part, 81 part, Road part.

Compartment number to be acquired in Reserve Forest Chanda Range, Chandrapur Division :
486 part.

Boundary description :

- A—B Line starts from point ‘A’ and passes through village Visapur along the western boundary of Nallah and meets at point ‘B’.
- C Line passes along the common village boundaries of villages Nandgaon and Visapur, Dharmashala Tukum and Bhiokund, then proceeds along the common boundary of village Dharmshala Tukum and Reserve Forest and meets at point ‘C’.
- C—D Line passes through Reserve Forest in Compartment number 486 and proceeds through village Bhiokund in plot number 1 and meets at point ‘D’.
- D—E Line passes through village Bhiokund along the outer boundary of plot numbers 1 and 2 and meets at point ‘E’.
- E—F Line passes through village Bhiokund in plot numbers 81, 2, then proceeds along the outer boundary of plot numbers 38, 37, in plot numbers 39, 49, 58, crosses road in plot numbers 65, 64, 60, 62, then proceeds through village Visapur in plot number 458, crosses nallah in plot numbers 457, 394 and proceeds partly along the outer boundary of plot number 394 and meets at point ‘F’.
- F—A Line passes through village Visapur along the outer boundary of plot numbers 396, 397, 398, 394, crosses nallah and meets at starting point ‘A’.

आदेश

नई दिल्ली, 23 जून, 1994

का. आ. 1856.—कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन निकाली गई भारत सरकार के भूतपूर्व ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना संख्यांक का. आ. 661 तारीख 16 फरवरी, 1990 के भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 17 मार्च, 1990 में प्रकाशित होने पर उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित भूमि (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त भूमि कहा गया है) में खनिजों के खनन, खदान, बोर करने, उनकी खुदाई करने और तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकार उक्त अधिनियम की धारा 10 की उपधारा (1) के अधीन, सभी बिल्लिंगों से मुक्त होकर आन्यतिक रूप से केन्द्रीय सरकार में निहित हो गए थे,

और, केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड नागपुर (जिसे इसमें इसके पश्चात् सरकारी कम्पनी कहा गया है) ऐसे निबंधनों और शर्तों का, जो केन्द्रीय सरकार इस निमित्त अधिरोपित करना ठीक समझे, अनुपालन करने के लिए राजामंद हैं,

अतः अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि इस प्रकार निहित उक्त भूमि में के पूर्वोक्त अधिकार, तारीख 17 मार्च, 1990 से केन्द्रीय सरकार में इन प्रकार निहित बने रहने की बजाय, निम्नलिखित निबंधनों और शर्तों के अधीन रहते हुए, सरकारी कम्पनी में निहित हो जाएंगे अर्थात् —

(1) सरकारी कम्पनी, उक्त अधिनियम के उपबंधों के अधीन अवधारित प्रतिकर, व्याज, नुकसानी और वैसी ही मदों की बाबत किए गए सभी सदायों की केन्द्रीय सरकार को प्रतिपूर्ति करेगी।

(2) सरकारी कम्पनी द्वारा शर्त (1) के अधीन, केन्द्रीय सरकार को संदेय रकमों का अवधारण करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण का गठन किया जाएगा तथा ऐसे किसी अधिकरण और ऐसे अधिकरण की गहायता करने के लिए नियुक्त व्यक्तियों के संबंध में उपगत सभी व्यय, उक्त सरकारी कम्पनी वहन करेगी और उसी प्रकार निहित उक्त भूमि में के अधिकारों के लिए या उनके संबंध में सभी विधिक कार्यवाहियों जैसे अपील आदि की बाबत उपगत सभी व्यय भी, उक्त सरकारी कम्पनी वहन करेगी।

(3) सरकारी कम्पनी केन्द्रीय सरकार या उसके पदधारियों की, ऐसे किसी अन्य व्यय के संबंध में जो इस प्रकार निहित पूर्वोक्त भूमि में के अधिकारों के बारे में, केन्द्रीय सरकार या उसके पदधारियों द्वारा या उनके विरुद्ध किन्हीं कार्यवाहियों के संबंध में आवश्यक हो, क्षतिपूर्ति करेगी।

(4) सरकारी कम्पनी को, केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन के बिना इस प्रकार निहित पूर्वोक्त भूमि में के अधिकार किसी अन्य व्यक्ति को अन्तरित करने की शक्ति नहीं होगी, और

(5) सरकारी कम्पनी, ऐसे निर्देशों और शर्तों का, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा, जब कभी आवश्यक हो, उक्त भूमि के विशिष्ट क्षेत्रों के लिए दिए जाएं या अधिरोपित की जाएं, पालन करेगी।

[स. 43015/4/86 - सी. ए./एस एस डब्ल्यू.]

विनय वसिष्ठ, निदेशक

ORDER

New Delhi, the 23rd June, 1994

S.O. 1856.—Whereas on the publication of the notification of the Government of India in the then Ministry of Energy (Department of Coal), number S.O. 661 dated the 16th February, 1990 in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 17th March, 1990, issued under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act), the rights to mine, quarry, bore, dig, and search for, win, work and carry away minerals in the lands described in the Schedule appended to the said notification (hereinafter referred to as the said lands) vested absolutely in the Central Government free from all encumbrances under sub-section (1) of section 10 of the said Act;

And whereas the Central Government is satisfied that the Western Coalfields Limited, Nagpur (hereinafter referred to as the Government Company) is willing to comply with such terms and conditions as the Central Government thinks fit to impose in this behalf;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub section (1) of section 11 of the said Act, the Central Government hereby directs that the aforesaid rights in the said lands, so vested, shall, with effect from the 17th March, 1990, instead of continuing to so vest in the Central Government vest in the Government Company, subject to the following terms and conditions, namely:—

- (1) the Government Company shall reimburse the Central Government all payments made in respect of compensation, interest, damages and the like, as determined under the provisions of the said Act;
- (2) a tribunal shall be constituted for the purpose of determining the amounts payable to the Central Government by the Government Company under condition (1), and all expenditure incurred in connection with any such tribunal and persons appointed to assist the tribunal shall be borne by the Government Company and, similarly, all expenditure incurred in respect of all legal proceedings like appeals, etc., for or in connection with the rights in the said lands, so vesting shall also be borne by the Government Company;

(3) the Government Company shall indemnify the Central Government or its officials against any other expenditure that may be necessary in connection with any proceedings, by or against the Central Government or its officials regarding the aforesaid rights, in the said lands, so vesting;

(4) the Government Company shall have no power to transfer the aforesaid rights in the said lands, so

vested, to any other person without the previous approval of the Central Government; and

(5) the Government Company shall abide by such directions and conditions as may be given or imposed by the Central Government for particular areas of the said lands as and when necessary.

[No. 43015/4/86-CA/ISW]

VINAY VASISHTHA, Director

नई दिल्ली, 24 जून, 1994

का. आ. 1858.—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के तत्कालीन ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना संख्यांक का. आ. 665, तारीख 13 अक्टूबर, 1982 को उन बातों के सिवाय अधिक्रान्त करते हुए, जिन्हें ऐसे अधिक्रमण के पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है, नीचे सारणी के स्तम्भ (1) में उल्लिखित अधिकारियों को, जो सरकार के राजपत्रित अधिकारियों की पक्ति के समतुल्य अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए संपदा अधिकारी नियुक्त करती है और उक्त अधिकारी उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थानों की बाबत अपनी अपनी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अधीन संपदा अधिकारी को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग और उन पर अधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेंगे।

सारणी

अधिकारी का पदाभिधान	सरकारी स्थानों के प्रवर्ग
1	2
1. उप क्षेत्र प्रबंधक/अधिकर्ता, वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड कम्पटी खान समूह, नागपुर क्षेत्र, डाकघर कान्हा, कान्हा रेल, स्टेशन, तहसील रामटेक, जिला नागपुर (महाराष्ट्र)	(1) इन्द्र (2) कम्पटी कोयला खानों (3) कम्पटी विवृत खानों (4) गोडेगांव विवृत परियोजना के सभी स्थान और वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।
2. उप क्षेत्र प्रबंधक/अधिकर्ता, वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड उमरेर खान समूह नागपुर क्षेत्र, डाकघर उमरेर परियोजना तहसील उमरेर, जिला नागपुर (महाराष्ट्र)	(1) उमरेर भूमिगत खान (2) उमरेर विवृत खान (3) मकर ढोकरा परियोजना के सभी स्थान और वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।
3. उप क्षेत्र प्रबंधक/अधिकर्ता, वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, सिलेबरा खान समूह, नागपुर क्षेत्र, डाकघर सिलेबरा खपरबेड़ा रेल स्टेशन, तहसील सावनेर, जिला नागपुर (महाराष्ट्र)	(1) सिलेबरा (2) बाल्मी (3) ए बी आनन्ति के सभी स्थान और वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, नागपुर के या उसके निर्माणाधीन अन्य स्थान।
4. उप क्षेत्र प्रबंधक/अधिकर्ता वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, पिपला खान समूह, नागपुर क्षेत्र डाकघर पिपला, पिपला रेल स्टेशन तहसील सावनेर जिला नागपुर (महाराष्ट्र)	(1) पिपला (2) पतनसौमी के सभी स्थान और वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।
5. उप क्षेत्र प्रबंधक/अधिकर्ता, वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड सावनेर खान समूह, नागपुर क्षेत्र, डाकघर सावनेर, सावनेर रेलवे स्टेशन, तहसील सावनेर, जिला नागपुर (महाराष्ट्र)	(1) सावनेर खान संख्यांक (2) सावनेर खान संख्यांक 2 और 3 के सभी स्थान और वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।
6. उप क्षेत्र प्रबंधक/अधिकर्ता, वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड बल्लारपुर उपक्षेत्र, बल्लारपुर क्षेत्र, डाकघर बल्लारपुर, तहसील बल्लारपुर, जिला चन्द्रपुर (महाराष्ट्र)	(1) बल्लारपुर संख्यांक 3 और 4 (2) बल्लारपुर विवृत के सभी स्थान और वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।
7. उप क्षेत्र प्रबंधक/अधिकर्ता, वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड गस्ती उपक्षेत्र बल्लारपुर क्षेत्र, डाकघर गस्ती, तहसील राजूरा, जिला चन्द्रपुर (महाराष्ट्र)	(1) गस्ती विवृत खान के सभी स्थान और वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।

1

2

8. उप क्षेत्र प्रबंधक/अभिकर्ता, वैस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड, धीपतला उप क्षेत्र, बल्लारपुर क्षेत्र डाकघर मस्टी, तहसील राजूरा, जिला चन्द्रपुर (महाराष्ट्र)
9. उप क्षेत्र प्रबंधक/अभिकर्ता, वैस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड गौरी उप क्षेत्र, बल्लारपुर क्षेत्र, डाकघर मस्टी तहसील राजूरा, जिला चन्द्रपुर (महाराष्ट्र)
10. उप क्षेत्र प्रबंधक/अभिकर्ता, वैस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड बिरु उप क्षेत्र, बल्लारपुर क्षेत्र, डाकघर बिरु (स्टेशन) तहसील राजूरा, जिला चन्द्रपुर (महाराष्ट्र)
11. उप क्षेत्र प्रबंधक/अभिकर्ता, वैस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड हिन्दुस्तान लालपेठ समूह, चन्द्रपुर क्षेत्र, डाकघर चन्द्रपुर तहसील चन्द्रपुर, जिला चन्द्रपुर, चन्द्रपुर रेल स्टेशन (महाराष्ट्र)
12. उप क्षेत्र प्रबंधक/अभिकर्ता, वैस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड चन्द्रा रैपन :- बाडी समूह, चन्द्रपुर क्षेत्र, डाकघर चन्द्रपुर तहसील चन्द्रपुर, जिला चन्द्रपुर, चन्द्रपुर रेल स्टेशन (महाराष्ट्र)
13. उप क्षेत्र प्रबंधक/अभिकर्ता, वैस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड दुर्गापुर विवृत परियोजना चन्द्रपुर क्षेत्र, डाकघर दुर्गापुर, तहसील चन्द्रपुर जिला चन्द्रपुर, चन्द्रपुर रेल स्टेशन (महाराष्ट्र)
14. उप क्षेत्र प्रबंधक/अभिकर्ता वैस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड पदमापुर विवृत परियोजना चन्द्रपुर क्षेत्र डाकघर दुर्गापुर तहसील चन्द्रपुर जिला चन्द्रपुर रेल स्टेशन (महाराष्ट्र)
15. परियोजना अधिकारी, वैस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड, केन्द्रीय कर्मशाला टडाली, डाकघर टडाली तहसील चन्द्रपुर, जिला चन्द्रपुर, टडाली रेल स्टेशन (महाराष्ट्र)
16. उप क्षेत्र प्रबंधक/अभिकर्ता वैस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड घुगस विवृत उप क्षेत्र, घुगस समूह, बानी क्षेत्र, डाकघर घुगस, तहसील चन्द्रपुर, जिला चन्द्रपुर (महाराष्ट्र)
17. उप क्षेत्र प्रबंधक/अभिकर्ता, वैस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड नकोदा उप क्षेत्र, घुगस समूह, बानी क्षेत्र डाकघर घुगस, तहसील चन्द्रपुर, जिला चन्द्रपुर (महाराष्ट्र)
18. उप क्षेत्र प्रबंधक/अभिकर्ता वैस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड, नीलजई - I उप क्षेत्र, घुगस समूह, बानी क्षेत्र, डाकघर बेल्लोरा, तहसील बानी, जिला यवतमाल (महाराष्ट्र)
19. उप क्षेत्र प्रबंधक/अभिकर्ता वैस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड नीलजई - II उप क्षेत्र, घुगस समूह, बानी क्षेत्र डाकघर बेल्लोरा तहसील बानी जिला यवतमाल (महाराष्ट्र)
- (1) मस्टी भूमिगत (2) धीपतला विवृत के सभी स्थान और वैस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।
- (1) गौरी विवृत खान के सभी स्थान और वैस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।
- (1) बिरु भूमिगत खान के सभी स्थान और वैस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान
- (1) हिन्दुस्तान लालपेठ कोयला खान संख्यांक :1 (2) हिन्दुस्तान लालपेठ कोयला खान संख्यांक 3 (3) हिन्दुस्तान लालपेठ विवृत खान (4) नन्दगांव आनति के सभी स्थान और वैस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड, नागपुर के उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।
- (1) महाकाली कोयला खान (2) चन्द्रा रैयतवाडी कोयला खान (3) दुर्गापुर रैयतवाडी कोयला खान के सभी स्थान और वैस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड, नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।
- (1) दुर्गापुर विवृत परियोजना के सभी स्थान और वैस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।
- (1) पदमापुर विवृत खान (2) मटाडी विवृत खान के सभी स्थान और वैस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड, नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।
- (1) केन्द्रीय कर्मशाला, टडाली के सभी स्थान और वैस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।
- (1) घुगस कोयला खानों के सभी स्थान और वैस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।
- (1) नकोदा कोयला खानों के सभी स्थान और वैस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।
- (1) नीलजई - I कोयला खानों के सभी स्थान पर और वैस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।
- (1) नीलजई - II कोयला खानों के सभी स्थान और वैस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान

20. उप क्षेत्र प्रबंधक/अधिकर्ता, वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, बेल्लोरा उप क्षेत्र, प्रथम समूह यानी क्षेत्र डाकघर बेल्लोरा तहसील बानी, जिला यवतमाल (महाराष्ट्र)
- (1) बेल्लोरा कोयला खानों के सभी स्थान या वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।
21. उप क्षेत्र प्रबंधक/अधिकर्ता, वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड पथखेड़ा उप क्षेत्र पथखेड़ा 1 और 2 पथखेड़ा क्षेत्र, डाकघर पथखेड़ा, घोड़ाडोंगरी रेल स्टेशन तहसील बेतुल जिला बेतुल (मध्य प्रदेश)
- (1) पथखेड़ा 1 और 2 कोयला खानों के सभी स्थान और वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।
22. उप क्षेत्र प्रबंधक/अधिकर्ता, वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड सतपुरा उप क्षेत्र, सतपुरा - I और II, पथखेड़ा क्षेत्र, डाकघर - पथखेड़ा, तहसील बेतुल, जिला बेतुल, घोड़ाडोंगरी रेल स्टेशन (मध्य प्रदेश)
- (1) सतपुरा I और II कोयला खानों के सभी स्थान और वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।
23. उप क्षेत्र प्रबंधक/अधिकर्ता वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड गोभापुर उप क्षेत्र, गोभापुर खान पथखेड़ा क्षेत्र, डाकघर - पथखेड़ा, घोड़ाडोंगरी रेल स्टेशन तहसील बेतुल जिला बेतुल (मध्य प्रदेश)
- (1) गोभापुर कोयला खानों के सभी स्थान और वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।
24. उप क्षेत्र प्रबंधक/अधिकर्ता, वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड सरणी उपक्षेत्र, सरणी खान, पथखेड़ा क्षेत्र, डाकघर पथखेड़ा, घोड़ाडोंगरी रेल स्टेशन, तहसील बेतुल, जिला बेतुल (मध्य प्रदेश)
- (1) सरणी कोयला खानों के सभी स्थान और वेस्टर्न कोलफील्ड्स लि. नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।
25. उप क्षेत्र प्रबंधक/अधिकर्ता, वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड अम्बारा खान समूह, कान्हा क्षेत्र, डाकघर पलाचौरी जुनारदेव रेल स्टेशन, तहसील जुनारदेव, जिला छिदवाड़ा (मध्य प्रदेश)
- (1) मोहन कोयला खान (2) अम्बारा कोयला खान (3) सुकरी कोयला खान के सभी स्थान और वेस्टर्न कोलफील्ड्स लि., नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।
26. उप क्षेत्र प्रबंधक अधिकर्ता, वेस्टर्न कोलफील्ड्स लि., दतला/घोरावाड़ी खान समूह, कान्हा क्षेत्र, डाकघर झुगरिया, जुनारदेव रेल स्टेशन, तहसील जुनारदेव, जिला छिदवाड़ा (मध्य प्रदेश)
- (1) दतला पूर्व कोयला खान (2) चिकलभाऊं कोयला खान (3) दतला पश्चिम कोयला खान (4) घोरावाड़ी/दतला कोयला खान और हिरदागढ़ माइनिंग के सभी स्थान और वेस्टर्न कोलफील्ड्स लि., नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।
27. उप क्षेत्र प्रबंधक/अधिकर्ता वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड दमुआ खान समूह, कान्हा क्षेत्र डाकघर दमुआ, जुनारदेव रेल स्टेशन, तहसील जुनारदेव, जिला छिदवाड़ा (मध्य प्रदेश)
- (1) दमुआ कोयला खान (2) राखी कौल कोयला खान (3) बंसी कोयला खान के सभी स्थान और वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।
28. उप क्षेत्र प्रबंधक/अधिकर्ता, वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड नन्दन खान समूह, कान्हा क्षेत्र, डाकघर नन्दन जुनारदेव रेल स्टेशन, तहसील जुनारदेव, जिला छिदवाड़ा (मध्य प्रदेश)
- (1) नन्दन (2) नन्दन 2 के सभी स्थान और वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।
29. परियोजना अधिकर्ता/अधिकर्ता वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, टाडमी परियोजना, कान्हा क्षेत्र, डाकघर रामपुर, जुनारदेव रेल स्टेशन, तहसील जुनारदेव जिला - छिदवाड़ा (मध्य प्रदेश)
- (1) टाडमी परियोजना के सभी स्थान और वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।
30. उप क्षेत्र प्रबंधक/अधिकर्ता, वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड शिवपुरी खान समूह, पंच क्षेत्र, डाकघर सिरगौरा (परामिया), परामिया रेल स्टेशन, तहसील परामिया जिला छिदवाड़ा (मध्य प्रदेश)
- (1) शिवपुरी भूमिगत खान (2) शिवपुरी विवृत खान (3) विष्णुपुरी भूमिगत खान (4) बिसनोरा भूमिगत खान (5) मथनी भूमिगत खान (6) उग्रधान परियोजना (भूमिगत और विवृत) के सभी स्थान और वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड और नागपुर या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।

1

2

31. उप क्षेत्र प्रबंधक/अधिकर्ता, वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, छिटा/सिठिया खान समूह, पेंच क्षेत्र, डाकघर मिरगोरा (परासिया), परासिया रेल स्टेशन, तहसील परासिया, जिला छिदवाड़ा (मध्य प्रदेश)
32. उप क्षेत्र प्रबंधक/अधिकर्ता, वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, रावनवारा खान समूह, पेंच क्षेत्र, डाकघर रावनवारा, परासिया रेल स्टेशन, तहसील परासिया, जिला छिदवाड़ा (मध्य प्रदेश)
33. उप क्षेत्र प्रबंधक/अधिकर्ता, वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, एकलहरा खान समूह, पेंच क्षेत्र, डाकघर एकलहरा, एकलहरा रेल स्टेशन, तहसील परासिया, जिला छिदवाड़ा (म. प्र.)
34. उप क्षेत्र प्रबंधक/अधिकर्ता, वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, न्यूटन उप क्षेत्र, पेंच क्षेत्र, डाकघर परासिया, परासिया रेल स्टेशन तहसील परासिया, जिला छिदवाड़ा (म. प्र.)
35. उप क्षेत्र प्रबंधक/अधिकर्ता, वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, मजरी विवृत खान, मजरी क्षेत्र, डाकघर शिवजी नगर, मजरी रेल स्टेशन तहसील भद्रावती, जिला चन्द्रपुर (महाराष्ट्र)
36. उप क्षेत्र प्रबंधक/अधिकर्ता, वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, कवादी विवृत खान, माजरी क्षेत्र डाकघर शिवजी नगर माजरी रेलवे स्टेशन तहसील भद्रावती जिला चन्द्रपुर (महाराष्ट्र)
37. उप क्षेत्र प्रबंधक/अधिकर्ता, वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, माजरी भूमिगत खान, माजरी क्षेत्र, डाकघर शिवजी नगर, माजरी रेलवे स्टेशन तहसील भद्रावती, जिला चन्द्रपुर (महाराष्ट्र)
38. उप क्षेत्र प्रबंधक/अधिकर्ता, वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, राजूर भूमिगत उप क्षेत्र, माजरी क्षेत्र, डाकघर राजूर, राजूर रेलवे स्टेशन तहसील बानी, जिला यवतमाल (महाराष्ट्र)
39. उप क्षेत्र प्रबंधक/अधिकर्ता, वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, मुरपार भूमिगत उप क्षेत्र, माजरी क्षेत्र, डाकघर मुरपार, बरोरा रेलवे स्टेशन, तहसील बिमुर, जिला-चन्द्रपुर, (महाराष्ट्र)
- (1) छिटा भूमिगत खान (2) सिठिया विवृत खान (3) विष्णुपुरी विवृत खान संख्यांक 2 के सभी स्थान और वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।
- (1) रावनवारा खान (2) रावनवारा खाम खान (3) पेंच पूर्व आनति (4) रावनवारा विवृत खान के सभी स्थान और वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।
- (1) उत्तर चंदामेट्टाखान (बन्द खान) (2) एकलहरा कोयला खान (3) मटाछापा कोयला खान (बन्द खान) (4) भामोरी कोयला खान (बन्द खान) (5) बकुई कोयला खान (बन्द खान) (6) बकुई अस्पताल (7) व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र के सभी स्थान और वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।
- (1) न्यूटन बिखली कोयला खान (बन्द खान) (2) गणपति खान (3) चंदामेट्टाखान (4) पूर्व डोंगर चिखली कोयला खान (5) महादेवपुरी खान (6) गजबडोह खान (7) क्षेत्रीय स्टोर्म, वुडारिया (8) क्षेत्रीय कर्मशाला, चंदामेट्टा (9) बी.जी. सार्डिंग, परासिया (10) सी.जी.एम. कार्यालय परासिया के सभी स्थान या वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।
- (1) मजरी विवृत खान के सभी स्थान और वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।
- (1) कवादी विवृत खान के सभी स्थान और वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।
- (1) माजरी भूमिगत खान संख्यांक 3 के सभी स्थान और वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।
- (1) राजूर भूमिगत खान के सभी स्थान और वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।
- (1) मुरपार भूमिगत खान के सभी स्थान और वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।

- | | |
|--|---|
| <p>40. उप क्षेत्र प्रबंधक/अधिकारी, वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड कोलार पिम्परी विद्युत उप क्षेत्र, माजरी क्षेत्र, डाकघर अट्टेरी, वाती रेलवे स्टेशन तहसील वाती, जिला यवतमाल (महाराष्ट्र)</p> <p>41. उप क्षेत्र प्रबंधक/अधिकारी, वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, चारगांव विद्युत खान, माजरी क्षेत्र, डाकघर कोंडा, माजरी रेलवे स्टेशन, तहसील भद्रावती, जिला चन्द्रपुर (महाराष्ट्र)</p> <p>42. उप क्षेत्र प्रबंधक/अधिकारी, वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड चुताव उप क्षेत्र, डाकघर अट्टेरी कनी रेलवे स्टेशन तहसील वाती जिला यवतमाल (महाराष्ट्र)</p> | <p>(1) कोलार पिम्परी विद्युत खान के सभी स्थान और वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।</p> <p>(1) चारगांव विद्युत खान के सभी स्थान और वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।</p> <p>(1) चुताव खान समूह के सभी स्थान और वैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, नागपुर के या उसके नियंत्रणाधीन अन्य स्थान।</p> |
|--|---|

[फा. सं. 43022/5/93 - एल. 1, 1 डबल्य.]
विनय वसिष्ठ, निदेशक

New Delhi, the 24th June, 1994.

S.O. 1857:—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), and in supersession of the notification to the Government of India in the then Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 665 dated the 13th October, 1982 except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby appoints the officers mentioned in column (1) of the Table below, being officers equivalent to the rank of the Gazetted officers of Government to be Estate Officers for the purposes of the said Act the said officers shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on Estate Officers by or under the said Act within the local limits of their respective jurisdictions in respect of the public premises specified in column (2) of the said Table.

TABLE

Designation of the Officer 1	Categories of public premises 2
1. Sub Area Manager/Agent, Western Coalfields Limited, Kamptee Group of Mines, Nagpur Area, Post Office, Kanhan, Railway Station Kanhan, Tehsil Ramtek, District Nagpur (Maharashtra).	All premises of (1) Inder (2) Kamptee coal mines (3) Kamptee opencast mines (4) Gondragan opencast project and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
2. Sub Area Manager/Agent, Western Coalfields Limited, Umrer Group of Mines, Nagpur Area, Post Office Umrer Project, Tehsil Umrer, District Nagpur (Maharashtra).	All premises of (1) Umrer Underground mine (2) Umrer Opencast mine (3) Makardhokra Project and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.

(1)	(2)
3. Sub Area Manager/Agent, Western Coalfields Limited, Silewara Group of Mines, Nagpur Area, Post Office Silewara, Railway Station Khaperkhera, Tahsil Saoner, District Nagpur, (Maharashtra.)	All premises or (1) Silewara (2) Walni (3) A B Incline and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
4. Sub Area Manager/Agent, Western Coalfields Limited, Pipla Group of Mines, Nagpur Area, Post Office, Pipla, Railway Station Pipla, Tahsil Saoner, District Nagpur, (Maharashtra)	All premises of (1) Pipla (2) Patansaongi and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
5. Sub Area Manager/Agent, Western Coalfields Limited, Saoner Group of Mines, Nagpur Areas, Post Office, Saoner, Railway Station Saoner, Tahsil Saoner, District Nagpur, (Maharashtra).	All premises of (1) Saoner Mine No. 1 (2) Saoner Mine No. 2 and 3 and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
6. Sub Area Manager/Agent, Western Coalfields Limited, Ballarpur Sub Area, Ballarpur Area, Post Office, Ballarpur, Tahsil Ballarpur, District Chandrapur, (Maharashtra).	All premises of (1) Ballarpur No. 3 and 4 (2) Ballarpur opencast and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
7. Sub Area Manager/Agent, Western Coalfields Limited, Sasti Sub Area, Ballarpur Area, Post Office Sasti, Tahsil Rajura, District Chandrapur, (Maharashtra).	All premises of (1) Sasti opencast mine and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
8. Sub Area Manager/Agent, Western Coalfields Limited, Dhoptala Srpur Area, Ballarpur Area, Post Office Sasti, Tahsil Rajura, District Chandrapur, (Maharashtra).	All premises of (1) Sasti Underground (2) Dhoptala Opencast and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
9. Sub Area Manager/Agent, Western Coalfields Limited, Gouri Sub Area, Ballarpur Area, Post Office, Sasti, Tahsil Rajura, District Chandrapur, (Maharashtra)	All premises of (1) Gouri Opencast mine and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.

(1)	(2)
10. Sub Area Manager/Agent, Western Coalfields Limited, Wirur Sub Area, Ballarpur Area, Post Office Wirur (Station) Tahsil Rajura, District Chandrapur, (Maharashtra).	All premises of (1) Wirur Underground mine and other premises belonging to or under the belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
11. Sub Area Manager/Agent, Western Coalfields Limited, Hindusthan Lalpeth Group, Chandrapur Area, Post Office Chandrapur, Tahsil Chandrapur, District Chandrapur, Railway Station Chandrapur, (Maharashtra).	All premises of (1) Hindusthan Lalpeth Colliery No. 1 (2) Hindusthan Lalpeth Colliery No. 3 (3) Hindusthan Lalpeth Opencast mine (4) Nandgaon Lalpeth and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
12. Sub Area Manager/Agent, Western Coalfields Limited, Chanda Rayatwari Group, Chandrapur Area, Post Office Chandrapur, Tahsil Chandrapur, District Chandrapur, Railway Station Chandrapur, (Maharashtra).	All premises of (1) Mahakali Colliery (2) Chanda Rayatwari Colliery (3) Durgapur Rayatwari Colliery and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
13. Sub Area Manager/Agent, Western Coalfields Limited, Durgapur, Opencast Project, Chandrapur Area, Post Office Durgapur, Tahsil Chandrapur, District Chandrapur, Railway Station Chandrapur, (Maharashtra).	All premises of (1) Durgapur Opencast Project and other premises belonging to or under the control of Western Coalfields Limited, Nagpur.
14. Sub Area Manager/Agent, Western Coalfields Limited, Padmapur Opencast Project, Chandrapur Area, Post Office Durgapur, Tahsil Chandrapur, District Chandrapur, Railway Station Chandrapur, (Maharashtra).	All premises of (1) Padmapur Opencast mine (2) Bhatadi Opencast mine and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
15. Project Officer, Western Coalfields Limited, Central Workshop, Tadali, Post Office, Tadali, Tahsil Chandrapur, District Chandrapur, Railway Station Tadali, (Maharashtra).	All premises of (1) Central Workshop, Tadali and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.

(1)	(2)
16. Sub Area Manager/Agent, Western Coalfields Limited, Ghugus Opencast Sub Area, Ghughus Group, Wani Area, Post Office, Ghugus, Tahsil Chandrapur, District Chandrapur, (Maharashtra).	All premises of (1) Ghugus coal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
17. Sub Area Manager/Agent, Western Coalfields Limited, Nakoda Sub Area, Ghugus Group, Post Office, Ghugus, Tahsil Chandrapur, District Chandrapur, (Maharashtra).	All premises of (1) Nakoda Coal Mines and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
18. Sub Area Manager/Agent, Western Coalfields Limited, Niljai-Sub Area, Ghugus Group, Wani Area, Post Office, Bellora, Tahsil Wani, District Yavatmal, (Maharashtra).	All premises of (1) Niljai-I coal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
19. Sub Area Manager/Agent, Western Coalfields Limited, Niljai-II Sub Area, Ghugus Group, Wani Area, Post Office, Bellora, Tahsil Wani, District Yavatmal, (Maharashtra).	All premises of (1) Niljai-II coal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
20. Sub-Area Manager/Agent, Western Coalfields Limited, Bellora Sub Area, Ghugus Group, Wani Area, Post Office, Bellora, Tahsil Wani, District Yavatmal, (Maharashtra)	All premises of (1) Bellora coal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
21. Sub Area Manager/Agent, Western Coalfields Limited, Pathakhhera Sub Area, Pathakhhera 1 and II, Pathakhhera Area, Post Office Pathakhhera, Railway Station Ghoradongri Tahsil Betul, District Betul, (Madhya Pradesh).	All premises of (1) Pathakhhera 1 and II coal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.

(1)	(2)
22. Sub Area Manager/Agent, Western Coalfields Limited, Satpura Sub Area, Satpura I and II, Pathakhera Area, Post Office Pathakhera, Tahsil Betul, District Betul, Railway Station Ghoradongri (Madhya Pradesh).	All premises of (1) Satpura I and II coal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
23. Sub Area Manager/Agent, Western Coalfields Limited, Shobhapur Sub Area, Shobhapur Mine, Pathakhera Area, Post Office Pathakhera, Railway Station Ghoradongri, Tahsil Betul, District Betul (Madhya Pradesh).	All premises of (1) Shobhapur coal mines and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
24. Sub Area Manager/Agent, Western Coalfields Limited, Sarni Sub Area, Pathakhera Area, Post Office Pathakhera, Railway Station Ghoradongri, Tahsil Betul, District Betul, (Madhya Pradesh).	All premises of (1) Sarni coal mines and other premises belonging to or under the Control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
25. Sub Area Manager/Agent, Western Coalfields Limited, Ambara Group of Mines, Kanhana Area, Post office, Iachauri, Railway Station Junnardeo, Tahsil Junnardeo, District Chhindwara (Madhya Pradesh).	All premises of (1) Mohan Colliery (2) Ambara Colliery (3) Sukri Colliery and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.
26. Sub Area Manager/Agent, Western Coalfields Limited, Datla/Chorawari Group of Mines, Kanhana Area, Post office Jungaria, Railway Station Junnardeo, Tahsil Junnardeo, District Chhindwara (Madhya Pradesh).	All premises of (1) Datla East Colliery (2) Chikamaui Colliery (3) Datla West Colliery (4) Chorawari/Datla Colliery and Hirdagarh siding and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.

1

2

- | | |
|--|--|
| <p>27. Sub Area Manager/Agent, Western Coalfields Limited.
Damua Group of Mines, Kanhan Area,
Post Office, Damua, Railway Station Junnardeo,
Tahsil Junnardeo, District Chhindwara,
(Madhya Pradesh).</p> | <p>All premises of (1) Damua Colliery (2) Rakhikol Colliery (3) Bansi Colliery and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.</p> |
| <p>28. Sub Area Manager/Agent.
Western Coalfields Limited,
Nandan Group of Mines, Kanhan Area,
Post Office, Nandan, Railway Station Junnardeo,
Tahsil Junnardeo, District Chhindwara,
(Madhya Pradesh.)</p> | <p>All premises of (1) Nandan 1 (2) Nandan 2 and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.</p> |
| <p>29. Project Officer/Agent.
Western Coalfields Limited.
Tandsi Project, Kanhan Area,
Post Office Rampur, Railway Station Junnardeo,
Tahsil Junnardeo, District Chhindwara,
(Madhya Pradesh).</p> | <p>All premises of (1) Tandsi Project and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.</p> |
| <p>30. Sub Area Manager/Agent.
Western Coalfields Limited.
Shivpuri Group of Mines, Pench Area,
Post Office Parasia, Railway Station Parasia,
Tahsil Parasia, District Chhindwara,
(Madhya Pradesh).</p> | <p>All premises of (1) Shivpuri Underground mine (2) Shivpuri open cast mine (3) Vishnupuri Underground mine (4) Thesgora Underground mine (5) Mathni Underground mine (6) Urdhan Project (Underground and Opencast) and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.</p> |
| <p>31. Sub Area Manager/Agent,
Western Coalfields Limited,
Chhinda/Sethia Group of Mines, Pench Area,
Post Office Siroora (Parasia),
Railway Station Parasia, Tahsil Parasia,
District Chhindwara, (Madhya Pradesh).</p> | <p>All premises of (1) Chhinda Underground mine (2) Sethia Opencast mine (3) Vishnupuri Opencast No. 2 mine and other premises belonging to or under the control of Western Coalfields Limited, Nagpur.</p> |
| <p>32. Sub Area Manager/Agent,
Western Coalfields Limited,
Rawanwara Group of Mines, Pench Area,
Post Office Rawanwara, Railway Station Parasia,
Tahsil Parasia, District Chhindwara,
(Madhya Pradesh).</p> | <p>All premises of (1) Rawanwara mine (2) Rawanwara Khas mine (3) Pench East Inclines (4) Rawanwara Opencast mine and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.</p> |
| <p>33. Sub Area Manager/Agent,
Western Coalfields Limited,
Eklehra Group of Mines, Pench Area,
Post Office Eklehra, Railway Station Eklehra,
Tahsil Parasia, District Chhindwara,
(Madhya Pradesh).</p> | <p>All premises of (1) North Chandametta mine (closed mine) (2) Eklehra colliery (3) Jhatachhapa colliery (closed mine) (4) Bhamori colliery (5) Barkui colliery (closed mine) (6) Barkui Hospital (7) Vocational Training Centre and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.</p> |
| <p>34. Sub Area Manager/Agent.
Western Coalfields Limited,
Newton Sub Area, Pench Area,
Post Office Parasia, Railway Station Parasia,
Tahsil Parasia, District Chhindwara,
(Madhya Pradesh).</p> | <p>All premises of (1) Newton Chikhly Colliery (closed mine) (2) Ganpati mine (3) Chandametta mine (4) East Dongar Chikhly Colliery (5) Mahadeopuri mine (6) Gajandoh mine (7) Regional Stores, Butaria (8) Regional Workshop, Chhandametta (9) B.G. Siding, Parasia (10) CGM's office Parasia and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.</p> |

- | | |
|---|---|
| <p>35. Sub Area Manager/Agent,
Western Coalfields Limited,
Majri Opencast Mine, Majri Area,
Post Office Shivji Nagar, Railway Station Majri,
Tahsil Bhadravati, District Chandrapur,
(Maharashtra).</p> | <p>All premises of (1) Majri Opencast mine and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.</p> |
| <p>36. Sub Area Manager/Agent,
Western Coalfields Limited,
Kawadi Opencast mine, Majri Area,
Post Office Shivji, Nagpur, Railway Station Majri,
Tahsil Bhadravati, District Chandrapur,
(Maharashtra).</p> | <p>All premises of (1) Kawadi Opencast Mine and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.</p> |
| <p>37. Sub Area Manager/Agent,
Western Coalfields Limited,
Majri Underground mine, Majri Area,
Post Office Shivaji Nagar, Railway Station Majri,
Tahsil Bhadravati, District Chandrapur,
(Maharashtra).</p> | <p>All premises of (1) Majri Underground No. 3 and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.</p> |
| <p>38. Sub Area Manager/Agent,
Western Coalfields Limited, Rajur U.G. Sub Area,
Maharashtra, Majri Area,
Post Office, Rajur, Railway Station Rajur,
Tahsil Wani, District Yavatmal,
Maharashtra).</p> | <p>All premises of (1) Rajur Underground mine and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.</p> |
| <p>39. Sub Area Manager/Agent,
Western Coalfields Limited,
Murpar U.G. Sub Area, Majri Area,
Post Office Murpar, Railway Station Warora,
Tahsil Chimur, District Chandrapur,
(Maharashtra).</p> | <p>All premises of (1) Murpar Underground mine and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.</p> |
| <p>40. Sub Area Manager/Agent,
Western Coalfields Limited,
Kolar-Pimpri Opencast Sub Area, Majri Area,
Post Office, Aheri, Railway Station Wani, Tahsil Wani,
District Yavatmal,
(Maharashtra).</p> | <p>All premises of (1) Kolar Pimpri Opencast mine and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.</p> |
| <p>41. Sub Area Manager/Agent,
Western Coalfields Limited,
Chargaon Opencast mine, Majri Area,
Post Office Konda, Railway Station Majri,
Tahsil Bhadravati, District Chandrapur,
(Maharashtra).</p> | <p>All premises of (1) Chargaon Opencast mine and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.</p> |
| <p>42. Sub Area Manager/Agent,
Western Coalfields Limited,
Junad Sub Area,
Post Office Aheri, Railway Station Wani,
Tahsil Wani, District Yavatmal,
(Maharashtra).</p> | <p>All premises of (1) Junad Group of mines and other premises belonging to or under the control of the Western Coalfields Limited, Nagpur.</p> |

अज्ञेय

नई दिल्ली, 24 जून, 1994

का आ 1858.—कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन निकाली गई भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का.आ. 2024, तारीख 16 सितम्बर, 1993 के भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 25 सितम्बर, 1993 में प्रकाशित होने पर, उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित भूमि (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त भूमि कहा गया है) और ऐसी भूमि में के उक्त अधिनियम की धारा 10 की उपधारा (1) के अधीन, सभी विलगनों से मुक्त होकर, आत्यंतिक रूप से केन्द्रीय सरकार में निहित हो गये थे,

और, केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि माउन्ट ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, बिलासपुर (जिसे हममें इसके पश्चात् सरकारी कम्पनी कहा गया है) ऐसे निबंधनों और शर्तों का, जो केन्द्रीय सरकार इस निमित्त अधिरोपित करना ठीक समझे, अनुपालन करने के लिये राजामन्द है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि और इस प्रकार निहित ऐसी भूमि में के सभी अधिकार, तारीख 25 सितम्बर, 1993 से केन्द्रीय सरकार में इस प्रकार निहित बने रहने की वजाय,

निम्नलिखित निबंधनों और शर्तों के अधीन रहते हुए सरकारी कम्पनी में निहित हो जायेंगे, अर्थात् :—

(1) सरकारी कम्पनी उक्त अधिनियम के उपबंधों के अधीन अवधारित प्रतिकार, व्याज, नुकसानी और वैसी ही मदों की बाबत किये गये सभी संदायों की केन्द्रीय सरकार को प्रतिपूर्ति करेगी,

(2) सरकारी कम्पनी द्वारा शर्त (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को मंजूर रकमों का अवधारण करने के प्रयोजन के लिये एक अधिकरण का गठन किया जायेगा तथा ऐसे किसी अधिकरण और ऐसे अधिकरण को सहायता करने के लिये नियुक्त व्यक्तियों के संबंध में उपगत सभी व्यय सरकारी कम्पनी वहन करेगी और इसी प्रकार, इस प्रकार निहित उक्त भूमि में या उस पर के अधिकारों के लिये या उनके संबंध में सभी विधिक कार्यवाहियों, जैसे अपील, आदि की बाबत उपगत सभी व्यय भी, सरकारी कम्पनी वहन करेगी,

(3) सरकारी कम्पनी, केन्द्रीय सरकार या उसके पदधारियों की, ऐसे किसी अन्य व्यय के संबंध में, जो इस प्रकार निहित उक्त भूमि में या उस पर के अधिकारों के

बारे में केन्द्रीय सरकार या उसके पदधारियों द्वारा या उनके विरुद्ध किन्हीं कार्यवाहियों के संबंध में आवश्यक हो, क्षतिपूर्ति करेगी,

(4) सरकारी कम्पनी को, केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन के बिना, उक्त भूमि किसी अन्य व्यक्ति को अंतरित करने की शक्ति नहीं होगी, और

(5) सरकारी कम्पनी, ऐसे निदेशों और शर्तों का, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा, जब कभी आवश्यक हो, उक्त भूमि के विशिष्ट क्षेत्रों के लिये दी या अधिरोपित की जायें, पालन करेगी।

[फा.सं. 43015/8/89-एल.एस.डब्ल्यू.]

विनाय वसिष्ठ, निदेशक

ORDER

New Delhi, the 24th June, 1994

S.O. 1858.—Whereas on the publication of the notification of the Government of India in the Ministry of Coal number S.O. 2024, dated the 16th September, 1993 in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 25th September 1993 issued under sub-section (1) of Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act), the lands and all rights in or over such lands described in the Schedule appended to the said notification (hereinafter referred to as the said lands) vested absolutely in the Central Government free from all encumbrances under sub-section (1) of Section 10 of the said Act ;

And, whereas the Central Government is satisfied that the South Eastern Coalfields Limited, Bilaspur (hereinafter referred to as the Government Company) is willing to comply with such terms and conditions as the Central Government thinks fit to impose in this behalf ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 11 of the said Act, the Central Government hereby directs that the said lands and all rights in or over such lands so vested shall, with effect from the 25th September, 1993, instead of continuing to so vest in the Central Government vest in the Government Company, subject to the following terms and conditions, namely :—

- (1) the Government Company shall reimburse the Central Government all payments made in respect of compensation, interest, damages and the like, as determined under the provisions of the said Act ;
- (2) a tribunal shall be constituted for the purpose of determining the amounts payable to the Central Government by the Government Company under condition (1), and all expenditure incurred in connection with any such tribunal and persons appointed to assist the tribunal shall be borne by the Government Company and, similarly, all expenditure incurred in respect of all legal proceedings like appeals, etc., for or in connection with the rights, in or over the said lands, so vesting shall also be borne by the Government Company ;
- (3) the Government Company shall indemnify the Central Government or its officials against any other expenditure that may be necessary in connection with any proceedings, by or against the Central Government or its officials regarding the rights in or over the said lands, so vesting ;
- (4) the Government Company shall have no power to transfer the said lands to any other person without the previous approval of the Central Government ; and
- (5) the Government Company shall abide by such directions and conditions as may be given or imposed by the Central Government for particular areas of the said lands, as and when necessary.

[F. No. 43015/8/89-LSW]

VINAY VASISHTHA, Director

आदेश

नई दिल्ली, 27 जून, 1994

का.आ. 1859.—कोयला धारक क्षेत्र (ग्रजन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन निकाली गई भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का.आ. 183 तारीख 5 जनवरी, 1993 के भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 30 जनवरी, 1993 में प्रकाशित होने पर उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित भूमि (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त भूमि कहा गया है) में के खनन अधिकार उक्त अधिनियम की धारा 10 की उपधारा (1) के अधीन सभी विलगनों से मुक्त होकर आत्यंतिक रूप से केन्द्रीय सरकार में निहित हो गये थे।

और, केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, नागपुर (जिसे इसमें इसके पश्चात् सरकारी कम्पनी कहा गया है) ऐसे निबन्धनों और शर्तों का, जो केन्द्रीय सरकार इस निमित्त अधिरोपित करना ठीक समझे, अनुपालन करने के लिये राजामन्द है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि इस प्रकार निहित उक्त भूमि में के खनन अधिकार, तारीख 30 जनवरी, 1993 से केन्द्रीय सरकार में इस प्रकार निहित बने रहने की बजाय निम्नलिखित निबन्धनों और शर्तों के अधीन रहते हुए, सरकारी कम्पनी में निहित हो जायेंगे, अर्थात् :—

(1) सरकारी कम्पनी, उक्त अधिनियम के उपबन्धों के अधीन अवधारित प्रतिकर, व्याज, नुकसानी और वैसी ही मन्त्रों की बाबत किये गये सभी संदायों की केन्द्रीय सरकार को प्रतिपूर्ति करेगी।

(2) सरकारी कम्पनी द्वारा शर्त (1) के अधीन, केन्द्रीय सरकार को संदेय रकमों का अवधारण करने के प्रयोजनों के लिये एक अधिकरण का गठन किया जायेगा तथा ऐसे किसी अधिकरण और ऐसे अधिकरण की सहायता करने के लिये नियुक्त व्यक्तियों के संबंध में उपगत सभी व्यय, सरकारी कम्पनी वहन करेगी और इसी प्रकार, इस प्रकार निहित उक्त भूमि में के खनन अधिकारों के लिये या उनके संबंध में सभी विधिक कार्यवाहियां, जैसे अपील आदि की बाबत उपगत सभी व्यय भी, सरकारी कम्पनी वहन करेगी।

(3) सरकारी कम्पनी, केन्द्रीय सरकार या उसके पदाधिकारियों की, ऐसे किसी अन्य व्यय के संबंध में, जो इस प्रकार निहित उक्त भूमि में के खनन अधिकारों के बारे में केन्द्रीय सरकार या उसके पदाधिकारों द्वारा या उनके विरुद्ध किन्हीं कार्यवाहियों के संबंध में आवश्यक हो प्रतिपूर्ति करेगी,

(4) सरकारी कम्पनी को, केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन के बिना, उक्त भूमि में खनन के अधिकार किसी अन्य व्यक्ति को अंतरित करने की शक्ति नहीं होगी, और

(5) सरकारी कम्पनी, ऐसे निर्देश और शर्तों का, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा, जब कभी आवश्यक हो, उक्त भूमि के विनि-विष्ट क्षेत्रों के लिए दी या अधिरोपित की जायें, पालन करेगी।

[फा.सं. 43015/7/89-एल.एम. डब्ल्यू]

विनाय वसिष्ठ, निदेशक

New Delhi, the 27th June, 1994

ORDER

S.O. 1859.—Whereas on the publication of the notification of the Government of India in the Ministry of Coal, number S.O. 183, dated the 5th January, 1993 in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 30th January, 1993, issued under sub-section (1) of Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act), the mining rights in the lands described in the Schedule appended to the said notification (hereinafter referred to as the said lands) vested absolutely in the Central Government free from all encumbrances under sub-section (1) of Section 10 of the said Act ;

And whereas the Central Government is satisfied that the Western Coalfields Limited, Nagpur (hereinafter referred to as the Government company) is willing to comply with such terms and conditions as the Central Government thinks fit to impose in this behalf ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 11 of the said Act, the Central Government hereby directs that the mining rights in the said lands, so vested shall, with effect from the 30th January, 1993, instead of continuing to so vest in the Central Government, vest in the Government Company, subject to the following terms and conditions, namely :—

- (1) the Government Company shall reimburse the Central Government all payments made in respect of compensation, interest, damages and the like as determined under the provisions of the said Act ;
- (2) a tribunal shall be constituted for the purpose of determining the amounts payable to the Central Government by the Government Company under condition (1), and all expenditure incurred in connection with any such tribunal and persons appointed to assist the tribunal shall be borne by the Government Company and, similarly, all expenditure incurred in respect of all legal proceedings like appeals, etc., for or in connection with the mining rights in the said lands, so vesting shall also be borne by the Government Company ;
- (3) the Government Company shall indemnify the Central Government or its officials against any other expenditure that may be necessary in connection with any proceedings, by or against the Central Government or its officials regarding the mining rights in the said lands, so vesting ;
- (4) the Government Company shall have no power to transfer the mining rights in the said lands so vested to any other person without the previous approval of the Central Government ; and
- (5) the Government Company shall abide by such directions and conditions as may be given or imposed by the Central Government for particular areas of the said lands, as and when necessary

[No. 43015/7/89 LSW]

VINAY VASISHTHA, Director

नई दिल्ली, 28 जून, 1994

क्र.सं. 1860--केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन निकासी गई और भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii), तारीख 25 जनवरी, 1993 में प्रकाशित, भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.सं. 71(अ), तारीख 25 जनवरी, 1993 द्वारा उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिशेष की भूमि में, जिसका माप 805.00 हेक्टर (लगभग) या 1989.23 एकड़ (लगभग) है, में खनन अधिकारों का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना दी थी :

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 8 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है :—

और, केन्द्रीय सरकार का, पूर्वोक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और महाराष्ट्र सरकार से परामर्श करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इससे संलग्न अनुसूची में वर्णित 805.00 हेक्टर (लगभग) या 1989.23 एकड़ (लगभग) माप वाली भूमि में खनन अधिकार अर्जित किये जाने चाहिये।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उक्त अनुसूची में वर्णित 805.00 हेक्टर (लगभग) या 1989.23 एकड़ (लगभग) माप वाली भूमि में खनन अधिकार अर्जित किये जाते हैं।

इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के सं. सो-I (ई)/iii/एफ.अर./541.0893 तारीख 17 अगस्त, 1993 वाले रेखांक का निरीक्षण कन्वेक्टर, नागपुर (महाराष्ट्र) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में, या वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) कोल इस्टेट, सिविल लाईन्स नागपुर (महाराष्ट्र) के कार्यालय में किया जा सकता है।

अनुसूची

साओनेर खण्ड-3 ब्लॉक

नागपुर क्षेत्र

जिला-नागपुर (महाराष्ट्र)

खनन अधिकार

क्र.सं.	ग्राम का नाम	पटवारी मकिल संख्यांक	तहसील	जिला	क्षेत्र हेक्टर में	टिप्पणियां
1.	साओनगी	10	साओनेर	नागपुर	67.11	भाग
2.	दुधाबरी	12क	कलमेश्वर	नागपुर	241.74	भाग
3.	नीलगांव	31	कलमेश्वर	नागपुर	296.54	भाग
4.	बोरगांव	31	कलमेश्वर	नागपुर	199.61	भाग
कुल :					805.00 हेक्टर (लगभग)	
					या	
					1989.23 एकड़ (लगभग)	

ग्राम साओनगी में अर्जित किये गये प्लॉट संख्यांक :

76 से 87, 88क, 88ख, 89 114, से 115 भाग, 117, 123 से 125, 126 भाग, 127 भाग, 129 भाग, 130 भाग, 131, 132 भाग, 133 भाग, 134 से 138, 139 भाग, सड़क भाग।

ग्राम दुधाबरी में अर्जित किये गये प्लॉट संख्यांक :

19 भाग, 20 भाग, 23 भाग, 31 भाग, 32 से 92, 93क, 93ख, 94 से 129, 130 भाग, 132 भाग, 135 भाग, 136 भाग, 137 से 155, सड़क भाग, नाला भाग।

ग्राम नीलगांव में अर्जित किये गये प्लॉट संख्यांक :

1 से 97, 98 भाग, 99 भाग, 100 से 112, 113 भाग, 114 भाग, 115 भाग, 116 से 129, 130 भाग, 131 भाग, 132 भाग, 133 भाग, 143 भाग, 144 भाग, 145 भाग, 146 भाग, 147 भाग, 164 भाग, 165 भाग, 166 भाग, 167 भाग, 171 भाग, 172 भाग, 173 से 181, 182 क, 182 ख, 183 से 263, 264 भाग, 265 से 268, 270, 300, 301, 303 से 328, 329/1, 329/2, 330/1, 330/2, 331, 332, आबादी, सड़क भाग नाला भाग

ग्राम बीरगांव में अर्जित किये गये प्लॉट संख्यांक :

1 भाग, 5 भाग, 6 से 37, 38/1, 38/2, 39 से 46, 173, 180 से 189, 190क, 190ख, 191 से 237, 238 भाग, 241 भाग, 247 भाग, 248 से 274, 275 भाग, 276, 277 भाग, 278, 279 भाग, 280, 281, भाग, 316 भाग, 317 भाग, 391 भाग, 392 से 394 भाग, 395 भाग, 396 भाग, 398 भाग, 399 से 402, 403 भाग, 405 से 407, सड़क भाग, नाला भाग।

सीमा वर्णन :

क—ख : रेखा “क” बिन्दु से आरंभ होती है और ग्राम साओनगी से होकर प्लॉट सं. 115, सड़क, प्लॉट सं. 80, 81, 84, सड़क प्लॉट सं. 79, 78, 77, 76, की बाहरी सीमा के साथ-साथ जाती है और “ख” बिन्दु पर मिलती है।

ख—ग : रेखा भागतः ग्राम साओनगी और ग्राम दुधाबरदी की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है, उसके पश्चात् ग्राम दुधाबरदी से होते हुए प्लॉट सं. 19, 20, 23 की ओर आगे जाती है, सड़क पार करती है, फिर प्लॉट सं. 31 में जाकर सड़क पार करके प्लॉट सं. 130, 132, 135 में जाती है, प्लॉट सं. 137 में सड़क पार करती है उसके बाद ग्राम नीलगांव से होते हुए प्लॉट सं. 98, 99, 113, 114 में आगे जाकर सड़क पार करती है, उसके बाद प्लॉट सं. 115, 133, 131, 132, 130 में जाकर नाला पार करती है, उसके बाद प्लॉट सं. 143, 144, 145, 146, 147, 164, 166, 167 में आगे जाती है, सड़क पार करती है, प्लॉट सं. 171 में जाती है। उसके बाद ग्राम बीरगांव से होकर प्लॉट सं. 317, 316, में जाती है। प्लॉट सं. 275 में नाला पार करती है, प्लॉट सं. 276 की बाहरी सीमा के साथ-साथ चलती है। प्लॉट सं. 277, 280, 279, 247 में जाती है, नाला पार करती है, उसके बाद प्लॉट सं. 238 में जाती है, सड़क पार करती है, प्लॉट सं. 1.5 में जाती है, उसके बाद प्लॉट सं. 6, 407, 405 की बाहरी सीमा के साथ-साथ जाती है, प्लॉट सं. 403, 398, 396, 395, 391 में जाती है, प्लॉट सं. 392 की बाहरी सीमा के साथ-साथ जाती है और “ग” में बिन्दु पर मिलती है।

ग—घ : रेखा ग्राम बीरगांव और ग्राम अदासा की सम्मिलित ग्राम सीमा के साथ-साथ जाती है और “घ” बिन्दु पर मिलती है।

घ—ङ : रेखा भागतः ग्राम बीरगांव और ग्राम अदासा की सम्मिलित ग्राम सीमा के साथ-साथ जाती है उसके बाद ग्राम बीरगांव से होकर प्लॉट सं. 32, 33, 36, 37, 38/1, 45, 46 की बाहरी सीमा के साथ-साथ जाती है, सड़क पार करती है, उसके बाद प्लॉट सं. 197, 196, 193, 192, नाला प्लॉट सं. 190क, 173, 190ख, 188, 180 की बाहरी सीमा के साथ-साथ आगे जाती है और भागतः ग्राम नीलगांव और ग्राम बीरगांव की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ आगे जाती है, उसके बाद ग्राम नीलगांव से होकर प्लॉट सं. 263 की बाहरी सीमा के साथ-साथ आगे जाकर प्लॉट सं. 264 में जाती है उसके बाद प्लॉट सं. 268, 267 की बाहरी सीमा के साथ-साथ जाती है, सड़क पार करती है, उसके बाद भागतः सड़क की बाहरी सीमा के साथ-साथ जाकर नाला, प्लॉट सं. 300 की बाहरी सीमा के साथ-साथ आगे जाती है और “ङ” बिन्दु पर मिलती है।

ङ—च—छ : रेखा ग्राम नीलगांव और ग्राम फारसौदी (वकील), दुधाबरदी और फरसौदी, (वकील) दुधाबरदी और पंजारे दुधाबरदी तथा सोनोली, सावंगी और सोनोली, की सम्मिलित ग्रामी सीमा के साथ-साथ जाती है और “छ” बिन्दु पर मिलती है।

छ—क : रेखा ग्राम साओनगी से होकर प्लॉट सं. 139 की बाहरी सीमा के साथ-साथ जाती है, उसके बाद प्लॉट सं. 139, 133, 132, 130, 129, 127, 126 में आगे जाती है, उसके बाद प्लॉट सं. 125, 123, 110, 113, 117 की बाहरी सीमा के साथ-साथ जाती है, सड़क पार करके प्लॉट सं. 115 में जाती है और आरम्भिक बिन्दु “क” पर मिलती है।

[फा० सं. 43015/24/89—एल.एस. डब्ल्यू.]

विनय वसिष्ठ, निदेशक

New Delhi, the 28th June, 1994

S.O.1860.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Coal number S.O. 71(E), dated the 25th January, 1993 issued under sub-section(1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act) and published in the Gazette of India Extraordinary Part II, Section 3, Sub-Section (ii), dated the 25th January, 1993, the Central Government gave notice of its intention to acquire mining rights in the lands measuring 805.00 hectares (approximately) or 1989.23 acres (approximately) in the locality specified in the Schedule appended to that notifications :

And whereas the competent authority in pursuance of section 8 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government, after considering the report aforesaid and after consulting the Government of Maharashtra, is satisfied that the mining rights in the lands measuring 805.00 hectares (approximately) or 1989.23 acres (approximately) described in the Schedule appended hereto should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the said Act, the Central Government hereby declares that the mining rights in the lands measuring 805.00 hectares (approximately) or 1989.23 acres (approximately) described in the said Schedule are hereby acquired.

The plan bearing No. O-I(E)III/ER/541-0893, dated the 17th August, 1993, of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Collector, Nagpur (Maharashtra) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the office of the Western Coalfields Limited (Revenue Department), Coal Estate, Civil Lines, Nagpur (Maharashtra).

SCHEDULE
SAONER PHASE-III BLOCK
NAGPUR AREA
DISTRICT NAGPUR (MAHARASHTRA)

Mining Rights

Serial No.	Name of Village	Patwari circle number	Tehsil	District	Area in hectares	Remarks
1	2	3	4	5	6	
1.	Saongi	10	Saoner	Nagpur	67.11	Part
2.	Dudhabardi	12A	Kalmeshwar	Nagpur	241.74	Part
3.	Nilgaon	31	Kalmeshwar	Nagpur	296.54	Part
4.	Borgaon	31	Kalmeshwar	Nagpur	199.61	Part
Total					805.00 hectares (approximately) or 1989.23 acres (approximately)	

Plot numbers acquired in village Saongi :

76 to 87, 88A, 88B, 89 to 114, 115 Part, 117, 123 to 125, 126 part, 127 part, 129 part, 130 part, 131, 132 part, 133 part, 134 to 138, 139 part, road part.

Plot numbers acquired in village Dudhabardi :

19 part, 20 part, 21 part, 31 part, 32 to 92, 93A, 93B, 94 to 129, 130 part, 131 part, 135 part, 136 part, 137 to 155 road part Nullah part.

Plot numbers acquired in village Nilgaon :

1 to 97, 98 part, 99 part, 100 to 112, 113 part, 114 part, 115 part, 116 to 129, 130 part, 131 part, 132 part, 133 part, 143 part, 144 part, 145, 146 part, 147 part, 164 part, 165, 166 part, 167 part, 171 part, 172 part, 173 to 181, 182A, 182B, 183 to 263, 264 part, 265 to 268, 270, 300, 301, 303 to 328, 329/1, 329/2, 330/1, 330/2, 331, 332, Abadi Road, part, Nullah part.

Plot numbers acquired in village Borgaon :

1 part, 5 part, 6 to 37, 38/1, 38/2, 39 to 46, 173, 180 to 189, 190A, 190B, 191 to 237, 238 part, 241 part, 247 part, 248 to 274, 275 part, 276, 277 part, 278, 279 part, 280 part, 316 part, 317 part, 391 part, 392 to 394, 395 part, 396 part, 398 part, 399 to 402, 403 part, 405 to 407, Road part, Nullah part.

Boundary description :

A—B Line starts from point 'A' and passes through village Saongi, along the outer boundaries of plot number 115, road, plot numbers 80, 81, 84, road, plot numbers 79, 78, 77, 76 and meets at point 'B'.

- B—C** Line passes partly along the common village boundary of villages Saongi and Dudhabardi, then proceeds through village Dudhabardi in plot numbers 19, 20, 23, crosses road then in plot number 31, crosses road, in plot numbers 130, 132, 135, crosses road in plot number 136, then proceeds through village Nilgaon in plot numbers 98, 99, 113, 114, crosses road, then in plot numbers 115, 133, 131, 132, 130, crosses nullah then proceeds in plot numbers 143, 144, 145, 146, 147, 164, 166, 167, crosses road, in plot numbers 172, 171, then proceeds through village Borgaon in plot numbers 317, 316, crosses nullah in plot number 275, along the outer boundary of plot number 276, in plot numbers 277, 280, 279, 247, crosses nullah then in plot number 238, crosses road, in plot numbers 1, 5, then proceeds along the outer boundaries of plot numbers 6, 407, 405, in plot numbers 403, 398, 396, 395, 391, along the outer boundary of plot number 392 and meets at point 'C'.
- C—D** Line passes along the common village boundary of village Borgaon and Adasa and meets at point "D".
- D—E** Line passes partly along the common village boundary of villages Borgaon and Adasa, then proceeds through village Borgaon, along the outer boundaries of plot numbers 32, 33, 36, 37, 38/1, 45, 46, crosses road, then proceeds along the outer boundaries of plot numbers 197, 196, 193, 192, nullah plot numbers 190A, 173, 190B, 188, 180 and proceeds partly along the common village boundary, of villages Nilgaon and Borgaon, then proceeds through village Nilgaon along the outer boundary of plot number 263, in plot number 264, then along the outer boundaries of plot numbers 268, 267 crosses road then proceeds partly along the outer boundary of road, proceeds along the outer boundaries of nullah, plot number 300 and meets at point 'E'.
- B—F—G** Line passes along the common village boundaries of village Nilgaon and Parsodi (Vakil), Dudhabari and Parsodi (Vakil), Dudhabardi and Panjala, Dudhabardi and Sonoli, Saongi and Sonoli and meets at point "G".
- G—A** Line passes through village Saongi along the outer boundary of plot number 138, then proceeds in plot numbers 139, 133, 132, 130, 129, 127, 126 then passes along the outer boundaries of plot numbers 125, 123, 110, 111, 113, 117, crosses road, in plot number 115 and meets at starting point "A".

[F. No. 43015/24/89-LSW]

VINAY VASISHTHA, Director

आदेश

नई दिल्ली, 29 जून, 1994

का०आ० 1861.—कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) द्वारा 9 की उपधारा (1) के अधीन निकाली गई भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना संख्यांक का०आ० 1344, तारीख 1 जून, 1993 के, भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 19 जून, 1993 में प्रकाशित होने पर, उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित भूमि (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त भूमि कहा गया है) में के खनन अधिकार उक्त अधिनियम की धारा 10 की उपधारा (1) के अधीन सभी विलगनों से मुक्त होकर, आत्यन्तिक रूप से केन्द्रीय सरकार में निहित हो गए थे,

और, केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, खिलासपुर (जिसे इसमें इसके पश्चात् सरकारी कम्पनी कहा गया है), ऐसे निबंधनों और शर्तों का जो केन्द्रीय सरकार इस निमित्त अधिरोपित करता उचित समझे, अनुपालन करने के लिए रजामंद है।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देता है कि इस प्रकार निहित उक्त भूमि में के खनन अधिकार, तारीख 19 जून, 1993 से केन्द्रीय सरकार में इस प्रकार निहित बने रहने की वजाय निम्न-लिखित निबंधनों और शर्तों के अधीन रहते हुए, सरकारी कम्पनी में निहित हो जाएंगे, अर्थात् :—

- (1) सरकारी कम्पनी, उक्त अधिनियम के उपबंधों के अधीन अवधारित प्रतिकर, ब्याज, नुकसानी और वैसे ही मदों की बाबत किए गए सभी संदायों की केन्द्रीय सरकार की प्रतिपूर्ति करेगी।
- (2) सरकारी कम्पनी द्वारा शर्त (1) के अधीन, केन्द्रीय सरकार को संदेय रकमों का अवधारण करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण का गठन किया जाएगा तथा ऐसे किसी अधिकरण और ऐसे अधिकरण की सहायता के लिए नियुक्त व्यक्तियों के संबंध में उपगत सभी व्यय, उक्त सरकारी कम्पनी वहन करेगी और इसी प्रकार, निहित उक्त भूमि में के खनन अधिकारों के लिए या उनके संबंध में सभी विधिक कार्यवाहियों,

ऐसे अपील, आदि की रायत उपगत सभी व्यय भी, सरकारी कम्पनी वहन करेगी।

- (3) सरकारी कम्पनी, केन्द्रीय सरकार या उसके पदाधारियों की, ऐसे किसी अन्य व्यय के संबंध में, जो इस प्रकार निहित उक्त भूमि में या उस पर के खनन अधिकारों के बारे में, केन्द्रीय सरकार या उसके पदाधारियों द्वारा या उनके विशुद्ध किन्हीं कार्यवाहियों के संबंध में आवश्यक हो, क्षतिपूर्ति करेगी।

- (4) सरकार कम्पनी को, केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन के बिना, उक्त भूमि में के खनन अधिकार किसी अन्य व्यक्ति को अंतरित करने की शक्ति नहीं होगी, और

- (5) सरकारी कम्पनी, ऐसे निदेशों और शर्तों का, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा, जब कभी आवश्यक हो, उक्त भूमि के विशिष्ट क्षेत्रों के लिए दी या अधिरोपित की जाएं, पालन करेगी।

[फा.सं 43015/19/89-एल.एस. डब्ल्यू.]
विनय वसिष्ठ, निदेशक

ORDER

New Delhi, the 29th June, 1994

S.O. 1861.—Whereas on the publication of the notification of the Government of India in the Ministry of Coal number S.O. 1344, dated the 1st June, 1993 in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 19th June, 1993 issued under sub-section (1) of Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act), the mining rights the lands described in the Schedule appended to the said notification (hereinafter referred to as the said lands) vested absolutely in the Central Government free from all encumbrances under sub-section (1) of Section 10 of the said Act ;

And, whereas, the Central Government is satisfied that the South Eastern Coalfields Limited, Bilaspur (hereinafter referred to as the Government Company) is willing to comply with such terms and conditions as the Central Government thinks fit to impose in this behalf ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 11 of the said Act, the Central Government hereby directs that the mining rights in the said lands so vested shall, with effect from the 19th June, 1993, instead of continuing to so vest in the Central Government vest in the Government Company, subject to the following terms and conditions, namely :—

- (1) the Government Company shall reimburse the Central Government all payments made in respect of compensation, interest, damages and the like, as determined under the provisions of the said Act ;
- (2) a tribunal shall be constituted for the purpose of determining the amounts payable to the Central Government by the Government Company under condition (1), and all expenditure incurred in connection with any such tribunal, and persons appointed to assist the tribunal shall be borne by the Government Company and, similarly, all expenditure incurred in respect of all legal proceedings like appeal, etc., for or in connection with the mining rights, in the said lands, so vesting shall also be borne by the Government Company ;

(3) the Government Company shall indemnify the Central Government or its officials against any other expenditure that may be necessary in connection with any proceedings, by or against the Central Government or its officials regarding the mining rights in the said lands, so vesting ;

(4) the Government Company shall have no power to transfer the mining rights in the said lands so vested to any other person without the previous approval at the Central Government ; and

(5) the Government Company shall abide by such directions and conditions as may be given or imposed by the Central Government for particular areas of the said lands, as and when necessary.

[F. No. 43015/19/89-LSW]
VINAY VASISHTHA, Director

आदेश

नई दिल्ली, 29 जून, 1994

का.आ. 1862.—कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन निकाली गई भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का.आ. 118(अ), तारीख, 23 फरवरी, 1993 के, भारत के राजपत्र असाधारण, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख, 23 फरवरी, 1993 में प्रकाशित होने पर, उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित भूमि (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त भूमि कहा गया है) से खनिजों के खनन, खदान और वार करने, उनकी खोज करने, उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकार उक्त अधिनियम की धारा 10 की उपधारा (1) के अधीन, सभी विलगनों से मुक्त होकर, आत्यंतिक रूप से केन्द्रीय सरकार में निहित हो गए थे।

और, केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि साउथ ईस्टर्न कोयलील्ड्स लिमिटेड, बिलासपुर (जिसे इसमें इसके पश्चात् सरकारी कम्पनी कहा गया है), ऐसे निबंधनों और शर्तों का, जो केन्द्रीय सरकार इसे निमित्त, अधिरोपित करना उचित समझे अनुपालन करने के लिए राजांसद है।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि इस प्रकार निहित उक्त भूमि में पूर्वांत अधिकार, तारीख 23 फरवरी, 1993 से केन्द्रीय सरकार में इस प्रकार निहित बने रहने को न्याय, निम्नलिखित निबंधनों और शर्तों के अधीन रहने हुए, उक्त सरकारी कम्पनी में निहित हो जाएंगे, अर्थात् :—

- (1) सरकारी कम्पनी, उक्त अधिनियम के उपबंधों के अधीन अवधारित प्रांतिक, ब्याज, नुकसानी और बेंसी ही मदों की वावत किए गए सभी संदायों की केन्द्रीय सरकार को प्रतिपूर्ति करेगी।
- (2) सरकारी कम्पनी द्वारा शर्त, (1) के अधीन, केन्द्रीय सरकार को संघैय रकमों का अवधारण

करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण का गठन किया जाएगा तथा ऐसे किसी अधिकरण और ऐसे अधिकरण की सहायता के लिए नियुक्त व्यक्तियों के संबंध में उपगत सभी व्यय, उक्त सरकारी कम्पनी वहन करेगी और इसी प्रकार, इस प्रकार निहित उक्त भूमि में या अधिकारों के लिए या उनके संबंध में सभी विधिक कार्यवाहियों जैसे अपील आदि की वास्तव उपगत सभी व्यय भी, उक्त सरकारी कम्पनी वहन करेगी।

- (3) सरकारी कम्पनी, केन्द्रीय सरकार या उसके पदाधिकारियों की, ऐसे किसी अन्य व्यय के संबंध में, जो इस प्रकार निहित में या अधिकारों के बारे में, केन्द्रीय सरकार या उसके पदाधिकारियों द्वारा या उनके विरुद्ध किन्हीं कार्यवाहियों के संबंध में आवश्यक हो, अतिपूर्ति करेगी।
- (4) सरकार कम्पनी को, केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन के बिना इस प्रकार निहित उक्त भूमि में के अधिकार किसी अन्य व्यक्ति की अंतरित करने की शक्ति नहीं होगी, और
- (5) सरकारी कम्पनी, ऐसे निर्देशों और शर्तों का, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा, जब कभी आवश्यक हो, उक्त भूमि के विशिष्ट क्षेत्रों के लिए दिए जाएं या अधिरोपित की जाएं, पालन करेगी।

[सं० 43015/23/86-सी०ए०/एल०एम०डब्ल्यू०]
विनय वसिष्ठ, निदेशक

ORDER

New Delhi, the 29th June, 1994

S.O. 1862.—Whereas on the publication of the notification of the Government of India in the Ministry of Coal number S.O. 118(E), dated the 23rd February, 1993 in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 23rd February, 1993, issued under sub-section (1) of Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act), the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the lands described in the Schedule appended to the said notification (hereinafter referred to as the said lands) vested absolutely in the Central Government free from all encumbrances under sub-section (1) of Section 10 of the said Act;

And, whereas, the Central Government is satisfied that the South Eastern Coalfields Limited, Bilaspur (hereinafter referred to as the Government Company) is willing to comply with such terms and conditions as the Central Government thinks fit to impose in this behalf;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 11 of the said Act, the Central Government hereby directs that the aforesaid rights in the said lands so vested shall, with effect from the 23rd February, 1993, instead of continuing to so vest in the Central Government, vest in the Government Company, subject to the following terms and conditions, namely:—

- (1) the Government Company shall reimburse the Central Government all payments made in respect of compensation, interest, damages and the like, as determined under the provisions of the said Act;
- (2) a tribunal shall be constituted for the purpose of determining the amounts payable to the Central Government by the Government Company under condition (1), and all expenditure incurred in connection with any such tribunal and persons appointed to assist the tribunal shall be borne by the Government Company and, similarly, all expenditure incurred in respect of all legal proceedings like appeals, etc., for or in connection with the rights, in the said lands, so vesting shall also be borne by the Government Company;
- (3) the Government Company shall indemnify the Central Government or its officials against any other expenditure that may be necessary in connection with any proceedings, by or against the Central Government or its officials regarding the rights, in the said lands, so vesting;
- (4) the Government Company shall have no power to transfer the rights in the said lands, so vested, to any other person without the previous approval of the Central Government; and
- (5) the Government Company shall abide by such directions and conditions as may be given or imposed by the Central Government for particular areas of the said lands, as and when necessary.

[No. 43015/23/86-CA/LSW]
VINAY VASISHTHA, Director

मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(महिला एवं बाल विकास विभाग)

पूर्व विन्यास अधिनियम, 1890 (1890 का 6) के मामले में राष्ट्रीय बाल कोष, नई दिल्ली के मामले में

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 1994

का०आ० 1863.—पूर्व विन्यास अधिनियम, 1890 (1890 का 6) की धारा 10 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा आदेश देती है कि भारत के लिए पूर्व विन्यास के खजाने की भूतपूर्व वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नार्थ ब्लॉक ए, नई दिल्ली में निहित तथा जिवित खजाने की (राष्ट्रीय बाल कोष) के नामे जमा रु० 10,00,000/- (दश लाख रुपये केवल मात्र) के अंकित मूल्य को निम्नलिखित प्रतिभूतियों संबंधी प्रतिदान आय को सचिव खजाने की (राष्ट्रीय बाल कोष) के नामे अंतरित कर दिया जाए।

प्रतिभूतियों का विवरण	अंकित मूल्य	जिस तिथि को देय है
-----------------------	-------------	--------------------

1. पंचवर्षीय डाकखाना	रु० 10,00,000	3-7-94
हावधिया जमा योजना		

[सं० 13-6/94-टीआर]
रतन चन्द, प्रवर सचिव

IN THE MATTER OF THE CHARITABLE ENDOWMENTS ACT 1890

(6 of 1890)

IN THE MATTER OF THE NATIONAL CHILDREN'S FUND, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July, 1994

S.O. 1863.—In pursuance of Section 10 of the Charitable Endowments Act, 1890 (6 of 1890), the Central Government do hereby order that the redemption proceeds in respect of the following securities of the face value of Rs. 10,00,000 (Rupees Ten lakh only) held in the name of Secretary-Treasurer (NCF) and vested in the Treasurer of Charitable Endowments for India erstwhile Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, North Block, New Delhi be transferred to the Secretary-Treasurer (NCF).

Description of Securities	Face	Maturing on
1. Five Years Post Office Time Deposit Scheme	Rs. 10,00,000/-	3-7-94

[F. No. 13-6/94-TR]

RATTAN CHAND, Under Secy.

पूर्त विन्यास अधिनियम, 1890 (1890 का 6) के मामले में राष्ट्रीय बाल कोष, नई दिल्ली के मामले में

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1994

का०आ० 1864.—राष्ट्रीय बाल कोष, नई दिल्ली के प्रबन्ध बोर्ड द्वारा किए आवेदन पर और उनकी सहमति से पूर्त विन्यास अधिनियम, 1890 (1890 का 6) के खण्ड 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा आदेश देती है कि नीचे दिए गए ब्याज के अनुसार रु० 12,00,000/- (बारह लाख मात्र) सिडिकेट बैंक, होज खाम, नई दिल्ली में 110 दिनों के लिए फिक्स डिपॉजिट योजना के अन्तर्गत 7% की ब्याज दर से 11-7-94 की निवेश की गई :

क्रम सं०	राशि	पिछले निवेश की तारीख	भुगतान की तारीख	अभियुक्तियां
1.	2,00,000/-	23-06-91	23-06-94	
2.	10,00,000/-	25-06-89	25-06-94	

2. भारत सरकार के तत्कालीन समाज कल्याण विभाग के दिनांक 2 मार्च, 1979 के समय-समय पर यथा संशोधित सा०आ० 120(ई) की अधिसूचना के साथ प्रकाशित राष्ट्रीय बाल कोष, नई दिल्ली के संचालन के योजना के अनुसार प्रयोग किए जाने हेतु उपरोक्त खाता भारतीय पूर्त विन्यास के खजांची के नाम होगा।

[सं. 13-6/94 टी आर-II]

रतन चन्द, अव्वर सचिव

IN THE MATTER OF THE CHARITABLE ENDOWMENTS ACT 1890

(6 of 1890)

IN THE MATTER OF THE NATIONAL CHILDREN'S FUND, NEW DELHI

New Delhi, the 18th July, 1994

S.O. 1864.—On the application made by and with the concurrence of the Board of Management of the National Children's Fund, New Delhi and in exercise of the powers conferred by Section 4 of the Charitable Endowments Act, 1890 (6 of 1890), the Central Government do hereby order that the sum of Rs. 12,00,000 (Rupees Twelve lakh only) as per particulars given below be invested in Fixed of Deposit Scheme for 110 days in Syndicate Bank, Hauz Khas, New Delhi, at the rate of interest 7% per annum w.e.f. 11-7-94.

Sl. No.	Amount	Date of Previous Investment	Date of Maturity	Remarks
1.	Rs. 2,00,000/-	23-06-91	23-06-94	
2.	Rs. 10,00,000	25-06-89	25-06-94	

2. The above account shall vest in the Treasurer of Charitable Endowments of India to be held by him for being applied in accordance with the scheme for the administration of the National Children's Fund, New Delhi published with the Notification of the Government of India in the then Department of Social Welfare No. S.O. 120(E) dated the 2nd March, 1979 as amended from time to time.

[F. No. 13-6/94-TR-II]

RATTAN CHAND, Under Secy.

पूर्त विन्यास अधिनियम, 1890 (1890 का 6) के मामले में राष्ट्रीय बाल कोष, नई दिल्ली के मामले में

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1994

का०आ० 1865.—राष्ट्रीय बाल कोष, नई दिल्ली के प्रबन्ध बोर्ड द्वारा किए आवेदन पर और उनकी सहमति से पूर्त विन्यास अधिनियम, 1890 (1890 का 6) के खण्ड 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा आदेश देती है कि नीचे दिए गए ब्याज के अनुसार रु० 10,00,000/- (दस लाख मात्र) सिडिकेट बैंक, होज खाम, नई दिल्ली में 46 दिनों के लिए फिक्स डिपॉजिट योजना के अन्तर्गत 7% की ब्याज दर से 11-7-94 की निवेश की गई :

क्रम सं०	राशि	पिछले निवेश की तारीख	भुगतान की तारीख	अभियुक्तियां
1.	10,00,000/-	03-07-89	03-07-94	

2. भारत सरकार के तत्कालीन समाज कल्याण विभाग के दिनांक 2 मार्च, 1979 के समय-समय पर यथा संशोधित सा०आ० 120(ई) की अधिसूचना के साथ प्रकाशित राष्ट्रीय बाल कोष, नई दिल्ली के संचालन के योजना के अनुसार प्रयोग किए जाने हेतु उपरोक्त खाता भारतीय पूर्त विन्यास के खजांची के नाम होगा।

[सं० 13-6/94-टीआर-II]

रतन चन्द, अव्वर सचिव

IN THE MATTER OF THE CHARITABLE ENDOWMENTS ACT 1890

(6 of 1890)

IN THE MATTER OF THE NATIONAL CHILDREN'S FUND, NEW DELHI

New Delhi, the 18th July, 1994

S.O. 1865.—On the application made by and with the concurrence of the Board of Management of the National Children's Fund, New Delhi and in exercise of the powers conferred by Section 4 of the Charitable Endowments Act 1890 (6 of 1890), the Central Government do hereby order that the sum of Rs. 10,00,000 (Rupees Ten lakh) as per particulars given below be invested in Fixed Deposit Scheme for 46 days in Syndicate Bank, Hauz Khas, New Delhi, at the rate of interest 7% per annum w.e.f. 11-7-94.

Sl. No.	Amount	Date of Previous Investment	Date of Maturity	Remarks
1.	Rs. 10,00,000/-	03-07-89	03-07-94	

2. The above account shall vest in the Treasurer of Charitable Endowments of India to be held by him for being applied in accordance with the scheme for the administration of the National Children's Fund, New Delhi published with the Notification of the Government of India in the then Department of Social Welfare No. S.O. 120(E) dated the 2nd March, 1979 as amended from time to time.

[F. No. 13-6/94-TR-II]

RATTAN CHAND, Under Secy.

पूर्त विन्यास अधिनियम, 1890 (1890 का 6) के मामले में राष्ट्रीय बाल कोष, नई दिल्ली के मामले में

नई दिल्ली, 22 जून, 1994

का०आ० 1866.—पूर्त विन्यास अधिनियम, 1890 (1890 का 6) की धारा 10 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा आदेश देती है कि भारत के लिए पूर्त विन्यास के खजांची भूतपूर्व वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नार्थ ब्लॉक-ए नई दिल्ली में निहित तथा सचिव खजांची (राष्ट्रीय बाल कोष) के नामें जमा रु० 10,00,000 (दस लाख रुपये केवल मात्र) के अंकित मूल्य को निम्नलिखित प्रतिभूतियों संबंधी प्रतिदान आय को सचिव खजांची (राष्ट्रीय बाल कोष) के नामें अंतरित कर दिया जाए।

प्रतिभूतियों का विवरण	अंकित मूल्य	जिस तिथि को देय है
	रु०	
पंचवर्षीय डाकखाना आवधिक जमा योजना	10,00,000	25-6-94

[सं० 13-6/94-टीआर]

रतन चंद, प्रवर सचिव

IN THE MATTER OF THE CHARITABLE ENDOWMENTS ACT, 1890

(6 of 1890)

IN THE MATTER OF THE NATIONAL CHILDREN'S FUND, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd June, 1994

S.O. 1866.—In pursuance of Section 10 of the Charitable Endowments Act 1890 (6 of 1890), the Central Government do hereby order that the redemption proceeds in respect of the following securities of the face value of Rs. 10,00,000 (Rupees Ten lakh only) held in the name of Secretary-Treasurer (NCF) and vested in the Treasurer of Charitable Endowments for India erstwhile Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, North Block, New Delhi be transferred to the Secretary-Treasurer (NCF).

Description of Securities	Face	Maturing on
1. Five Years Post Office Time Deposit Scheme.	Rs. 10,00,000/-	25-6-94

[F. No. 13-6/94-TR]

RATTAN CHAND, Under Secy.

रसायन और उर्वरक मंत्रालय
(रसायन और पेट्रो-रसायन विभाग)

नई दिल्ली, 8 जुलाई, 1994

का०आ० 1867.—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे दी गई सारणी के स्तम्भ (1) में उल्लिखित अधिकारी को, जो केन्द्रीय सरकार के राजस्व अधिकारी के समतुल्य स्तर का अधिकारी है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए सम्पदा अधिकारी नियुक्त करती है जो उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थानों की बाबत अपनी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अधीन सम्पदा अधिकारियों को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग और उन पर अधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेगा, अर्थात्:—

सारणी

अधिकारी का पदनाम	सरकारी स्थानों का प्रवर्ग और अधिकारिता की स्थानीय सीमाएं
प्रबन्धक (कार्मिक और प्रशासन) नलधारी संयंत्र, पेट्रोफिल्स को-आपरेटिव लिमिटेड वडोदरा।	नलधारी, जिला भड़ोच (गुजरात) में पेट्रोफिल्स को-आपरेटिव लिमिटेड के या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए सभी स्थान।

[सं० 32027/12/92-पी०सी०-I]

अरुण कुमार, उपसचिव

MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS

(Department of Chemicals and Petrochemicals)

New Delhi, the 8th July, 1994

S.O. 1867.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (1) of the Table below, being an officer equivalent to the rank of a Gazetted Officer of the Central Government, to be the Estate officer for the purposes of the said Act, who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed, on estate officers by or under the said Act, within the local limits of his jurisdiction, in respect of the public premises specified in column (2) of the said Table namely :—

TABLE

Designation of the Officer	Categories of Public Premises and local limits of Jurisdiction
(1)	(2)
Manager (Personnel and Administration), Naldhari Plant Petrofils Cooperative Limited, Vadodara.	All premises belonging to or taken on lease by or on behalf of the Petrofils Cooperative Limited, at Naldhari, District Bharuch, Gujarat.

[No. 32027/11/94-PC. I]

ARUN KUMAR, Dy. Secy.

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 7 जुलाई, 1994

का.आ. 1868.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैसर्स पोपटलाल हटसी एण्ड कं. के प्रबन्धन के संबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नं. 2, बोम्बे के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 6-7-94 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एल-31012/36/92-आईआर (विविध)]

बी०एम० डेविड, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 7th July, 1994

S.O. 1868.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. 2) Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employer in relation to the management of M/s. Popatlal Hetshi and Co. and their workmen, which was received by the Central Government on 6-7-1994.

[No. L-31012/36/92 IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY

PRESENT :

Shri S. B. Panse, Presiding Officer.

Reference No. CGIT-2/84 of 1993

Employers in relation to the management of M/s. Popatlal Hetshi and Co.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Employers—No appearance.

For the Workmen—1. Shri S. R. Wagh, Advocate

2. Shri S. R. Kulkarni, General Secretary, T&D Workers' Union.

INDUSTRY : Ports and Docks STATE : Maharashtra

Bombay, the 16th June, 1994

AWARD

The Central Government, Ministry of Labour, by its letter No. L-31012/36/92-IR (Misc.) dated 5/12-10-1993 referred the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act.

2. The Reference was made in the following terms :

"Whether the action of the Management of M/s. Popatlal Hetshi and Co., Clearing and Forwarding Agents in terminating the services of Shri Govindji Verji Shah, Dock Clerk w.e.f. 1-2-1991 is just, proper and legal? If not, to what relief the workman entitled?"

3. After receipt of the order the parties to the dispute viz. M/s. Popatlal Hetshi and Co. and the Secretary, Transport and Dock Workers' Union, were duly served.

4. The Secretary of the Union was to file statement of claim in the matter as per the notice but on 21-4-1994 he filed a purshis (Exh. W/2) to the effect that Mr. G. V. Shah, the workman who raised the dispute demanding the reinstatement has not approached the union. This being an individual dispute and the Union cannot pursue the same if the workman is not interested. It filed a purshis that the Reference may be disposed of.

5. In view of the above said purshis there was no need for M/s. Popatlal Hetshi and Co. to file the written statement. I accept the purshis filed by Shri S. R. Kulkarni, the Secretary of the Transport and Dock Workers' Union, Bombay and pass the following order :

ORDER

The Reference stands disposed of.

The parties to bear their own costs.

S. B. PANSE, Presiding Officer

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 20 जुलाई, 1994

का. आ. 1869.—इस मंत्रालय की दिनांक 25-4-94 की समसंख्यक अधिसूचना में "करार" शीर्षक के तहत पैरा-ग्राफ सं. 1 में चौथे और पांचवें वाक्यों पर प्रकाशित श्री के. ई. वर्धन के नाम तथा पते को इस प्रकार पढ़ा जाए

“श्री के. ई. वर्धन, सेवानिवृत्त जिला जज (ग्रेड-1), 15-राजा विधि, चोलाइमेदु, मद्रास-600094”।

[संख्या एल-33013/1/94-आई आर (विविध)]
बी. एम. डेविड, डेस्क अधिकारी

CORRIGENDUM

New Delhi, the 20th July, 1994

S.O. 1869.—In this Ministry's Notification of even number dated 25-4-94, the name and address of Shri K. E. Vardhan appearing on fourth and fifth sentences in paragraph No. 1 under the heading “AGREEMENT” may be read as “Shri K. E. Vardhan, Retired District Judge (Grade-I), No. 15 Raja Veedhi, Choolaimedu, Madras-600094”.

[No. L-33013/1/94-JR (Misc.)]

B. M. DAVID, Desk Officer

नई दिल्ली, 11 जुलाई, 1994

का. आ. 1870.—कर्मचारी भविष्य निधि एवं प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 2 के खण्ड (टख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इस अधिनियम की अनुसूची के स्तम्भ (2) में उल्लिखित अधिकारियों को उक्त अधिनियम के अंतर्गत 1 मार्च, 1994 को तथा से, संबंधित क्षेत्रों में उक्त अधिनियम के उपबंधों के अंतर्गत शामिल किए गए सभी प्रतिष्ठानों के संबंध में उक्त अनुसूची के स्तम्भ (3) में वर्णित क्षेत्रों के लिए वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है :—

क्रम संख्या	अधिकारी का नाम तथा पदनाम वह क्षेत्र जिसके संबंध में क्षेत्राधिकार का प्रयोग किया जाना है	
1	2	3
1.	श्री के. सेतुमाधवन, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त	बिहार राज्य
2.	श्री रामेन्द्र सिंह, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त	दिल्ली राज्य
3.	श्री आर. डी. शर्मा, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त	उड़ीसा राज्य
4.	श्री बी. एस. बी. शर्मा, सहायक भविष्य निधि आयुक्त	आन्ध्र प्रदेश राज्य

[संख्या आर-11013(2)/90-एस एस-II]

जे. पी. शुक्ला, अवर सचिव

New Delhi, the 11th July, 1994

S.O. 1870.—In exercise of the powers conferred by clause (kb) of Section 2 of the Employees' Provident Funds & Misc. Provisions Act, 1952 (19 of 1952) the Central Government hereby authorises the Officers mentioned in Column (2) of the Schedule to exercise the powers of the Recovery Officer under the said Act on and from the 1st day of March, 1994 for the areas mentioned in Column (3) of the said Schedule in relation to all the establishment covered under the provisions of the said Act in the respective areas :—

S. No.	Name and Designation of the Officer	Area in relation to which jurisdiction to be exercised
(1)	(2)	(3)
1.	Shri K. Sethumadhavan, Regional Provident Fund Commissioner.	State of Bihar.
2.	Shri Raminder Singh, Regional Provident Fund Commissioner.	State of Delhi.
3.	Shri R.D. Sharma, Regional Provident Fund Commissioner.	State of Orissa.
4.	Shri B.S.V. Sharma, Assistant Provident Fund Commissioner.	State of Andhra Pradesh

[No. R-11013/2/90-SS-II]

J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 जुलाई, 1994

का. आ. 1871.—कर्मचारी भविष्य निधि एवं प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 2 के खंड (टख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत सरकार, श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 533(अ) दिनांक 29 जून, 1990, जो 3 जुलाई, 1990 के भारत के राजपत्र, असाधारण के भाग II, खंड 3, उप खंड (ii) में प्रकाशित हुई थी, में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में :—

(i) क्रम सं. 8 के समक्ष कालम (2) के नीचे की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

श्री के. ए. द्विवेदी,
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त,
मध्य प्रदेश।

[सं. आर-11013/2/90-एस एस-II(i)]

जे. पी. शुक्ला, अवर सचिव

New Delhi, the 11th July, 1994

S.O. 1871.—In exercise of the powers conferred by clause (kb) of Section 2 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby makes the following amendment in the Notification of the Government of India, Ministry of Labour No. S.O. 533(I) dated the 29th June, 1990 published in Part-II Section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India, Extraordinary dated the 3rd July, 1990, namely :—

In the Schedule to the said Notification :—

(i) against serial No. 8 for the entry under column (2) the following shall be substituted, namely :—

Shri K. A. Dwivedi,
Regional Provident Fund Commissioner,
Madhya Pradesh.

[No. R-11013(2)/90-SS. II(ii)]
J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 1994

का.आ. 1872.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा (3) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 808 दिनांक 30 मार्च, 1993 का अधिक्रमण करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के खण्ड (क) अथवा खण्ड (ख) के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना के अथवा कर्मचारी भविष्य निधि योजना 1952 के पैरा 27 या पैरा 27-क अथवा जैसी भी स्थिति हो के अधीन छूट प्राप्त किसी कर्मचारी या कर्मचारियों के वर्ग के संबंध में प्रत्येक नियोजना ऐसे स्थापना अथवा यथास्थिति ऐसे कर्मचारी या कर्मचारी वर्ग से संबंधित मासिक भविष्य निधि अभिदायों का अंतरण उस मास के समाप्त होने से 15 दिन के भीतर उस स्थापना के संबंध में समयक रूप से गठित न्यासी बोर्ड को करेगा और उक्त न्यासी बोर्ड नियोजक से उक्त अभिदायों को प्राप्ति की तारीख से दो सप्ताह की अवधि के भीतर स्थापना अथवा यथास्थिति कर्मचारी या कर्मचारी वर्ग से संबंधित भविष्य निधि संचयन अर्थात् अभिदाय ब्याज और अन्य प्राप्तियों को किन्हीं बाध्यकर देनदारियों को कटौती करने के बाद निम्न व्यवस्था के अनुसार विनिहित करेगा अर्थात् :—

निवेश पद्धति

निवेश किए
जाने वाली राशि
का प्रतिशतांक

(i) (क) किसी राज्य सरकार द्वारा सृजित और जारी की गई सरकारी प्रतिभूतियों जैसा कि लोक ऋण अधिनियम, 1944 (1944 का 18) की धारा 2 में परिभाषित किया गया है; तथा/अथवा

(ख) ऐसी अन्य परक्राम्य प्रतिभूतियाँ जिनकी मूल राशि तथा उसके ब्याज की केन्द्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार द्वारा पूरी तरह से बिना शर्त गारंटी प्रदान की जाती है, उनमें निम्नलिखित (iii) (क) के अंतर्गत आने वाली प्रतिभूतियाँ शामिल नहीं हैं।

(ii) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग की अधिसूचना संख्या एफ 16(1)-पी.डी./75 दिनांक 30 जून 1975 के अंतर्गत जारी की गई विशेष जमा राशि स्कीम जिनमें अधिसूचना संख्या एफ 16(8)-पी.डी./85 दिनांक 12 जून 1985 द्वारा विस्तारित किया गया था।

पचपन
प्रतिशत

(iii) (क) कंपनी अधिनियम की धारा 4(क) में निदिष्ट "लोक वित्तीय संस्थाओं" के बांड/प्रतिभूतियाँ; आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 2(36) (क) में परिभाषित "सरकारी क्षेत्र की कंपनियाँ"; तथा/अथवा

तीन
प्रतिशत

(ख) सरकारी क्षेत्र के बैंकों द्वारा जारी जमा राशियों के प्रमाण-पत्र।

2. उपरिलिखित पैरा 1 के (i) और (iii) के अंतर्गत पूर्ववर्ती निवेशों की परिपक्वता पर प्राप्त होने वाली धनराशियों में से आवश्यक व्यय को घटा कर शेष राशि का इस अधिसूचना में निदिष्ट नई निवेश पद्धति के अनुसार निवेश किया जाएगा।

3. केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी की गई प्रतिभूतियों पर मिलने वाले ब्याज तथा विशेष जमा राशियों पर मिलने वाले ब्याज से संबंधित धनराशि का विशेष जमा राशि स्कीम के अंतर्गत निवेश किया जा सकता है। इसी प्रकार, उपरिलिखित पैरा 1 की श्रेणी (i) और (iii) के अंतर्गत प्राप्त ब्याज की धनराशि का उसी श्रेणी में फिर से निवेश किया जा सकता है।

4. उपरिलिखित पैरा 1 में परिभाषित निवेश पद्धति को वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक पूरा कर लिया जाएगा तथा यह 1 अप्रैल, 1994 से प्रभावी होगी।

[संख्या जी-20015/2/93-एस एस-II]

जे. पी. शुक्ला, अवर सचिव

New Delhi, the 14th July, 1994

S.O. 1872.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (3) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) and in supersession of the notification of the Government of India, Ministry of Labour No. S.O. 800 dated 30th March, 1993 the Central Government hereby directs that every employer in relation to an establishment exempted under clause (a) or clause (b) of sub-section (i) of Section 17 of the said Act or in relation to any employee or class of employees exempted under paragraph 27, or as the case may be,

पन्द्रह
प्रतिशत

paragraph 27 A of the Employees' Provident Funds Scheme, 1952, shall transfer the monthly provident fund contributions in respect of the establishment or, as the case may be of the employee or class of employees within fifteen days of the close of the month to the Board of Trustees, duly constituted in respect of that establishment, and that the said Boards of Trustees shall invest every month within a period of two weeks from the date of receipt of the said contributions from the employee, the provident fund accumulations in respect of the establishment or as the case may be, of the employees, or class of employees that is to say, the contributions, interest and other receipts as reduced by any obligatory outgoings, in accordance with the following pattern, namely :—

Investment Pattern	Percentage of Amount to be Invested
(i) (a) Government Securities as defined in Section 2 of the Public Debt Act, 1944 (18 of 1944) created and issued by any State Government; and/or	Fifteen percent
(b) Any other negotiable securities the principal whereof and interest whereon is fully and unconditionally guaranteed by the Central Government or any state Government except those covered under (iii)(a) below.	
(ii) Special Deposit scheme introduced by the Notification of Government of India in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs No. F 16(1)-PD/75 dated 30th June, 1975, as extended by Notification No. F. 16(8)-PD/85 dated 12th June, 1985.	Fifty five percent
(iii) (a) Bonds/Securities of public financial institutions' as specified under Section 4(a) of the Company's Act; "public sector companies" as defined in Section 2(36A) of the Income Tax Act, 1961; and/or	Thirty percent
(b) Certificates of deposits issued by a public sector bank.	

2. Where any moneys are received on the maturity of earlier investment under (i) and (iii) of para 1 above such moneys, reduced by obligatory outgoings, shall be invested in accordance with the new investment pattern prescribed in this Notification.

3. Where moneys are received by way of interest on securities issued by Central Government and interest on special Deposits, such moneys can be invested under the Special Deposit Scheme. Similarly, interest received under categories (i) and (iii) of para 1 above may be reinvested in the same category.

4. The investment pattern as envisaged in the above paragraphs may be achieved by the end of a financial year and is effective from 1st April 1994.

[No. G-20015/2/93-SS.II.]
J.P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 13 जुलाई, 1994

का.आ. 1873.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार म/स कल्यानारामा माईनिंग कं. के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच मतभेद में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 13-07-94 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-29012/81/92-आई आर (सी-II)]

राजा लाल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 13th July, 1994

S.O. 1873.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Kalyanarama Mining Company and their workmen, which was received by the Central Government on 13-7-1994.

[No. L-29012/81/92-IR (C-II)]

RAJA LAL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri Y. Venkatachalam, M.A., B.L., Industrial Tribunal-I.

Dated, the 1st day of July, 1994

Industrial Dispute No. 47 of 1993

BETWEEN

The General Secretary, Mica
Mazdoor Sangh, Gudur,
Nellore District

.. Petitioner

AND

The Agent, Sri Kalyanarama
Mica Mine, Kalichedur,
Nellore

.. Respondent.

APPEARANCES :

None—for the Petitioner.

S/Sri D. Gopal Rao and Nayini Rajeswara Rao, Advocates—for Respondent.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by its Order No. L-29012/81/92, dated 22-12-1993 referred the following dispute under Section 10(1)(d) (2-A) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Management of M/s. Kalyanarama Mining Company and their workmen to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the Management of Kalyanarama Mica Mining Company in retrenching Sri S. Ramaniah, Foreman is justified? If not, to what relief, the workman is entitled?"

This reference was registered as Industrial Dispute No. 47 of 1993 and notices were issued to both the parties.

2. The Petitioner Union did not file their claim statement till 10-6-1994 though notice was issued on 30-12-1993, and several adjournments were given. As per the docket sheet dated 10-6-1994 noted that the workman did not file claims statement. The workman is called absent. There is no representation on his side. Hence no claim statement for the workman. Respondent reported no counter. The workman did not engage an Advocate. He is not present. There is no representation on his side. Heard the arguments of the Advocate for the Respondent.

3. From the above circumstances, I find that there is no reason for adjourning the matter still further as the Petitioner Union is not coming forward to pursue the dispute and that I find that the Petitioner Union is not interested to prosecute the case. Hence the reference is terminated.

Typed to my dictation, given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 1st July, 1994.

Y. VENKATACHALAM, Industrial Tribunal-I

Appendix of Evidence
NIL

नई दिल्ली, 13 जुलाई, 1994

का.आ. 1874.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैसर्स वय्या बैंक लि. के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 13-7-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/93/89-आईआर (बिविध)]

वी. के. शर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi., the 13th July, 1994

S.O. 1874.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Vysya Bank Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 13-7-1994.

[L-12012/93/89-IR (B-I)]

V. K. SHARMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT
HYDERABAD

PRESIDENT :

Sri Y. Venkatachalam, M.A., B.L., Industrial Tribunal-I.
Dated, 16th day of June, 1994
Industrial Dispute No. 26 of 1990

BETWEEN

M. Anjaiah, rep. by Vice President,
All India Vysya Bank Employees
Union, Hyderabad .. Petitioner

AND

M s. Vysya Bank Limited,
Bangalore .. Respondent.

APPEARANCES :

S/Sri S. Satyam Reddy and G. V. Reddy, Advocates—
for the Petitioner,
S/Sri B. K. Seshu and M. Narahari, Advocates—for the
Respondent.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by its Order. No. L-12012/93/89-IR (B-I) dated 9/18-4-1990 referred the following dispute under Section 10(1)(d) (2-A) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Management of the Vysya Bank Limited, Bangalore and their workmen to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of the Vysya Bank Ltd., Bangalore in dismissing Sri M. Anjaiah Sub-Staff, Warangal Branch from service w.e.f. 8-8-1988 is justified ? If not, to what relief the workmen concerned is entitled ?"

This reference is registered as Industrial Dispute No. 26 of 1990 and notices were served on both the parties.

2. The brief facts of the claim statement filed by the Petitioner workman read as follows :—

It is submitted that the workman Sri M. Anjaiah was appointed as a Regular Sub-Staff in Vysya Bank by the Management on 14-12-1983 at Warangal Branch. The workman was suspended vide order dated 24-1-1986 by the Management on alleged misconduct and the articles of charge was served vide Memo dated 22-7-1986 on the alleged charges of misconduct. A departmental enquiry was conducted which found the workman guilty of the charges without taking into account the various lacunae in the statements of the management witnesses. The management has dismissed the workman from service vide Order dated 24-2-1988. The appellate Authority rejected the appeal of the workman and confirmed the dismissal order dated 8-8-1988. The Branch Manager had found an excellent opportunity to crush the workman when the statutory audit was conducted on 10-1-1986 and a sum of Rs. 200.00 was found short. The Branch Manager utilised the situation to obtain written statement from MW-1 and MW-2 i.e. the Cashier and the Officer stating that a sum of Rs. 800.00 was found short on 9-1-1986 and that the workman had stolen this money and that the money had been replaced by the workman on 9-1-1986. The statements were obtained on 10-1-1986 by the Manager. Armed with these letters, the Manager confronted the workman and threatened him with dire consequence if he did not own up the non-existent theft and forced him to give a confessional letter stating that he had stolen 8 hundred rupees notes on 9-1-1986 and has replaced them immediately on his own. The workman submits that in any case the punishment of dismissal from service of the workman is disproportionate to the alleged offence and the same is illegal. Therefore the Workman Union prays that this Hon'ble Tribunal may be pleased to quash the illegal dismissal of the workman from service of the Management vide Order dated 24-2-1988 and consequently direct the Management to reinstate the workman with back wages and other benefits and costs and pass orders as this Hon'ble Tribunal may deem fit.

3. The brief facts of the counter filed by the Respondent-Branch read as follows :

The claim that "Creation of circumstances by Branch Manager by bringing the cashier and the officer who gave complaint of non-existent fact and creation of circumstances under which the confessional statement was obtained from the workman" is denied. The domestic enquiry was conducted in a fair just and legal manner and the workman was found guilty by the Enquiry Officer on the basis of evidence adduced by the Management. He fully participated in the domestic enquiry and cross examined the management witnesses but failed to produce any evidence in his support. The workman gave a letter dated 10-1-1986 admitting the charges. There are no inconsistencies in the statements of management witnesses. The enquiry officer has given full opportunity to the workman and conducted the enquiry in a fair and just manner. All material before him has been fully

considered before he arrived at the conclusion that the workman is guilty of the misconduct. The workman admits that he handed over this money i.e. Rs. 800.00 to the Cashier. The allegations contained in the said para are all an after thought and brought up solely with a view to extricate himself out of the situation. The letter of confession of the workman is a voluntary one and given without any threat or force. The Enquiry Officer has evaluated the evidence in the right perspective and come to the right conclusion. The punishment of dismissal for the misconduct of that is the most appropriate punishment. It is prayed that the claim of the workman be dismissed.

4. The point for adjudication is whether the action of the Respondent in dismissing Sri M. Anjaiah, Sub-staff Warangal Branch from service w.e.f. 8-8-1988 is justified ?

5. No oral or documentary evidence has been adduced by the Petitioner-workman. No oral evidence has been adduced by the Respondent Bank but marked Exs. M-1 to M-87.

6. In this case the workman M. Anjaiah was appointed as Sub-Staff in Vysya Bank on 14-12-1983 at Warangal Branch. The workman was suspended by the Management on alleged mis-conduct and a departmental enquiry was conducted where the workman was found guilty of the charges. The Management dismissed the workman from service by order dated 24-2-1988. Even the appeal preferred by the workman was also rejected by the Appellate Authority and confirmed the dismissal dated 8-8-1988. The contention of the workman that the Management has been vindictive to the workman because of his refusal to abide by the Branch Manager's direction not to enter over time in the attendance register and hatched a conspiracy to teach a lesson to the workman who was working strictly as per the Bypartite Settlement. Taking advantage of situation the Branch Manager had to an excellent opportunity to crush the workman when the statutory audit was conducted on 10-1-1986 and a sum of Rs. 200.00 was found short. A written statement was obtained from MW-1 and MW-2 i.e. the Cashier and the Officer by the Branch Manager stating that a sum of Rs. 800.00 was found short on 9-1-1986 and that the workman had stolen this money and that the money had been replaced by the workman on 9-1-1986. The vital document i.e. the rough extract through which MW-1 has come to know the shortage of the money has not been produced as a documentary evidence whereas only the statements of MW-1 and MW-2 have been produced to prove the trumped up charge. The argument to the above fact is denied by the Respondent and nothing is said about the rough extract which the workman a vital document. A perusal of the material available on record would indicate that the Management has not taken any action against MW-1 and MW-2 for the shortage of Rs. 200.00 on 10-1-1986 for which they are responsible but has proceeded with the suspension, enquiry and dismissal of the workman. This goes to show that the Respondent was bent upon fixing the workman on some charge or the other and get rid of him because of his refusal to submit to the unfair labour practice by the Respondent. If the theft had been genuine the Respondent ought to have also proceeded against MW-1 and MW-2 who are responsible for the shortage of Rs. 200.00 which the Respondent did not take action. If there has been any theft as alleged it was the duty of the Cashier MW-1 to report the same to the officer incharge. Instead, he did not inform anybody and has asked the petitioner and the petitioner though refused initially has again voluntarily handed over the money. This action of the Cashier is wholly unrealistic and is cooked up. It is seen that the contradiction in the statement of the Manager that he obtained confessional letter at the commencement of the business hours of the Branch at once place and at another place stated that the confessional letter was obtained at the closing hours. If the workman has been guilty and had stolen Rs. 800.00 he would not have definitely replaced the same having denied it in the first instance. The fact is that the petitioner did not steal any money. I find that the whole story is fabricated by the Respondent. So having considered the entire material available on record, I am of the clear opinion that the Petitioner is not guilty of the charge and that the Respondent has no case.

7. In the result, the action of the Management of the Vysya Bank Limited, Bangalore in dismissing Sri M. Anjaiah, Sub-Staff, Warangal Branch from service w.e.f. 8-8-1988 is not justified. The concerned workman is entitled to be reinstated into service with full back wages and all other attendant benefits.

Award passed accordingly.

* Typed to my dictation, given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 16th day of June, 1994.

Y. VENKATACHALAM, Industrial Tribunal-I

Appendix of Evidence

Witnesses Examined for the Workmen :

NIL

Witnesses Examined for the Management :

NIL

Documents marked for the Workmen

NIL

Documents marked for the Management with consent

Ex. M-1/22-7-1986—Charge sheet No. Admn. IR C-423 : 86 issued to M. Anjaiah Sub-Staff by the Asst. General Manager, Vysya Bank Limited Bangalore.

Ex. M-2/29-7-86—Acknowledgement card from M. Anjaiah to the Management of Vysya Bank Limited, Bangalore.

Ex. M-3/4-8-86—Letter of M. Anjaiah to the Asst. General Manager Industrial Relations, Vysya Bank Limited, Warangal requesting for 30 days time to Submit his explanation to the charge sheet (Ex. M-1) dated 22-7-86.

Ex. M-4/11-8-86—Memo bearing No. Admn. IR : SGG : C-460 : 86 issued to M. Anjaiah by the Asst. General Manager granting time to submit his explanation.

Ex. M-5—Acknowledgement card bearing the Signature of M. Anjaiah.

Ex. M-6/26-8-86—Explanation of M. Anjaiah.

Ex. M-7/5-9-86—Order bearing No. Admn. I.R. : C-523 : 86 appointing K. V. Govindaraju as enquiry officer and Satish, G. Gosavi as Management representative for leading evidence on behalf of the Management.

Ex. M-8/18-9-86—Acknowledgement card from M. Anjaiah.

Ex. M-9/22-9-86—Letter of the Management representative filing list of documents and the list of witnesses.

Ex. M-10/7-10-86—Letter of the Management representative requesting for time to file the documents.

Ex. M-11/22-10-86—Letter of the Management representative filing the documents.

Ex. M-12/27-10-86—Enquiry Notice bearing No. D.E. 34 : K.V.G. 60/86 issued to M. Anjaiah by the Enquiry Officer.

Ex. M-13/3-11-86—Acknowledgement card from M. Anjaiah.

Ex. M-14/12-10-86—Telugu letter of M. Anjaiah to the enquiry officer.

Ex. M-15/8-12-86—Letter of the Management representative requesting for 4 days.

Ex. M-16/12-12-86—Letter dated 12-12-86 of the Management Representative filing the Telugu translators of certain letters.

Ex. M-17/11-1-86—Telugu Translation of letter dated 11-1-86 of the Manager, Warangal Branch.

Ex. M-18/10-1-86—Telugu Translation of letter dated 10-1-86 of Sri T. Jagadeshwar, Cashier, Warangal Branch.

- Ex. M-19/10-1-86—Telugu Translation of letter dated 10-1-86 of Sri G. Nageshwara Rao, Officer, Warangal Branch.
- Ex. M-20/13-12-86—Enquiry Notice dated 13-12-86 issued by the Enquiry Officer to Sri M. Anjaiah.
- Ex. M-21/17-12-86—Acknowledgement card dated 17-12-86.
- Ex. M-22/23-12-86—Letter dated 23-12-86 submitted by M. Anjaiah to the Enquiry Officer.
- Ex. M-23/27-12-86—Enquiry Notice dated 27-12-86 issued by the Enquiry Officer to Sri M. Anjaiah.
- Ex. M-24/30-12-86—Acknowledgement card dated 30-12-86.
- Ex. M-25/7-1-87—Letter dated 7-1-87 addressed by Sri M. Anjaiah to the Enquiry Officer.
- Ex. M-26/10-1-87—Enquiry Notice dated 10-1-87 issued by the Enquiry Officer to Sri M. Anjaiah.
- Ex. M-27/15-1-87—Acknowledgement card dated 15-1-87.
- Ex. M-28/10-1-87—Telugu translator of Notice dated 10-1-87.
- Ex. M-29/23-1-87—Letter dated 23-1-87 addressed by M. Anjaiah to the Enquiry Officer.
- Ex. M-30/9-2-87—Letter dated 9-2-87 of the Management Representative enclosing a Xerox copy of the application for the post of peon.
- Ex. M-31/9-2-87—Copy of the Enquiry Notice dated 9-2-87 issued by the Enquiry Officer to M. Anjaiah.
- Ex. M-32/10-2-87—Copy of the letter dated 10-2-87 submitted by M. Anjaiah to the Asst. General Manager, Industrial Relations, Vysya Bank, Bangalore.
- Ex. M-33/20-2-87—Copy of the endorsement bearing No. Admn. IR : C-168 : 87, dated 20-2-87 sent to M. Anjaiah.
- Ex. M-34/24-2-87—Notice dated 24-2-87 issued by the Enquiry Officer to M. Anjaiah.
- Ex. M-35/3-3-87—Acknowledgement card dated 3-3-87.
- Ex. M-36/21-2-87—Copy of the letter dated 21-2-87 submitted by M. Anjaiah to the Enquiry Officer.
- Ex. M-37/16-3-87—Notice dated 16-3-87 issued by the Enquiry Officer to M. Anjaiah.
- Ex. M-38—Copy of the Telegram sent to Sri M. Anjaiah.
- Ex. M-39/18-3-87—Letter dated 18-3-87 submitted by M. Anjaiah to the Enquiry Officer.
- Ex. M-40/24-3-87—Letter dated 24-3-87 addressed by the General Secretary All India Vysya Bank Employees Union to Sri K. V. Govindaraju, Enquiry Officer with regard to Departmental Enquiry against M. Anjaiah.
- Ex. M-41/25-3-87—Copy of the Notice dated 25-3-87 issued by the Enquiry Officer to M. Anjaiah.
- Ex. M-42/1-4-87—Acknowledgement card dated 1-4-1987
- Ex. M-43/9-4-87—Letter dated 9-4-87 submitted by M. Anjaiah to the Enquiry Officer.
- Ex. M-44—Letter dated submitted by M. Anjaiah to the Asst. General Manager, Industrial Relations, Vysya Bank Limited, Bangalore.
- Ex. M-45—Telegram sent by G. Devi Prasad, reputation of the workman to the Enquiry Officer.
- Ex. M-46/8-4-87—Letter dated 8-4-87 addressed by G. Devi Prasad, representative of the workman to the Enquiry Officer.
- Ex. M-47/11-4-87—Notice dated 11-4-87 issued by the Enquiry Officer to M. Anjaiah.
- Ex. M-48/16-4-87—Acknowledgement card dated 16-4-87.
- Ex. M-49/29-4-87—Copy of the Endorsement bearing No. Admn. IR C-389; 87 dated 29-4-87 sent to Sri M. Anjaiah.
- Ex. M-50—Telegram sent by M. Anjaiah to the Enquiry Officer.
- Ex. M-51/29-4-87—Copy of the Notice dated 29-4-87 issued by the Enquiry Officer to M. Anjaiah.
- Ex. M-52/11-5-87—Acknowledgement card dated 11-5-87
- Ex. M-53/18-5-87—First oral statement of the charge sheeted employer.
- Ex. M-54/13-7-87—Copy of the notice dated 13-7-87 issued by the Enquiry Officer to M. Anjaiah.
- Ex. M-55/17-7-87—Acknowledgement card dated 17-7-87.
- Ex. M-56/31-7-87—Letter addressed by the President and Representative to Sri K. Govindarajulu, Enquiry Officer.
- Ex. M-57/18-8-87—Letter addressed by G. Devi Prasad, Defence Representative to the Enquiry Officer.
- Ex. M-58—Proceedings Sheet.
- Ex. M-59/18-8-87—Deposition of MW-1 of Sri T. Jagadishwara, Clerk Vysya Bank Limited, Warangal.
- Ex. M-60/18-8-87—Deposition of MW-2 of Sri G. Nageshwara Rao, Officer Vysya Bank, Warangal.
- Ex. M-61/18-8-87—Deposition of MW-3 of Sri B. Dinendra Kumar, Branch Manager, Vysya Bank, Hanamkonda.
- Ex. M-62/19-8-87—Second Oral statement of the charge sheeted employee.
- Ex. M-63/10-1-86—Complaint given by T. Jagadeshwar, Shroff to the Manager, Vysya Bank Limited, Warangal with regard to shortage of cash.
- Ex. M-64/10-1-86—Letter dated 10-1-86 submitted by the G. Nageshwara Rao, Officer to the Manager, Vysya Bank, Warangal.
- Ex. M-65/10-1-86—Explanation dated 10-1-86 submitted by M. Anjaiah to the Manager.
- Ex. M-66/11-1-86—Letter dated 11-1-86 addressed by the Branch Manager, Vysya Bank Limited, Warangal to the Asst. General Manager, General Administration with regard to M. Anjaiah, Sub-Staff.
- Ex. M-67/9-1-86—Xerox copy of daily cash abstract dated 9-1-86.
- Ex. M-68/9-1-86—Xerox copy of the Shroffs cash scrool dated 9-1-86
- Ex. M-69—Xerox copy of the Attendance Register.
- Ex. M-70/16-9-87—Letter dated 16-9-87 addressed by Devi Prasad to the Enquiry Officer.
- Ex. M-71/26-10-87—Letter dated 26-10-87 addressed by G. Devi Prasad, Defence Representative to Sri K. V. Govindarajulu, Enquiry Officer.
- Ex. M-72/28-10-87—Copy of the letter dated 28-10-87 addressed by the Enquiry Officer to Sri G. Devi Prasad.
- Ex. M-73/28-11-87—Letter addressed by G. Devi Prasad to the Asst. General Manager with regard to second Show Cause Notice dated 14-11-87.
- Ex. M-74—Defence Brief filed by the Defence Representative of the workman.
- Ex. M-75/12-11-87—Enquiry Report.
- Ex. M-76/14-11-87—Copy of the second show cause notice given by the Asst. General Manager to M. Anjaiah.
- Ex. M-77/20-11-87—Acknowledgement card dated 20-11-87.
- Ex. M-78/30-11-87—Letter dt 30-11-87 submitted by M. Anjaiah to the Asst. General Manager requesting for one month time.
- Ex. M-79/6-12-87—Copy of the Memo dated 6-12-87 issued by the Asst. General Manager to M. Anjaiah.
- Ex. M-80/14-12-87—Acknowledgement card dated 14-12-87.

AWARD

- Ex. M-81/18/14-1-88—Letter submitted by M. Anjaiah to the Asst. General Manager with regard to Proposed punishment.
- Ex. M-82/18-1-88—Personal hearing given to Sri Anjaiah on 18-1-88.
- Ex. M-83/24-2-88—Copy of the Order issued by the Asst. General Manager to M. Anjaiah, dismissing from the services of the bank.
- Ex. M-84/1-3-88—Acknowledgement card dated 1-3-88.
- Ex. M-85/1-4-88—Letter submitted by M. Anjaiah to the Chairman and Appellate Authority, The Vysya Bank Limited, Bangalore with regard to departmental enquiry against him.
- Ex. M-86/8-8-88—Copy of the Order issued by the Chairman to M. Anjaiah with regard to dismissing his appeal.
- Ex. M-87/19-8-88—Acknowledgement card dated 19-8-88.

Y. VENKATACHALAM, Industrial Tribunal-I

नई दिल्ली, 13 जुलाई, 1994

का.प्र. 1875.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार दक्षिण मध्य रेलवे के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 13-7-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-41012/82/92/आईआर (डीयू)/
आई आर बी-1)]

वी. के. शर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 13th July, 1994

S.O. 1875.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of South Central Railways and their workmen, which was received by the Central Government on the 13-7-94.

[No. L-41012/82/92-IR(DU)/IRB.I]

V. K. SHARMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL-I AT
HYDERABAD

Present :

Sri Y. Venkatachalam, M.A., B.L., Industrial Tribunal-I.

Dated : 13th day of June, 1994
INDUSTRIAL DISPUTE NO. 32 OF 1993

BETWEEN

Khathal Hussain, S/o Mukthum Ali,
Occu. : Ex-employee R/o 3-7-18,

Ravindranagar, Mahboobnagar.

Petitioner

AND

The Divisional Railway Manager (BG),
South Central Railways,
Secunderabad-500 047.

Respondent

Appearances :

Sri V. Narsimha Goud, Advocate for the Petitioner.
None for the Respondent.

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-41012/82/92-IR(DU), dt. 26-8-1993 referred the following dispute under Section 10(1)(d)(2)(A) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Management of South Central Railway, B. G. Division, Secunderabad and their workmen to this Tribunal for adjudication :

"Whether the management of South Central Railway, Secunderabad is justified in giving a punishment of removal from service to Sri Kathal Hussain, Ex-Fireman ? If not, what relief he is entitled to ?"

This reference was registered as Industrial Dispute No. 32 of 1993 and notices were served on both the parties.

2. The brief facts of the claim statement filed by the petitioner read as follows :—The petitioner workman joined the service of the Respondent Railways on 4-4-1965 as Yard Khalasi, Subsequently promoted as Fireman C in 1975 and Fireman 'B' in 1983 respectively. Thereafter he was transferred to Ramagundam and joined there. While working there he applied for Pilgrimage and the same was granted for 15 days from 15-5-1983 to 30-5-1983. The Respondent issued privilege pass from Ramagundam to Mahboobnagar and Mahboobnagar to Ajmer and back to Ramagundam and when he came to Mahboobnagar where his entire family resides, his father was found suffering with paralysis due to this and constrained to stay there as there was no elderly person to look after his ailing father. Father expired on 5-9-1983. The petitioner kept informing the same to the Respondent. When the petitioner was not recovered from the shock of expiry of his father and is illness, his mother expired on 27-1-1984. Therefore due to his illness from 30-5-1983 and sudden death of his parent, the petitioner became mentally upset. For the same he has taken treatment from the competent Medical Officer. The same was informed to the Respondent. The Petitioner has reported on 22-7-1985 along with the Medical and Fitness Certificate before the concerned officer but the petitioner was advised to obtain attestation from Railway Hospital Secunderabad in regard to fitness to the Petitioner for resumption of duty. Accordingly he approached the said Hospital and wherein it was certified that the Petitioner is fit for duty vide Certificate bearing 176822, dt. 30-7-1985. The Petitioner had reported on 31-7-1985 and whereas the Respondent had served the removal order dt. 2-4-1985. The petitioner submits no charge memo and no notice of enquiry was served on him nor the said proceedings were served on the Petitioner along with the order of removal. Petitioner has furnished the Mahaboobnagar as the permanent address and while going on leave, the petitioner also furnished the Mahaboobnagar as his address. Petitioner preferred an Appeal before the Appellate Authority who in turn was rejected the said appeal by his order dt. 21-2-1986 on the grounds of delay. Further revision was preferred and the Revising Authority also dismissed the revision petition by order dt. 21-2-1986. Therefore the order of removal is untenable in law. It is prayed that this Hon'ble Court may be pleased to set aside the order of removal dt. 2-4-1985 and direct with full back wages continuity of service and with all other attendant benefits in the interest of justice and fair play.

3 The counter is not filed by the Respondent.

4. The point for adjudication is whether the Respondent is justified in giving a punishment of removal from service Sri Kathal Hussain, Ex-Fireman ?

5. W.W1 is examined on behalf of the Petitioner workman and marked Exs. W1 to W10 on its side. No oral or documentary evidence has been adduced by the Respondent.

6. W.W1 is Khatal Hussain. In brief he deposed that he joined the Respondent Railway on 4-4-1965 as Khalasi. In the year 1983 he was transferred to Ramagundam. In the month of May 1982 he applied for leave for the purpose of pilgrimage. Accordingly the Respondent Railways granted him 15 days leave from 16-5-1983 to 30th May 1983. And he was given the privilege pass from Ramagundam to Mahboobnagar and Mahboobnagar to Ajmer and back to Ramagundam. Ex. W1 is the verox copy of the privilege pass. When he reached Mahboobnagar he came to know that his father was suffering from paralysis. He expired on 5-9-1983.

Due to his father's illness he was held up at Mahboobnagar for his father's treatment. Subsequently his mother also fell ill and died on 27-1-1984. Ex. W2 and W3 are the death certificates of his parents. He has informed the illness of his parents to the Respondent Railways. Due to his father and mother demises he was not mentally in good condition besides suffering illness. He has reported for duty on 22-7-1985 along with Medical Certificates. But they referred him to the Railway Hospital, Secunderabad for obtaining the fitness certificate, after conducting medical examination. Railway Hospital authorities issued him the fitness certificate and the said fitness certificate is marked as Ex. W8. He reported for duty on 31st July 1985 but they served him the removal order copy stating that his services are terminated. As mentioned in the removal order regard to issue charge sheet and conducting of enquiry he was not served with any charge sheet nor enquiry notice. He prays this Hon'ble Court to grant the relief of reinstatement with the service with all consequent benefits.

7. In this case the Petitioner workman applied for pilgrimage and the same was granted 15 days leave from 15-5-83 to 30-5-1983, the petitioner was also issued privilege pass from Ramagundam to Mahboobnagar and to Ajmeer and back, that when he reached Mahboobnagar, saw his father suffering with paralytic stroke, he could not proceed to Ajmeer since no elderly person was there to look after his ailing father, that finally his father expired on 5-9-1983, that the petitioner kept track of informing the Respondent, that when the petitioner was in state of shock of father's death and his illness, his mother also expired on 27-1-1984, that finally he became mentally upset, that he has taken treatment from the competent Medical Officer and the same was informed to the Respondent, that the petitioner reported to duty on 22-7-1985 along with the Medical and Fitness Certificate, got attestation of the certificates from Railway Hospital, Secunderabad and it was certified that the Petitioner is fit for duty under certificate No. 176822 dt. 30-7-1985 and he reported to 31-7-85, that the Respondent was served with removal order dt. 2-4-1985.

8. The argument of the Counsel for the Petitioner that the Petitioner was not issued with the Charge Memo in regard to Petitioner's absence from duty and the Respondent conducted ex parte enquiry, and that no reasonable opportunity was afforded to the Petitioner workman. The further argument of the Petitioner's counsel that the Petitioner has furnished the Mahboobnagar as the permanent address and while going on leave, the petitioner also furnished the same Mahboobnagar address. When once found that no charge sheet issued to the Petitioner and that no notice of enquiry was given to the Petitioner, the enquiry conducted by the Respondent is contrary to rules of the Respondent Railways. I find that the Petitioner was denied the reasonable opportunity. It is seen that the Respondent has filed written comments before the Conciliation Machinery wherein it is stated that the Respondent Management has sent charge sheet to the available address and the said charge sheet is returned unserved with endorsement that the party report without instruction. The Respondent has not stated to which address it was sent is some what vague. It is also seen that the so called Enquiry Officer at Ramagundam has not sent any enquiry notice to the Petitioner permanent address which were available in the file but conducted the ex parte enquiry. Hence I find that the procedure adopted by the Enquiry Officer is in utter violation of principles of natural justice. The Respondent-Railways has not filed its counter nor adduced any evidence to rebut the above facts. On a consideration of the entire material available on record, I am of the clear opinion that the action of the Respondent-Management amounts to arbitration and the order of removal is not maintainable in law and the Petitioner workman is liable to be reinstated into service with full back wages etc.

9. In the result, the Management of South Central Railway, Secunderabad is not justified in giving a punishment of removal from service to Sri Kathal Hussain Ex-Fireman-B. The Respondent-Railways is directed to re-instate Sri Kathal Hussain Fireman-B into service with full back wages, continuity of service and with all other attendant benefits.

Award passed accordingly.

Typed to my dictation, given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 13th day of June 1994.

Y. VENKATACHALAM, Industrial Tribunal-I

Appendix of Evidence

Witnesses Examined
on behalf of Workman :

W.W1 Khatal Hussain.

Witnesses Examined
on behalf of Management :

NIL

Documents marked on behalf of Workmen :

Ex. W1—Xerox copy of Privilege pass of the workman.

Ex. W2 18-10-84—Death Certificate of father of workman.

Ex. W3—Death Certificate of Mother of workman.

Ex. W4—Medical prescription given by Dr. Swamy.

Ex. W5 25-10-83—Medical prescription given by Dr. Swamy.

Ex. W6 29-8-84—Medical prescription given by Dr. Swamy.

Ex. W7—Fitness Certificate issued by the Railway Hospital.

Ex. W8 2-4-85—Charge sheet issued by the Respondent.

Ex. W9 4/7-10-85—Appeal of the workman.

Ex. W10 21-2-86—Revision filed by Respondent.

नई दिल्ली, 13 जुलाई, 1994

का.आ. 1876.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार फेडरल बैंक लि. के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, गुवाहाटी के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-7-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/15/90-आई आर बी-1]

वी. के. शर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 13th July, 1994

S.O. 1876.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Guwahati as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Federal Bank Ltd., and their workmen, which was received by the Central Government on the 12-7-94.

[No. L-12012/15/90-I.R.B.I.]

V. K. SHARMA, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, GUWAHATI, ASSAM

Reference No. 4(c) of 1990

PRESENT:

Shri J. C. Kalita,
Presiding Officer,
Industrial Tribunal, Guwahati.

In the matter of an Industrial Dispute.

BETWEEN :

The Management of Federal Bank Ltd.

AND

Their workman represented by General Secretary,
Federal Bank Employees' Union, Guwahati

APPEARANCES :

Shri V. K. Dewan, Advocate.—For the Management.

Shri A. R. Dasgupta, Advocate.—For the Workman.

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour, New Delhi by a Notification No. L-12012/15/90-I.R.B.I./I.R.B. III dt. 7-5-90 referred an Industrial Dispute to this Tribunal for adjudication with a copy to the Management and the workman. On receipt of the reference a case was registered and notices were sent to the parties to appear before this Tribunal. On receipt of the notices both parties appeared before this Tribunal and filed their written statement together with number of documents.

The workman was represented by their union. In the written statement and additional written statement the workman stated that she joined on duties on 15-6-81 initially at Shillong Branch but was subsequently transferred to Guwahati Branch. On 8-1-86 workman Miss Shyamali Das Gupta took her seat in Receipt Section and Mr. Subhas Das, as usual, took the seat of payment cashier. After prolonged illness Mr. Subhas Das rejoined his duties on 6-1-86 and because of his prolonged illness Miss Shyamali Das Gupta on her rejoining on duties on 8-1-86, after availing leave on 7-1-86, was personally requested by Sri Subhas Das to come to his seat to discharge the duties of payment cashier. Mr. Jojan Mathew, Officer-in-Charge of cash also directed her to interchange the seat with Mr. Das and there were requests too to her from her colleagues. Finally she sat in the seat of Mr. Das to discharge the duties of payment cashier. Prior to her taking the seat of Mr. Das, Mr. Das brought out the cash money from the vault together with the amount of Rs. 23,70,000.00 kept separately on the previous day for remittance to R.B.I., Guwahati Day's payment continued upto 2 P.M. Thereafter when reconciliation statement of the day's transaction was prepared she found shortage of Rs. 1,00,500.00 only. It was brought to the notice of all concerned, but could not be detected even after rigorous search and check. Police was informed but of no avail.

To prepare the closing balance of the Bank for that day she had to apply for a loan of Rs. 1,00,500.00 which was sanctioned instantly. Police case lodged by the Bank Authority finally ended with final report. Confidential Enquiry was held by the officer of the Bank on whose report Miss Das Gupta was placed under suspension. Domestic Enquiry was instituted in which she was found negligent on her duty prejudicial to the interest of the Bank. On the ground of misconduct because of negligence and dereliction of duty she was discharged from service with effect from 11-11-88. She preferred appeal against the order of discharge but got no relief. Her payer is to pass an award in her favour with a direction to the management to reinstate her with full back wages.

The management in their written statement contended that she on her own accord volunteered to sit in Payment Section in place of Mr. Subhas Das. After the day's transaction is over she had to prepare the reconcile statement to ascertain the closing balance. She then detected shortage of Rs. 100,500.00 and brought the matter into the notice of

the Management. The shortage could not be detected even after diligent search and check and the matter was finally reported to the Police. Police investigation could not make any headway and ultimately final report was submitted. The management held an Enquiry and submitted a confidential report to the highest authority. Then a domestic enquiry was instituted in which she participated but the Enquiry Officer found her negligent on duty amounting to misconduct. On the ground of misconduct she was finally discharged from service with effect from 11-11-88. She was rightly discharged from service by giving her reasonable opportunity. Bank sustained loss because of her negligence which could not be compensated. Hence prayed for rejection of the reference.

The workman examined herself and one witness whereas the Management examined as many as six witnesses who were discharged after cross examination. Both sides pressed number of documents in to service.

The learned counsel for both the parties played a long innings to argue their representative cases.

The reference relates to a simple issue whether the action of the Management of Federal Bank Ltd. in discharging Miss Shyamali Das Gupta from service w.e.f. 11-11-88 is justified if not to what relief the workman is entitled to ?

Though the Management contended in their written statement that she at her own accord sat in the seat of payment cashier on that eventful day but their evidence disclose that she was requested to take the seat of Mr. Subhas Das who rejoined on his duties only on 6-1-86 after prolonged illness by Subhas Das himself as well as by the other colleagues. In view of the tested evidence Management's contention that she at her own accord sat in the payment section could not be accepted.

It is a fact that Mr. J. Mathew was the cash officer of the Bank and he was on duty on that date. He is examined as witness No. 5. He deposed that on 8-1-86 he and Mr. Subhas Das were jointly incharge of the cash vault. One master key of the cash vault is with him and the other is with Mr. A. Wary. He further deposed that the key of cash cabin remains with himself and Subhas Das. According to him on 8-1-86 he and Subhas Das jointly opened the cash vault and brought out the cash and the cash-cum operation register. In this register the money taken out from the cash vault and the money left in the cash vault are to be entered. This proves the contention of the workman that before her taking the seat of Mr. Subhas Das the money were brought out by Subhas Das and J. Mathew from the vault including the amount of Rs. 23,70,000.00 kept separately for remittance to R.B.I., Guwahati. In view of such proved facts and circumstances it can be safely held that she took charge of the amount left by Subhas Das.

It is an admitted fact that the opening balance on 8-1-86 was Rs. 33,91,861.12 out of which Rs. 23,70,000.00 were remitted to R.B.I. So the total cash remains with the Bank after R.B.I. remittance is Rs. 10,21,861.12 paise. Exhibit 31 is the cash cum operation register which is required to be filled up as soon as the cash is taken out from the cash vault. This is affirmed by J. Mathew in his evidence on oath and is clearly written in the Memorandum of Instruction of the Bank.

Clause 2.10 begins with cash stock cum operations registers. The stock of cash on hand in a Branch must be entered in the cash stock cum operations register at the close of business every day. This is clearly suggested to work out the actual amount of losing balances at the end of day's business. Clause 2.11 says that at the opening of business the cashier shall fill in the column for opening balance because closing balance of previous day is the opening balance of next day. Clause 2.12 says that an amount estimated to cover the days requirement shall be issued to the cashier. Any excess amount in the safe as a reserve to be drawn upon when needed. Clause 2.13 says that the amount issued in the morning from the stock of cash shall be entered in the issue column of the register denomination wise, and the balance struck in the balance column. From Exhibit 33 it can be well said that Subhas Das left his seat without filling up the cash cum operation register and by putting his signature thereon.

It is an admitted fact that Sri Subhas Das was the cashier on 7-1-86 who kept the closing balance amounting to Rs. 33,91,861.12 paise inside the safe vault in presence and supervision of J. Mathew, the officer in charge of cash. Mr. J. Mathew deposed that on 8-1-86 he along with Subhas Das opened the safe vault and took out Rs. 30,37,461.12 paise which includes Rs. 23,70,000.00 to be remitted to R.B.I. on 8-1-86. It is also a fact that this amount of Rs. 23,70,000.00 was kept separately inside a box. According to workman this remittance was sent to R.B.I. before she took the seat of Mr. Subhas Das. Now it is clear that the amount remitted to R.B.I. could not be counted by Miss Dasgupta as the remittance was prior to her taking of the seat.

Exhibit 33 is the payment voucher of R.B.I. Naturally and to the strict compliance of the rules of the Bank this voucher ought to have been signed by Subhas Das, but in fact it bears the signature of Miss Dasgupta. Mr. Mathew deposed that he prepared this voucher and Exhibit 33(2) is his signature. When the remittance was sent prior to her taking seat what prevented Mr. Mathew to get the signature of Subhas Das on Exhibit 33 which was prepared by him (Mathew), remains to be very doubtful. Her evidence is that after taking the seat of payment cashier the cash officer handed over her BOB (Ext. 33) from which she came to know about the R.B.I. remittance. Then, she signed the voucher (Ext. 33) and entered it into the payment scroll. Mr. Mathew further deposed that Miss Dasgupta expressed her desire to sit in payment section. But this was strongly denied by Miss Dasgupta. In her written statement as well as in her evidence on oath it has been stated that she was requested by Subhas Das who joined on duties after prolonged illness on 6-1-86 to work as payment cashier. By accepting the request of Subhas Das she took permission from Mr. Mathew. Sri Dinesh Chakraborty was the receipt cashier on that day. He fully corroborated Miss Dasgupta. So from the evidences on record it can be well said that Mr. Mathew has not deposed with clean mind.

According to the workman she entered the Exhibit 33 only after the closure of day's transaction and at the time of preparing the reconciliation statement she came to know about the shortage. Though Subhas Das brought out Rs. 30,37,461.12 paise from the vault he left no evidence as to what actual amount after the R.B.I. remittance he left out in the cash cabin at the time of his departure to accommodate Miss Dasgupta in his chair. Arithmetically after the R.B.I. remittance the amount in cash cabin shall be Rs. 6,67,461.12 paise. Mr. Dewan laid emphasis on her evidence that she counted the amount received from Subhas Das, means that she received Rs. 6,67,461.12 in the cash cabin at the departure of Subhas Das. As such she is answerable to it. Mr. Dasgupta submitted that it is not humanly possible to count such a big amount when the customers are in the Bank counter to have their money. He relied on the evidence of the workman that she started making payment to customers immediately after taking the seat. This shows that she got no time to count the amount physically. In my opinion most reliable and believable evidence was the evidence of Subhas Das but he was not examined by the Management nor any satisfactory explanation is given. In the absence of such a vital evidence it can not be said that he (Subhas Das) left Rs. 6,67,461.12 in the cabin in view of the persistent pleading and evidence of the workman before the domestic enquiry as well as before this Tribunal that she found only Rs. 5,66,961.12 in the cash cabin.

Payment cashier is to maintain payment scroll showing the amount she received and disbursed on 8-1-86. Exhibit 32 is the said scroll. This shows that there was no difference of any amount. Both receipts and payment sides show the same figure of Rs. 41,07,998.34. She clearly explained that she herself brought out Rs. 1,70,000.00 from the vault, received Rs. 2,401.00 from paying counter and also Rs. 2,98,000.00 including the amount left by Subhas Das and the total comes to Rs. 10,37,362.12 out of that amount she paid Rs. 10,07,290.30 paise leaving Rs. 30,072.00 paise as cash in her hands. When the sum total of Rs. 1,70,000.00, Rs. 2,401.00 and Rs. 2,98,000.00 is shown minus from the total of Rs. 10,37,362.12, the balance comes to Rs. 5,66,961.12 paise which she claims to have received from Subhas Das. Before the domestic enquiry as well as

before this Tribunal she stated that she used to note down the figure on a piece of paper. Mr. Dewan submitted that this piece of paper is not produced before this Tribunal for perusal. Definitely this piece of paper could have thrown some light; but the payment scroll maintained by her as per procedure of the Bank is a more authenticated and reliable document than the piece of paper maintained by her for her information. So far non-production of the said piece of paper no adverse presumption can be drawn against her because of best piece of evidence in Exhibit 32.

It has been submitted by Mr. Dasgupta that the rules and procedure of the Bank were not strictly followed. No separate register for cash in transit is maintained, no divider in between two cashiers, no use of token system prior to the occurrence, cannot be a ground to believe that the shortage were due to these irregularities. The Management is of high opinion upon her conduct and character. She was honest and sincere. Management says that the money was not misappropriated by her. Now the question comes was she negligent or there was dereliction of duty.

Though she was not to write the cash cum operation register when the amount of Rs. 30,37,461.12 paise was not taken out by her from the vault, but she noted it after the closure of day's transaction, though she was not to work as payment cashier, she worked in place of Subhas Das on latter's request, though the remittance to R.B.I. was not sent by her, she has to sign the voucher because of the request of Mr. Mathew. All these prove her honesty and seniority to the service and cannot be said to be the dereliction of duty. She maintained the payment scroll to show the receipts and payment sides tallied. Had the payment scroll been not rallied the question of negligence on duty could have well perceived.

Had Mr. Mathew who was directly connected with cash, been sincere and vigilant on his duties the occurrence would not have occurred. For the joint responsibility of Mr. Mathew and Subhas Das, and then Shyamali Dasgupta, in handling the cash from the vault, Miss Shyamali Dasgupta alone cannot squarely be punished for negligence for the shortage of Rs. 100,500.00.

Domestic enquiry does not reflect the sincerity of the Enquiry Officer. He ought to have recorded the statement of Subhas Das to shift the burden to Miss Shyamali Dasgupta to prove what the exact amount she did receive from Subhas Das. The enquiry officer had a duty to record the statement of Sri Hitesh Samra who was a cash peon once he was cited as a witness and was insisted by the workman. She was deprived of getting a reasonable opportunity to defend herself.

The enquiry report reveals that the entry in the cash cum operation register will be authenticated by the cashier who runs the cash. This is also laid down in Memorandum of Instruction. After the amount of Rs. 30,37,461.12 was taken out from the vault the amount was received by Subhas Das and not by Miss Shyamali Dasgupta. As such the authentication ought to have been by Subhas Das but he did not fill up the cash cum operation register. Filling up of this form by Miss Shyamali Dasgupta after closure of day's transaction, cannot be said to be authenticated by Shyamali Dasgupta as soon as the said amount of Rs. 30,37,461.12 was brought to cash cabin. Mr. Mathew being the officer-in-charge of cash and joint custodian ought to have directed Subhas Das to make the necessary entry in the cash-cum-operation register, but he failed to assert his authority. So there was dereliction of duty on the part of Mr. Mathew and Subhas Das too. They should equally share the negligence with Miss Shyamali Dasgupta.

In the light of the above discussions I am of the considered opinion that the action of the Management holding Miss Shyamali Dasgupta alone responsible for the shortage of Rs. 100,500.00 from the cash cabin on 8-1-86 has been found unreasonable and unjustified in the eye of law. Her discharge from service on the plea of negligence on duty caused miscarriage of justice. As a result the order of discharge of Miss Shyamali Dasgupta from service with effect from 11-11-88 has been found illegal and the same is set aside. Accordingly, the management of Fe

Ltd., Guwahati is hereby directed to reinstate Miss Shyamali Dasgupta in service with effect from 11-11-88 with full back wages.

I give this AWARD on this 21st day of June, 1994 at Guwahati under my hand and seal.

J. C. KALITA, Presiding Officer,

नई दिल्ली, 13 जुलाई, 1994

का. प्रा. 1877.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधन के सबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 13-7-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/274/89-आई आर बी-1]

बी. के. शर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 13th July, 1994

S.O. 1877.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between employers in relation to the management of State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 13-7-94.

[No. L-12012/274/89-I.R. B-I]

V. K. SHARMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT HYDERABAD

PRESENT:

Sri Y. Venkatachalam, M.A., B.L., Industrial Tribunal-I.

Dated, 7th day of June, 1994

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 27 OF 1991

BETWEEN

The Workman of State Bank of India,
represented by the State Bank
Employees Union, Peddibhotlavari
Street, Vijayawada-520002. .. PETITIONER

AND

The Management of State Bank of
India, represented by the
Regional Manager, Region IV II
Zonal Office, Visakhapatnam-530020.
.. RESPONDENT

APPEARANCES:

M/s. C. Suryanarayana and P. Bhaskar, Advocates for the Petitioner.

M/s. K. Srinivasa Murthy, G. Sudha, Advocates for the Respondent.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by its Order No. L-12012/274/89-I.R.B.II, dt. 9-7-1991 referred the following dispute under Section 10(1)(d)(2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the employers in relation

to the management of State Bank of India and their workman to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of the State Bank of India, Regional Office, Visakhapatnam imposing the punishment of stoppage of 2 increments by way of cancellation with cumulative effect on Sri Barnala Sankara Rao, Messenger, in the Srikakulam Branch, vide their Order No. (3-O)JDP(VSP/R.II) 139, dt. 14-11-85 was justified? If not, to what relief the said workman is entitled to?"

This reference was registered as Industrial Dispute No. 27 of 1991 and notices were served on both the parties.

2. The brief facts of the claim statement filed by the Petitioner Union read as follows: The workman Sri Barnala Sankara Rao, was appointed in the State Bank of India, Amadalavalasa Branch, as a Messenger on 1st May 1967, he was confirmed in service from 1-11-1967, he was transferred to Parvathipuram Branch on 31-7-1971 and he joined there on 9-8-1971. By an order dt. 21-5-1972 the workman was placed under suspension on the allegation that on 7-9-1971 he "surreptitiously removed one section contesting one hundred currency notes of rupees ten denomination valued at Rs. 1,000.00." By a letter Staff[Con No. 904 dt. 9-11-73 the workman was charge sheeted. The workman submitted his reply to the above charge sheet on 19-12-1973. In his reply the workman submitted that it was a false charge, that he had been made a scapegoat to organise a Union patronised and pampered by the bank, that the allegation was an offence and as such was outside the scope of the procedure for taking disciplinary action, that no steps had been taken against him in terms of paragraph 521(2)(a) of the Sastry Award as prescribed therein and that the proceedings against him were in violation of page 521(1), 2(a), (3), 9, 10(a) and 10(b) of the Sastry Award and were illegal and impermissible. The workman also requested that the suspension be lifted forthwith. The Disciplinary Authority ordered an enquiry and appointed the Enquiry Officer. The workman filed an Appeal Suit A. S. No. 51/79 before the Hon'ble Subordinate Judge, Parvatipuram which was dismissed on 6-4-1985. After the disposal of the Appeal Suit 51/79, the domestic enquiry was commenced and was held on 15th and 26th June, 1985 and 3rd July, 1985. The Disciplinary Authority however did not furnish to the workman copies of the Enquiry Record, the findings of the Enquiry Officer and the Proceedings of the Disciplinary Authority, along with the Second Show Cause Notice. Thus the workman had only the version of the Disciplinary Authority as to the findings of the Enquiry Officer of the charges not being proved beyond reasonable doubt and his analysis of the evidence. The workman was thus denied the reasonable opportunity of rebutting the contentions of the Disciplinary Authority. By letter (3-O) No. DFC[VSP/R-II]139, dt. 14-11-85 the Disciplinary Authority negated the above submission of the workman. The workman submitted his Appeal to the Appellate Authority. The Appellate Authority dismissed the Appeal on 18-8-1986. In the absence of the Enquiry Record, the Enquiry Officer's findings and the Proceedings of the Disciplinary Authority, the charge sheeted workman had no material before him to make his submissions, other than the versions of the Disciplinary Authority. This denied the workman the opportunity of taking them into consideration and effectively put his case against the punishment proposed. This hearing offered became an empty formality thus. It is submitted that the lifting of the suspension from 3-10-1978 was on the basis of the Government of India's directive. In fact in all other cases where suspensions were lifted, the Bank paid the concerned workman the backwages and extended the other benefits due. The workman Sri Barnala Sankara Rao was thus discriminated. The petitioner Union prayed that this Hon'ble Tribunal be pleased to hold that the punishment of "stoppage of two increments by way of cancellation with cumulative effect" is unsustainable and unjustified and that the workman is entitled to have his increments restored and that he is entitled to the back wages and benefits due on lifting of the suspension. This Tribunal be pleased to pass an Award as prayed for above and grant relief.

3. The brief facts of the counter filed by the Respondent-Management read as follows:—The allegation that the workman did not furnish to the workman copies of the enquiry

report and the findings of the enquiry officer and the proceedings of the disciplinary authority along with the second show cause notice are untenable. Further copies of the entire proceedings were made available with the Branch Manager, State Bank of India, Sriakulam Branch and the workman could have easily perused the same if he really intended to do so. The alleged grievance is not at all tenable. The allegation that the workman was denied of the reasonable opportunity of rebutting the contention of the disciplinary authority is incorrect and untenable. The workman was allowed to be represented by a defence counsel i.e. a co-employee during entire proceedings and in so far as the hearing before the disciplinary authority is concerned after the second show cause notice was served. Even assuming but not admitting that there were discrepancies it is submitted that the witnesses were giving evidence 13 years after the incident. The further contention that the finding of guilty is not supported by evidence is also untenable and untrue. The contention that the Disciplinary Authority and Appellate Authority failed to consider the submissions of the workman with open mind and their decision was predetermined is totally false and baseless. With regarding to payment of back wages during the period of suspension in view of the orders passed by the disciplinary authority and appellate authority the workman is not entitled to the same and the stand taken by the bank is well within its scope and its powers. In fact, the two judicial courts of Parvathipuram upheld the initiation of Departmental enquiry by the bank against the workman. As such, the workman cannot question the wisdom of two judicial courts in allowing the departmental enquiry once again before the Labour Court. The claim made by the petitioner that the second show cause notice dt. 30-9-85 was not accompanied by the enquiry records, is not valid and tenable. The workman is clearly aware of the practice in the bank. The show cause, the charge sheet etc. were served on the workman through the Branch Manager. The disciplinary proceedings are taken up place at Parvathipuram Branch and the workman was reinstated at Sriakulam Branch. In fact the Disciplinary authority proposed punishment of "Dismissal" of the workman from the service of the Bank. Only after personal hearing the Bank has modified the punishment to "Stoppage of two increments by way of cancellation with cumulative effect". As the workman was found guilty of misconduct the disciplinary authority denied the back wages. The Respondent therefore prays the Hon'ble Authority to dismiss the petition with costs.

4. The point for adjudication is whether the action of the Respondent in imposing the punishment of stoppage of two increments by way of cancellation with cumulative effect on Sri Barnala Sankara Rao, was justified?

5. On 18-5-1994 this Tribunal passed the Order on preliminary point whether the domestic enquiry conducted by the Respondent Management is fair and proper. This Tribunal held that the domestic enquiry conducted by the Respondent Management as valid and not vitiated at all.

6. In this case the main content of the charge and allegations against the workman Sri Barnala Sankara Rao was that he ".....surreptitiously removed one section containing hundred currency notes of Rs. 10.00 denomination.....", that the Disciplinary Authority declared that it amounts to breach of trust and misappropriation of Bank's money which is gross misconduct under para 521(4)(j) of the Sastry Award. It is mandatory that along with the second show cause notice the enquiry records, the findings of the Enquiry Officer and the proceedings of the disciplinary authority thereon should be furnished with the second show cause notice they were not furnished to the workman. Thus I see that the workman was disabled from or rather denied the opportunity of knowing the actual findings of the Enquiry Officer on the reasoning behind the non-acceptance of the Enquiry Officer's findings by the disciplinary authority. Therefore he was denied responsible opportunity in violation of the principles of natural justice and it is violative of the latest Supreme Court's dictum dt. 1-10-1993 in *Managing Director FCIL, Hyderabad v. B. Karunakar* vide 1993 SCC (L&S) 1184. According to this decision denial of right to a copy of the enquiry report amounts to denial of reasonable opportunity and violation of Articles 14 and 21 of the Constitution of India as well as principles of natural justice. The Supreme Court hold further that the service rules/standing

orders denying supply of enquiry reports to the delinquent employee for major punishments are invalid and where punishment impossible is other than the major punishment of dismissal, removal and reduction in rank and the rules contemplate enquiry and the Enquiry Officer is not the disciplinary authority then also enquiry report is to be supplied. Further it was held that failure of employee to ask for the report cannot be construed as waiver. Hence I find that the disciplinary action against the workman is mala fide, illegal and void ab initio and that the workman is entitled to status quo unto as before the enquiry and for all consequential and incidental benefits including full wages for the period of his suspension. On a consideration of the facts and circumstances of the case, I hold that the punishment of Stoppage of two increments by way of cancellation with cumulative effect is unsustainable and unjustified and the concerned workman is entitled to have his increments restored.

7. In the result, the action of the Management of the State Bank of India, Regional Office, Visakhapattanam in imposing the punishment of stoppage of two increments by way of cancellation with cumulative effect on Sri Baranaka Sankara Rao, Messenger, in the Sriakulam Branch vide their Order No. (3-O)DPC[V&P[R.II]13), dt. 14-11-1985 was not justified. The concerned workman is entitled to have his increments restored and he is entitled to backwages and benefits due on lifting of the suspension.

Award passed accordingly.

Typed to my dictation, given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 7th day of June, 1994.

Y. VENKATACHALAM, Industrial Tribunal-I

Appendix of Evidence

Witnesses Examined on behalf of the Petitioner :	Witnesses Examined on behalf of the Respondent:
NIL	NIL

Documents marked on behalf of the Petitioner :

NIL

Documents marked on behalf of the Respondent :
(By Consent)

- Ex. M1/9-11-73—Charge Sheet issued to the Workman (Telugu and English Versions).
- Ex. M2/17-3-75—Notice of domestic enquiry.
- Ex. M3/16-5-75—Notice of domestic enquiry.
- Ex. M4/28-5-75 Letter addressed to the Branch Manager, Parvathipuram and marked to Sri R. S. Raju.
- Ex. M5—Prosecution Exhibits P. Ex 1 to P. Ex. 4.
- Ex. M6—Enquiry Officer's Report.
- Ex. M7—Brief submitted by the prosecuting Official.
- Ex. M8/30-9-85—Proceedings of the Disciplinary Authority proposing punishment.
- Ex. M9/14-11-85—Final proceedings of the Disciplinary Authority.
- Ex. M10/24-6-86—Appeal submitted by Shri B. Shankar Rao.
- Ex. M11/14-11-85—Letter addressed to the workman after personal hearing.
- Ex. M12/18-8-86—Letter of the Appellate Authority along with proceedings addressed to Sri Shankar Rao.
- Ex. M13/21-9-72 Suspension order served to Sri Shankar Rao.
- Ex. M14/3-10-78—Letter served to Sri Shankar Rao (advice regarding lifting of suspension).

- Ex. M15—Enquiry proceedings register.
 Ex. M16—Typed copies of Enquiry proceedings register.
 Ex. M17—19-12-73—Letter of Sri B. Shankar Rao in reply to the charge sheet issued to him (copy).
 Ex. M18—Defence exhibits D. Ex. 1.
 Ex. M19—Defence brief.

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 1994

का.आ. 1878.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ़ ट्रावन्कोर, त्रिवेंद्रम के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, कोलाम के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 13-7-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/81/92-आई आर बी-3]
 बी. के. शर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 14th July, 1994

S.O. 1878.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Kollam as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Travancore, Trivandrum and their workmen, which was received by the Central Government on the 13-7-1994.

[No. L-12012/81/92-IR. B. III]
 V. K. SHARMA, Desk Officer.

ANNEXURE

In the Court of the Industrial Tribunal, Kollam
 (Dated, this the 29th day of July, 1994)

PRESENT:—

SHRI C. N. SASIDHARAN
 INDUSTRIAL TRIBUNAL

IN
 INDUSTRIAL DISPUTE NO. 22/92

BETWEEN

The Managing Director, State Bank of Travancore, Head Office, Poojappura, Trivandrum-695 001.

(By S/s. N. Krishnan Kutty, N. Hiran Babu and G. Rajendran, Advocates, Trivandrum).

AND

The General Secretary, State Bank of Travancore Emp. Congress, P. O. Box. No. 38, Statue Lodge, Statue General Hospital Road, Trivandrum-695 001.

(By Shri R. Somanathan, Advocate, Trivandrum)

AWARD

The Government of India as per Order No. L-12012/81/92-IR. B. III, dated 30-7-1992 have referred this industrial dispute to this Tribunal for adjudicating the following issue:—

“Whether the action of the management of State Bank of Travancore in imposing the punishment of stoppage of two future increments with cumulative effect on Shri G. Parameshwaran Nair vide order No. DPS/TVM/156, dated 31-3-90 is justified? If not, to what relief the workman is entitled to?”

2. In the claim statement submitted by the general secretary of the union representing the workman the contentions are briefly as below: The workman was the Head cashier of the Pallithura branch of the management Bank on 14-9-1988. By memo dated 3-11-1988 the workman was called upon to give explanation for misconducts on the basis of some reports against him. The alleged report has not been given to him. The workman gave reply to the memo. Thereafter on 18-1-1989 another memo was issued to the workman alleging the misconducts of insubordination/disobedience and indecent behaviour in the premises of the Bank. There was inapplication of mind on the part of the officer who issued the memo and natural justice has been denied. He was asked to give explanation on an alleged report without furnishing copy to him. He has submitted reply. The two memos differ in material particulars. After receipt of the explanation the management ordered domestic enquiry. The enquiry officer conducted as facial enquiry. The findings of the enquiry officer that the presenting officer of management has established the charges, is unwarranted, uncalled for and motivated. The management has issued the order of punishment of stoppage of the two increments on 31-3-1990. The appeal filed by the workman was dismissed by the Appellate authority. According to the workman the whole proceedings are invalid and illegal. No charge has been framed against him. The list of documents/witness of management are not produced. The bare requirements in an enquiry have not been satisfied by the management. The workman has not been notified of the documents to be relied upon by the management or of the witness of management sufficiently early. He was thus denied sufficient time to prepare his defence. The alleged preliminary enquiry was behind the back of the workman. He was not made known about the content of preliminary enquiry. There is flagrant violation of disciplinary rules and principles of natural justice. There is no evidence to support the allegations contained in the charge memos issued to him. There is no justification to impose a penalty on him. According to him the findings of the enquiry officer are perverse and bereft of merits. It is also stated that he has been victimised and the present punishment is unjustified.

3. The management in their reply statement has advanced their contentions which are briefly as under: This reference is bad in law. The union has no representative capacity to raise this dispute and hence it is not an industrial dispute within the scope of Sec. 2(k) of the Industrial Disputes Act, 1947. The workman was working as Head cashier at the Pallithura branch of the management in 1988. On 14-9-1988 he refused to receive the cash that were brought to the branch from Puthenchangai branch and to obey the instructions of branch manager and accountant in the matter of closing the cash. He also called indecent names and talked in a very abusive language towards the branch manager. The cash was closed very late at the persistent insistence of the accountant and only when the branch manager was about to issue a memo to the workman. He was given memo dated 3-11-1988 detailing the misconduct attributed to him. He submitted his explanation denying the charges. The misconduct alleged against him are those which come within the scope of clause 19.5(a) and 19.5(c) of the first Bipartite Settlement of 1966. Another charge memo dated 18-1-1989 was issued to him and he has submitted a reply. Thereafter domestic enquiry was ordered by the management. The enquiry officer conducted the enquiry after due notice to the parties. The workman availed the assistance of Shri K. G. Janardhanan Nair an employee of Manacaud branch of the management as defence representative. The workman and his representative fully participated in the enquiry proceedings. The copies of documents and list of witness produced by the management were given to the workman on request. The workman submitted his documents. Both sides were permitted to examine their witnesses and witnesses were examined. The workman was served with copies of documents which are kept in the Pallithura branch of the Bank. The enquiry proceedings were conducted on several dates. The 5 witnesses examined on the side of the management were cross examined by the workman and two witnesses were examined on this side. Both sides were permitted to file their statement. The enquiry officer after analysing the evidence found that the charges levelled against the workman have been proved. The management accepted the findings and imposed the present punishment after affording opportunity to the workman for his explanation. The Appellate Authority after considering the grounds of appeal filed by the workman dis-

missed the same. The misconduct levelled against the workman are very serious deserving extreme penalty of dismissal. However the management awarded a lesser punishment which is proper and justified. It is not necessary to serve the copy of the report as alleged by the workman. There was complaint of the branch manager about the misconduct of the workman and this has been produced in the enquiry. The management denies all other allegations levelled by the workman. The enquiry was conducted fully in compliance with principles of natural justice. The allegation of victimisation is vague and unwarranted. The workman had been given memo mentioning specifying charges levelled against him. The preliminary enquiry was conducted only to find out whether there was any prima facie case against the employee. It was produced in the enquiry. According to the management the enquiry officer had properly applied his mind in coming to the conclusion and the enquiry report and findings are not perverse. It is also stated that the punishment is absolutely justified and the workman is not entitled to any relief.

4. The workman in this case has been found guilty of the misconduct namely, disobedience/insubordination and indecent behaviour towards superiors in the domestic enquiry ordered by the management. The management accepted the finding of the enquiry officer and inflicted the present punishment of stoppage of increments. The workman attacks the enquiry, the findings of the enquiry officer and the quantum of punishment. The enquiry officer was examined on the side of management as MW1 and the enquiry file have been marked as Ext. M1-series. Ext. M2-series have also been marked on the side of management. The workman examined himself as WW1.

5. In this case the punishment imposed by the management is stoppage of increments on the workman. Therefore the law with reference to Sec. 11-A of the Act cannot be applied in this case. Sec. 11-A of the Act is applicable only when the issue referred for adjudication is in respect of discharge or dismissal of a workman. Sec. 11-A does not apply to the present punishment of withholding of increment. This Tribunal has been given power under Sec. 11-A to differ on the findings of the enquiry and also the quantum of punishment only in the case of discharge or dismissal. The law laid down by the earlier decisions of the Supreme Court is :—

- (1) J. J. Cotton Spinning and Weaving Co. Ltd. V. its Workmen [1955 (2) ILJ 153].
- (2) Hind construction and Engineering Co. Ltd. V. their Workman [1965 (1) ILJ 462].
- (3) Tata Oil Mills Co. Ltd. V. its workmen [1963 (2) LLJ 78].
- (4) Bengal Bhatbee Coal Co. Ltd. V. Ram Prabesh Singh [1963 (1) LLJ 291] as enumerated at page 883 of the Book The Law of Industrial Disputes by Shri Malhotra, III Edition, is quoted below :—

"The adjudicatory jurisdiction, dealing with the disciplinary case, was confined merely to see whether the employer did not act mala fide in the matter of initiating the action and inflicting the punishment and the enquiry officer had not violated the rules of natural justice and his findings were not baseless or perverse. In the absence of these infirmities, it was beyond the reach of the tribunal to interfere with the managerial action. The questions whether the material before the enquiry officer was adequate or not or whether a particular witness upon whom reliance was placed by the enquiry officer should have been believed or not, were for the consideration of the enquiry officer. Likewise the quantum of punishment too was "managerial prerogative" and could not normally be interfered with for seeing its propriety or adequacy."

With this background I shall now proceed to consider the validity of the domestic enquiry and the quantum of punishment imposed by the management.

6. On behalf of the workman it was contended that the charge memos issued to the workman on 3-11-1988 and 18-1-1989 materially differ. According to the learned counsel 1734 GI/94—14

for the workman the obscene words 'Thayoli, Kazhuvareeda mone' do not appear in the first memo. But it is written in hand in the second memo which is a type written matter. This according to the learned counsel clearly indicates that the workman has not used any indecent words of obscene language and it is an afterthought made with ulterior motive. The charge memos are very clear and specific as evident from Ext. M2-series. The allegations against the workman are clearly stated and there cannot be any difficulty to understand the charges. The workman gave his explanation on 28-11-1989 to the first memo dated 3-11-1988 and he did not give any separate explanation to the second charge memo but only stated in his reply to the second charge memo that he has nothing more to add than what are detailed in the reply given on 28-11-1989. From the reply statement it is evident that the workman has not raised any contention regarding the absence of obscene words in the first charge memo. Further specific mention of abusive words in the charge sheet is not necessary and charge will not become defective merely because the actual words were not incorporated in it as held by the Punjab and Haryana High Court in the decision in Balwant Singh & Others V. N.S.T. Co. (P) Ltd. & Others [1989 (ii), LLJ 217]. Therefore the above contention of the learned counsel is devoid of merit.

7. The second point of attack is that the workman was not served with a copy of the report of the manager and also preliminary enquiry report, on the basis of which charge memos are issued to the workman, along with the charge memo and thereby denied opportunity of defending and challenging that material in his explanation itself. It is contended that the material on which the charge is framed were not supplied to the workman. In the explanation submitted by the workman to the charge memos he has not raised any such objection. Before submitting the explanation he did not request to give him a copy of such documents. He had given a very detailed explanation. The reports mentioned in the charge memos were produced in the enquiry and the workman given copies of those reports before the witnesses were examined in the enquiry. As I have stated above the allegations are specifically and clearly spelt out in the charge memos and there cannot be any difficulty to understand the charges. In the circumstances it cannot be said that the workman had been put to any prejudice. On the other hand it is clear that he had every opportunity to meet the charges and to defend himself in the enquiry. Since it is not established that any prejudice has been caused to the workman due to the non-supply of the reports, such procedural defect has no consequences. No provision of law has been pointed out to the effect that the report on the basis of which charges are framed should be sent along with the charge sheet and if they are not sent enquiry becomes invalid. For the above view I seek support from the statement made at page 797 of the Book by Shri Malhotra mentioned above referring the decision reported in 1964 (i) LLJ 110. which is extracted as below :

"A charge sheet, however, is not expected to be a record of evidence. When it gives the necessary particulars of the misconduct, it cannot be characterised imprecise. It is not necessary to give the statements recorded in the preliminary enquiry with the charge sheet. Nor is it necessary to be stated in the charge sheet, the particulars of the statement made by witnesses in a preliminary enquiry.

In view of the above, this contention of the learned counsel the workman is also devoid of merit.

8. The third point of attack is that the enquiry had been conducted in violation of the principles of natural justice. According to the learned counsel for the workman the workman has not been notified of the documents and witnesses relied on by the management sufficiently early that the enquiry officer and that the procedure adopted in the enquiry made known to the workman till they were produced before the enquiry officer and that the procedure adopted in the enquiry officer and that the procedure adopted in the enquiry is defective and not bona fide. It is evident from the enquiry proceedings that the enquiry commenced on 14-3-1989 and the examination of witnesses commenced on 20-6-1989 only. In between there were posting of the enquiry on 22-3-89 and 10-4-1989. On 22-3-1989 the list of witnesses and the documents relied on by the management were produced in the presence of the workman. The report of the manager and the preliminary enquiry report stated in the charge memos were also produced

on that day. The copies of documents were given to the workmen on that day itself. The workman produced his documents on 10-4-89 and list of witness. The workman requested the enquiry officer for some more documents which were ordered to be produced by the enquiry officer. The workman produced additional documents on 20-6-1989. It is thus clear that all the documents were produced with copies to the workman before commencing the examination of witnesses in the enquiry. There is nothing in the enquiry proceedings to show the workman raised any objection for non-supply of only documents at any point of time before examination of witnesses or thereafter. It is also noteworthy that he has not made any request for adjournment of the enquiry for examination of witnesses on the ground that he was not supplied with any documents sufficiently early. All the management witnesses were fully cross-examined for the workman and he was permitted to adduce evidence on his side. The delinquent never raised any objection regarding the enquiry officer or the procedure adopted by the enquiry officer at any point of time during the enquiry. Therefore it is clear that the enquiry has been conducted fully in compliance with the principles of natural justice.

9. The fourth point of attack against the enquiry is that the enquiry has been held with blatant and conscious violation of the Bipartite agreement. It is pointed out that as per clause 19.11 of the Bipartite settlement while it is decided to take any disciplinary action such decisions shall be communicated to the employee within 3 days thereof. According to the learned counsel for the workman, in this case the above requirement has not been satisfied which invalidates the entire disciplinary action against the workman. The workman has been served with two charge memos and he has submitted his explanation. He has never raised any such objection. Further from the charge memos it is evident that the management was decided to initiate the action against the workman which is sufficient notice to him. Hence this contention is without force. Even otherwise such procedural defect will not invalidate the action against the workman since it is not established that such defect has caused any prejudice to him.

10. The fifth point of attack is that the enquiry officer has given due weight to the evidence of management only who are all officers and the defence evidence was not considered in right perspective. According to the learned counsel for the workman the management witnesses are non-award staff. On going through the enquiry report and findings it is evident that the enquiry officer has considered the evidence of witnesses examined on both sides. Whether a witness is to be believed or not will not depend upon his status. There are no justifiable reasons to disbelieve the management witness merely on the ground that they are non-award staff. It is also contended by the learned counsel for the workman that the enquiry officer failed to consider certain material points from the evidence of the defence witnesses and only considered the evidence of management witnesses in reaching his conclusion. At this juncture I again extract a portion of the statement quoted above from page 883 of the Book by Sri. Malhotra.

"The questions, whether the material before the inquiry officer was adequate or not or whether a particular witness upon whom reliance was placed by the enquiry officer should have been believed or not, were for the consideration of the enquiry officer. Likewise the quantum of punishment too was "managerial prerogative" and could not normally be interfered with for seeing its propriety of adequacy.

In the light of the above the present contention of the learned counsel is without any force.

11. The sixth point of attack is that the enquiry officer relied on the preliminary enquiry report as stated in pages 19 and 20 of the enquiry report. This according to the learned counsel, is a serious violation of the rules of natural justice causing serious prejudice to the workman. It is pointed out that the persons mentioned in the preliminary enquiry report were not made available for cross-examination. It is true that the enquiry officer referred the preliminary enquiry report. But the findings of the enquiry officer are not based on such a report alone. Further copy of preliminary enquiry report was given to the workman and it is not evident from the

enquiry proceedings that the workman requested for examination of the persons mentioned in the preliminary enquiry report. Therefore this contention also fails.

12. The seventh point of attack is that the enquiry officer conducted a facial enquiry and that the findings of the enquiry officer are perverse. The enquiry officer has fully analysed the evidence on record and came to the conclusion. From the discussion of points it is specific that the enquiry officer arrived at his findings after fully analysing the evidence of witnesses and other materials before him. The findings of the enquiry officer are fully supported by evidence. In this state of affairs it cannot be said that the enquiry officer conducted a facial enquiry or that the findings of the enquiry officer are perverse.

13. It is pointed out by the learned counsel for the delinquent that the obscene words allegedly used by the workman towards the manager was not spoken to by any witness other than the manager in the enquiry which shows that not a single person other than the officers heard the usage of filthy language. It is true that Sri Victor PW3, who was present in the cabin of the manager has expressed his inability to tell the actual filthy language used by the charge sheeted employee, even after repeated requests and order from the enquiry officer. This according to the learned counsel pointed out to the concocted story of the management. The manager against whom the filthy language was used also told in the enquiry the obscene words which is corroborated by the evidence of PW2 who also dared to tell the obscene words used by the delinquent as 'Thayoli, 'Kazhuveredemone'. Therefore the above contention of the learned counsel for the workman is without force.

14. It is contended by the workman in the claim statement that the findings of the enquiry officer in paragraph 48 of the enquiry report is unwarranted and uncalled for. The enquiry officer has made certain observations based on what he had felt on the basis of the evidence available in the enquiry. But it is noticeable that the observation of the enquiry officer in this paragraph does not affect his findings of guilt already arrived at in paragraph 47 of the enquiry report. The observations of the enquiry officer in paragraph 48 of the report therefore can never be treated as a basis for the conclusion of the enquiry officer. Therefore this contention is also only to be rejected.

15. From the discussions made above I have no hesitation to hold that the enquiry has been conducted properly and fully in compliance with the principles of natural justice. The conclusions arrived at by the enquiry officer are based on evidence and they are not perverse.

16. The workman has yet another contention that he has been victimised. This allegation is vague and unsubstantiated. Mere allegation of victimisation is not sufficient. There is no reliable evidence to prove victimisation. As I have stated in the above paragraph the misconduct against the workman was properly proved in the domestic enquiry. Therefore the question of victimisation would not arise. Further it is now well settled that proved misconduct is antithesis of victimisation as understood in industrial relations.

17. Now I shall pass on to the question of punishment. As held by the Supreme Court in the decisions mentioned earlier the quantum of punishment was a managerial prerogative and could not normally be interfered with for seeing its propriety or adequacy. After the introduction of Sec. 11-A the punishment of discharge or dismissal of a workman can alone be interfered with by the courts. In the instant case the punishment is stoppage of future increments with cumulative effect and Sec. 11-A of the Act does not apply. Further the misconduct alleged against the workman has been properly proved in a properly conducted domestic enquiry and the findings of the enquiry are supported by evidence and not perverse. Such conclusions of the enquiry officer cannot be interfered with by this Tribunal as an Appellate authority. The management after considering the gravity of the misconduct has imposed the present punishment. It is only commensurate with the gravity of misconduct. There are no concrete reasons to interfere with the punishment imposed by the management.

18. The learned counsel for the workman would contend that stoppage of increment is a major punishment and therefore this Tribunal has jurisdiction to interfere with the present punishment. Reliance was also placed on a decision of the Punjab & Haryana High Court in K. C. Arya V. Union of India & Others (1994 (I) LLJ 264). This argument is devoid of merit as the punishment in the instant case was made after a properly conducted domestic enquiry whereas in the decision mentioned above the withholding of increment was made without holding a domestic enquiry. This decision has no application here as the facts in that case and the case before me are entirely different.

19. According to the learned counsel for the management as per clause 19.6 of the Bipartite settlement an employee found guilty of misconduct may have any of the punishment mentioned thereon imposed. Sub clause (b) of the clause reads "have his increment stopped." According to the learned counsel a reading of this clause will show that the penalty imposed by the management is not one which the management has power to impose. It is pointed out that as per the above clause only an increment can be stopped and not increments. According to the learned counsel the wording used is singular. This clause does not say that the management cannot stop more increments considering the gravity of the misconduct the management has imposed the stoppage of two increments. There is no prohibition in the above clause for stopping two increments. Hence this contention is also devoid of merit.

20. In the result, I hold that the action of management of State Bank of Travancore in imposing the punishment of stoppage of the future increments with cumulative effect of Sri G. Parameswaran Nair, vide order dated 31-3-1990 is justified and that the workman is not entitled to any relief.

An award is passed accordingly.

C. N. SASIDHARAN, Industrial Tribunal

APPENDIX

Witness examined on the side of the Management

MW.1—Sri R. Gopalakrishnan Nair.

Witness examined on the side of the Workman

WW.—Sri G. Parameswaran Nair

Documents marked on the side of the Management

Ext. M1-series.—Enquiry file containing enquiry proceedings, documents, enquiry report etc.

"M2-series (5 nos.) Charge memos issued to the workman and reply statements submitted by him.

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 1994

का.प्र. 1879.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वय में केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ़ ट्रावन्कोर, त्रिवेंद्रम के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, कोलाम के पंचपट को प्रकाशित करनी है जो केन्द्रीय सरकार को 13-7-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/187/93-आई आर बी-1]

वी. के. शर्मा, ईस्क अधिकारी

New Delhi, the 14th July, 1994

S.O. 1879.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Kollam as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Travancore, Trivandrum, and their workmen,

which was received by the Central Government on the 13-7-1994.

[No. L-12012/187/93-IR B-I]

V. K. SHARMA, Desk Officer.

ANNEXURE

IN THE COURT OF THE INDUSTRIAL TRIBUNAL,
KOLLAM

(Dated, this the 30th day of June, 1994)

PRESENT :

Shri C. N. Sasidharan, Industrial Tribunal.

IN

Industrial Dispute No. 41/93

BETWEEN

The Managing Director, State Bank of Travancore, Head Office, Poojappura, Trivandrum-695 012.

(By S/S. V. K. Francis and C. N. Baby, Managers)

AND

The General Secretary, State Bank of Travancore Staff Union Central Office, Trivandrum-695039.

(Shri P. V. Jose, General Secretary)

AWARD

This industrial dispute has been referred by the Government of India as per order No. L-12012/187/93-IR. B. I, dated 13-12-1993, for adjudicating the following issue :

"Whether the action of the management of State Bank of Travancore in denying halting allowance to Shri T. Raveendran for the period he had worked at Kainakari branch is fair and justified ? If not, to what relief the workman is entitled to ?"

2. The general secretary of the union representing the workman in this case Shri T. Raveendran has filed a claim statement and the contentions are briefly as below : Shri Raveendran is a cashier of Mannar branch of the management Bank. While he was working as cashier at Alleppey branch he was temporarily transferred to Kainakary branch as cashier incharge on a temporary basis. He worked there till 10-10-1990 for 243 days. He is eligible to get halting allowance as per the existing terms of service of the Bank. As per clause III(g)(D) of the Bipartite settlement dated 8-11-1973 the claim of the workman is well founded. While he was temporarily transferred to Kainakary branch his headquarters continued to be Alleppey making him eligible for halting allowance. But the management denied the claim. Denial of halting allowance to the workman is against the provisions of the terms of service and also it amounts to gross discrimination since such allowance were paid to employees temporarily transferred to several other branches. The management is purposely discriminating the workman as a member of the contesting union. The claim of the union is for halting allowance.

3. The management opposes the claim of the union. The contentions of management as stated in the written statement are briefly as below : The management is a public sector banking institution. The workman was transferred to Kainakary branch on 20-1-1990 and in the transfer order it was specifically stated that special allowance will be withdrawn immediately and he will not be eligible for any halting allowance for the period he continues at Kainakary branch. From Kainakary branch he was transferred to Mannar branch and he had not reported to Alleppey branch. The claim for halting allowance was disallowed since he was not eligible for any such allowance. This was informed to him well in advance as per the transfer order itself. So the present claim is without any grounds. The transfer of the workman from Alleppey to Kainakary branch was made on account of administrative exigencies. He was not transferred to hold the same post at Kainakary branch. But he was posted to an allowance carrying post. His posting at Kainakary was

on account of his zone-wise seniority. Clause III(g) (D) of the Bipartite settlement relied on by the union is not applicable to this case. The conditions for entitlement of halting allowance is laid down in clause III(g) (B) of the said Bipartite settlement. By transfer order dated 20-1-1990 the workman was not directed to report back to Alleppey after completion of his work at Kainakary branch. The transfer of the workman will not come under the term temporary transfer as contemplated in clause III(g) (D) mentioned above. After the transfer of the workman to Kainakary branch his previous branch viz. Alleppey was never treated to be his head quarters. There is no provision in the service rules to enable the workman to claim halting allowance in the present case. The claim is unsustainable. As per Sasthri Award and Desai Award the workman has the right to claim halting allowance only when he is attending duty away from headquarters. While he was working at Kainakary branch his head quarters was at Kainakary itself. The Bank has not made any discrimination against the workman. The management defies payment of halting allowance in the other branches as stated in the claim statement. The instances pointed out by the workman relates to the postings made at new branches at the time of their opening. The Union is not competent to raise any dispute since the union does not have substantial membership of the employees of the Bank. There is therefore no industrial dispute and the reference is bad in law. According to the management the present claim is unjustified and unsustainable.

4. No oral evidence has been let in by either side. However Exts. W1 to W3 on the side of the union and Exts. M1 to M6 have been marked on the side of the management on mutual consent.

5. The only point to be decided is whether the workman Sri. Raveendran is eligible to get halting allowance for the period he had worked a Kainakary branch of management Bank.

6. The claim of the union for halting allowance to the workman is on the ground that he was temporarily transferred to Kainakary branch and continued there on temporary basis till 10-10-1990 when he was transferred to Mannar branch. According to the management it was a posting at Kainakary which is different from deputation and the headquarters of the workman was not at Alleppey while he continued at Kainakary branch. He was employed at Kainakary branch only from 20-1-1990 to 10-10-1990 and he was not halting at Alleppey branch. Ext. M5 is the copy of order transferring the workman to Kainakary branch. It is specifically stated in Ext. M5 that he was temporarily transferred to Kainakary branch to hold the post of charge cashier on a temporary basis. The further statement in Ext. M5 is that the special allowance will be withdrawn immediately when permanent posting is made at that branch. A reading of Ext. M5 makes it clear that the workman was not permanently transferred from Alleppey branch to Kainakary branch but transferred only temporarily. He was transferred to Mannar branch from Kainakary branch as per Ext. M4 order. Ext. M4 is admittedly routed through Alleppey branch and communicated to the workman by the branch manager of Kainakary branch. It is stated in Ext. M4 that the workman was relieved of his temporary duties at that branch and was instructed to report at Mannar branch. That itself shows that the workman was on temporary transfer to Kainakary branch. Further the statement in Ext. M5 order that the workman will be replaced when permanent posting is done establishes that his transfer to Kainakary branch is temporary and his headquarters remain unchanged. As per Ext. M5 order the workman was not informed of the period for which he was temporarily transferred but only informed that the posting is on a temporary basis and the special allowance will be withdrawn on permanent posting is made there. That shows that he was ordered to be away from his headquarters at Alleppey on a temporary basis to discharge the duties of cashier in charge at Kainakary branch. The above circumstances fully establish that the workman was temporarily transferred to Kainakary branch and his permanent headquarters remained unchanged.

7. Now the question is whether the claim of the union falls under clause III(g) (D) in Ext. M3, first Bipartite settlement, dated 8-11-1973 which reads thus:

"If a workman is temporarily transferred to a nearby place, where Batta is payable and can return to his

place every-day he will be entitled to travelling expenses as per entitlement under rules in addition to Batta".

A reading of the above clause makes it clear that when an employee is temporarily transferred to a place from where he cannot return to his place, he is entitled to batta in addition to travelling expenses. As stated above the workman was temporarily transferred to Kainakary branch and continued there and hence the above clause is definitely attracted in the present case.

8. According to the management a reading of clause (D) mentioned above in conjunction with clause (B) in Ext. M3 will show that the temporary transfer referred to therein is a deputation in which case the workman concerned will remain attached to his post in the headquarters. This argument is devoid of merit as the workman continued at Kainakary branch purely on a temporary basis and his headquarters continued at Alleppey which is evident from the circumstances mentioned above. The management has brought to the notice of this Tribunal para. 549 of the Sasthri Award, Copy of which was marked here as Ext. M1 and also para 683 in page 248 of the Book containing Desai Award which was marked as Ext. M2 in support of the argument that the workman is not entitled to get halting allowance. In para. 549 of Sasthri Award it is stated that halting allowance is a payment made to an employee in addition to other emoluments for any day during which an employee is absent from headquarters on duty and is intended to cover the ordinary daily expenses incurred by him in consequence of such absence. Para 683 of Desai Award mentioned above also proceeds on the same basis as regarding award of the halting allowance. The spirit of the above paragraph is that a workman has a right to claim halting allowance when he is attending duty away from headquarters. The intention of the concerned parties can only be that halting allowance is a compensation to meet the additional expenses inherent in such displacement as the one made by the management in the instant case. The workman was placed away from his headquarters for attending duty at Kainakary branch on a purely temporary basis. Therefore the paragraphs mentioned in the Awards stated above does not disentitle the claim of the workman as contended by the management.

9. The learned representative of the management has pointed out that the workman has accepted the specific statement in Ext. M5 order regarding disentitlement of halting allowance and jointed duty at Kainakary. Further the present claim was made after 4 months of his posting at Mannar branch and he never claimed it while continuing at Kainakary branch. This according to the management shows that the workman is fully aware of his disentitlement of halting allowance and the non maintainability of the claim. It is true that in Ext. M5 it is stated that the workman will not be paid halting allowance and also that there is some delay in put forwarding the claim. The workman is now found to be eligible for halting allowance by me as per the terms of service which cannot be taken away by mere statement in Ext. M5 order that halting allowance will not be paid. The present delay for 4 months on claiming the allowance cannot be said to be inordinate. Therefore the above contentions of management are devoid of merit.

10. The management has a further contention that the transfer of the workman from Alleppey branch to Kainakary branch was made on account of administrative exigencies and as per the existing procedure prescribed for making posting to the post of cashier in charge. According to the management the workman was given a posting at Kainakary branch taking into account his zone-wise seniority as per Ext. M6 circular and W3 circular. The circulars mentioned above were issued by the management after the transfer of the workman from Alleppey branch to Kainakary branch. Therefore the procedure mentioned therein is not applicable here. Further it is not established that the workman is the senior most cashier. On the other hand the union has submitted a seniority list along with the argument notes showing that the workman is not senior most which remains unchallenged. Hence the management cannot take shelter behind Ext. M6 and W3 circulars to escape from the liability of paying halting allowance.

11. According to the union the management has paid halting allowance to employees temporarily transferred to other branches and hence the management is purposely discriminating the workman by denying halting allowance to him. It is stated in the claim statement of the union that employees temporarily transferred to Kolliadi, Kolagappara,

Clappana, Mylappara and several branches the management has paid halting allowance. But according to the management those were cases relating to transfer to newly opened branches which has no comparison with the case of Sri. Raveendran. The statement of the management is not proved otherwise by the union. Hence that is to be accepted. But the union has produced Ext. W2 copy of the Minutes of understanding arrived at between the management and the union in the presence of ALC (C1) Trivandrum which substantiates the claim of the union. As per Ext. W2 it was agreed to pay halting allowance to Sri. N. Arul Raj for the period he had worked at Kallali branch on temporary transfer. The management has not denied payment of halting allowance to Sri. Arul Raj and it is not established that Kallali branch was newly started. Hence the case of Sri Arul Raj is similar to that of the workman in the case before me. Ext. W2 supports the claim of the workman and also establish that the management has discriminated the workman in payment of halting allowance. The contention of the union in this regard is therefore well founded and the action of management is illegal and liable to be quashed.

12. The management has yet another contention that the contending union has no representative capacity to represent the workman and to raise the present dispute. According to the management this union does not represent substantial number of employees under the management. The union in the written argument note has stated that it is a registered trade union and the subscription from its members to the union is deducted by the management from their salary and remitted to the union by the management and that the union raised several industrial disputes. This statement remains uncontroverted. Further Ext. W2 mentioned above fully supports the claim of the union that it has representative capacity and has raised industrial dispute before the labour authority. In this state of affairs the contention of the management that the union has no representative capacity to raise this dispute and hence the reference is bad in law is without force.

13. In view of the above conclusion an award is passed holding that the denial of halting allowance to Sri. Raveendran by the management bank is unfair and unjustified and that he is entitled to get halting allowance as claimed by the union.

C. N. SASIDHARAN, Industrial Tribunal
APPENDIX

Documents marked on the side of the workman

Ext. W1. Photostat copy of letter addressed to the Managing Director of the management Bank from the General Secretary of the union dated 10-08-1992.

Ext. W2. Photostat copy of Minutes of understanding arrived at on 2-4-1992 between the management and the union in the presence of Assistant Labour Commissioner(C).

Ext. W3. Copy of management circular No. PAD/53 dated 16-11-1990.

Documents marked on the side of the Management

Ext. M1. Photostat copy of page 152 of the Book containing Sasthri Award.

Ext. M2. Photostat copy of page 248 of the Book containing Desai Award.

Ext. M3. Photostat copies of pages 131 and 132 of the Book containing Bipartite settlements from 1966 to 1979.

Ext. M4. Photostat copy of transfer order issued to the workman Sri. Raveendran from the management dated 10-10-1990 transferring him from Kainakary to Mannar branch.

Ext. M5. Photostat copy of transfer order issued to the workman dated 20-1-1990 transferring him from Alleppey branch to Kainakary branch.

Ext. M6. Photostat copy of circular letter No. PAD/38 dated 20-10-1992 issued by the management Bank.

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 1994

का. आ. 1880.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947
(1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय

सरकार एयर इंडिया के प्रांशुत्व के संबंध निर्देशकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निविदा औद्योगिक विवाद में श्री वाट. वी. चन्द्राचुड आर्बिट्रेटर के पत्रपत्र को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-7-94 का प्राप्त हुआ था।

[संख्या-एल-11013/2/93-आइआर (विवाद)/आइआर (काव-1)]

जी. गंगधरन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 14th July, 1994

S.O. 1880.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of Mr. Y. V. Chandrachud Arbitrator, as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employees in relation to the management of Air India and their workmen, which was received by the Central Government on 1-7-1994.

[No. L-11013/2/93-IR(Misc)/IR(Coal-I)]

C. GANGADHARAN, Desk Officer

In the matter of Arbitration between

Air India Cabin Crew Association

AND

Air India Ltd.

ANNEXURE

BEFORE MR. Y. V. CHANDRACHUD
SOLE ARBITRATOR

IN THE MATTER OF ARBITRATION

BETWEEN

Air India Cabin Crew Association ...Claimant

AND

Air India

..Respondent

APPEARANCES :

Shri H. M. Jagtiani, advocate, i/b Shri Curush F. Bilimoria and Ms Yasmin Godrej, advocates, for the Claimant.

Shri G. E. Vahanvati, Sr. Advocate, i/b Mulla & Mulla & Craigie Blunt and Caroe for the respondent.

1. By an Agreement dated 6th October, 1992, Air India Cabin Crew Association, the Claimant herein, and Air India, the Respondent herein, agreed to refer the following dispute to me under Section 10(A) of the Industrial Disputes Act, 1947. I will refer to the claimant as "AICCA", to the Respondent as "AI" and to the Industrial Disputes Act, 1947 as "the Act".

2. The Government of India, in its Ministry of Labour, issued a Notification dated 20th August, 1993 publishing the Agreement in pursuance of section 10 A(3) of the Act. The time to make the Award was extended by the written consent of the parties until 30th June, 1994.

3. The dispute referred to me by the parties is : "In terms of Clause 2 of the Record Note/Agreement dated June 5, 1986, what layover are the cabin crew entitled to at London and at New York on outward journey and at London on return journey? When is this period of layover supposed to commence and when does it end?"

4. Clause 2 of the Record Note dated June 5, 1986 reads as follows :—

"In respect of slip pattern of operation from London on India-USA-India sector, introduced by the Management effective 1st June 1986, layover at London will be two days on both ways and one day in USA. However, taking into consideration and views expressed by the Association, it has been decided that while operating the flight on outward journey on India-USA sector, layover at London will be 2 days and the layover at New York on India-USA sector will be for 2 days and on return trip, layover in London will be for one day. This pattern of operation would be followed for a period of 3 months, i.e. up to 31st August, 1986. The Management would/may introduce layover pattern of 2 days in London or any other appropriate pattern after 31st August, 1986."

5. The question referred to me is in two parts. The first part of the question is : what layover is the cabin crew entitled to at London and at New York on outward journey and at London on return journey in terms of Clause 2 of the record Note/Agreement dated June 5, 1986? This question is explicitly and unambiguously answered by the Record Note itself which says that "it has been decided that while operating the flight on outward journey on India-USA sector, layover at London will be for 2 days and the layover at New York on India-USA sector will be for 2 days and on return trip, layover in London will be for 1 day". The answer to the first part of the question has therefore to be that on the outward journey on India-USA sector, the cabin crew will be entitled to layover at London for 2 days and at New York for 2 days and, on the return journey from New York to India, it will be entitled to layover at London for 1 day. The answer to the first part of the question referred to me is indeed so self-evident that learned Counsel for the parties did not join issue upon it.

6. The real bone of contention between the parties is, as to the point of time when the period of layover of 2 days at London, 2 days at New York and 1 day at London commences and when it ends. That is the second part of the question referred to me.

7. It will facilitate a clearer perception of the implications of this question if the background in which the dispute touching that question arose. It will also be necessary to explain briefly the modalities of flight schedules and the meaning of technical terms commonly used in the affairs of airlines.

8. As shown by Clause 2 of the Record Note dated 5th June, 1986, the dispute between the parties relates to the layover of the cabin crew on AI flights on the India-USA-India sector. These flights operate through London where there is a change-over of the crew.

The only stop-over of these flights is at London on the outward journey from India to U.S.A. and on the return journey from U.S.A. to India.

9. The Record Note begins with the words : "In respect of slip pattern of operation". There are commonly two patterns of operation : the "base pattern" and the "slip pattern". In the base pattern, the cabin crew is based or posted for a given period of weeks or months at London or New York which is regarded as its base. In that case, London or New York, as the case may be, cannot be considered as an outstation. In the slip pattern, the cabin crew is not posted or based outside India. Its base is India—Bombay or Delhi—for the purposes of flights to U.S.A. and back. As stated in his evidence by Shri Mohan Bir Singh, an In-Flight Supervisor and member of AICCA's Managing Committee, the disputes between the AICCA and AI regarding layover started with the abolition of the base pattern and the introduction of slip pattern of operation on the India-UK-USA-UK-India route. The slip pattern was introduced by the Management on 1st June, 1986. According to Shri M. B. Singh (who is the only witness examined by AICCA and, indeed, the only witness in the case, AI not having led any oral evidence), when the base pattern was replaced by the slip pattern, AICCA demanded that, on the outward journey, a layover of 2 days at London and 2 days at New York and, on the return journey, of 2 days at London should be given to the cabin crew. That is briefly called a layover of 2+2+2 days. The record Note shows that the Management wanted to give a layover of 2 days in London both ways, and of 1 day in New York, that is, a layover of 2+1+2 days. The Management eventually agreed to give a layover of 2 days in London and 2 days in New York on the outward journey and a layover of 1 day in London on the return journey, that is, a layover of 2+2+1 days. The interpretation of this formula of 2+2+1 days layover is the subject-matter of the dispute before me, restricted to the question of commencement and end of the layover.

10. It is just as well as clarify, a matter on which both parties are agreed, that it is not for me to decide what should be the period of layover and how it should be distributed. My function is to decide when the period of 2 days' layover on 1 day's layover, as the case may be, commences and when it ends.

11. It would be necessary in this behalf to refer to the "Flight Duty Time Limitation" ("FDTL") Agreement of 11th February, 1970 for a very limited purpose. That agreement requires to be referred to solely because it contains that definition of the critical expression "layover" and of certain other expressions which need to be understood. I must make it clear that the FDTL cannot be accorded primacy over the Record Note : What binds the parties for the purposes of the present reference is the Record Note and not the FDTL. Indeed, the FDTL defines but does not provide for the layover and, by the application of an elementary rule of interpretation, a prior agreement cannot be read as superseding a later agreement unless the later agreement says that on any stated point or points the prior agreement will prevail.

12. The FDTL is annexed as Exhibit 2 to AI's reply to AICCA's statement of claim. It contains the following definitions, amongst others :—

Clause 1 :

(B) Flight Time :—The total time from the moment an aircraft first 'axes out under its own power for the purpose of take-off to the moment it comes to rest at the end of the flight. Flight time is synonymous with "Block to Block Time" or "Chock to Chock Time".

(F) Layover :—The period spent between "Chocks On" and "Chocks Off" at an outstation.

(I) Crew Change Station :—Where a layover or scheduled change of crew takes place.

12.4. Shri M. B. Singh has explained in his cross-examination the meaning of the expression "Chocks On" and "Chocks Off". He says : "At the completion of a flight when the aircraft comes to a halt, wooden blocks are kept in front of the wheels to keep the aircraft standing. Those blocks are called chocks and the time when the chocks are placed is described as chocks on. When the chocks are removed, the situation is described as chocks off".

13. The question referred to me can now be taken up for consideration. Under the Record Note dated 5th June, 1986, the Cabin Crew is entitled to layover of 2 days at London and of 2 days at New York on the outward journey, and to layover of 1 day at London on the return journey. The question for consideration is : when is this period of layover supposed to commence and when does it end ?

14. The word "Day" has many shades of meaning as would appear from Black's Law Dictionary, Fifth Edition, page 357. It may mean (i) A period of time consisting of 24 hours; (ii) The space of time which elapses between two successive midnights; (iii) The whole or any part of period of 24 hours from mid-night to midnight; (iv) That part of the morning and evening during which there is sufficient light for the features of a man to be reasonably discerned; (v) The period of time, within the limits of a natural day, set apart either by law or common usage for the transaction of particular business or performance of labour, in which case the word "day" may signify six, eight, ten or any number of hours; or (vi) A particular time assigned or given for the appearance of a person in court.

15. There is no substance in the contention of AICCA that, in the instant case, the word "day" means a period of 24 hours beginning from midnight. It would be interesting to test this contention by taking a concrete example. Indeed, an example realistic in terms of flight-timings on India-UK-USA-NK-India sector will help appreciate the rival contentions.

16. AI operates daily flights on the India-UK-USA sector. The Bombay-London-New York Flight AI 111 reaches London at 11.30 a.m. (Local Time) on Sunday. According to AICCA the layover of 2 days at London will commence on Monday at 12.01 a.m. and end on Tuesday at 11.59 p.m. The pick-up time for the cabin crew is 9 a.m. on Wednesday for the same flight on the UK-USA sector. Thus, the cabin

crew will get a layover of 12.30 hours on Sunday, 24 hours on Monday, 24 hours on Tuesday and at least 9 hours on Wednesday which totals up to 69 or 70 hours. This mid-night to mid-night method of calculating 2 days layover was a little too strenuous of AICCA's learned Counsel to pursue with any degree of seriousness. I find it difficult to accept that 2 days layover should in terms of practical reality be allowed to lengthen into 70 hours. Accordingly I reject this submission.

17. Equally, there is no substance in the submission of AI's learned Counsel that if this contention of AICCA is rejected, its entire claim must be dismissed because, in the statement of claim, no other method of determining the commencement and end of layover is pleaded. If a party makes a larger claim but is found entitled to a smaller claim, the entire claim cannot be dismissed because the smaller claim is not made.

18. The word "day" in the Record Note must be regarded, in the context, as meaning a period of 24 hours, which is the most commonly accepted meaning of that word. But saying so, though important, does not solve the problem because, the heart of the matter is : when does the period of layover commence and when does it end ? In other words, what has to be determined is the point of time when the period of layover of 2 days, that is, 48 hours, at London and New York on the outward journey commences and ends, and the point of time when the period of layover of 1 day, that is, 24 hours, at London on the return journey commences and ends.

19. On this question, the concept of "chocks on" and "chocks off" is crucial. The meaning of those two expressions has been correctly explained by Shri M. B. Singh in his evidence which I have extracted in paragraph 12.2 above. The concept is simple. The aircraft lands, comes to a halt and the engines are switched off. To keep it standing and immobile, wooden blocks called "chocks" are placed in front of the wheels. That is the "chocks on" point of time. Reversing the process, when the aircraft is in readiness to take off, the chocks are removed before the engines are switched on. That is the "chocks off" point of time.

20. The functions and duties of the cabin crew, except for exchange of courtesies by some of them, come to an end when the chocks are put on after the flight lands. The layover of the cabin crew then commences. Correspondingly, the layover ends when the chocks of an outgoing flight are taken off in order to prepare the aircraft in readiness to take off. The functions and duties of the cabin crew then begin.

21. The example of AI Flight 111, Bombay-London-New York, will make this point easier to appreciate. The scheduled time of arrival of that Flight at London is 11.30 a.m. on Sunday. The 2 days' layover of the cabin crew at London will therefore begin at 11.30 p.m. on Sunday. From 11.30 a.m. on Sunday to 11.30 a.m. on Tuesday is the gap of 2 days during which the layover continues. The cabin crew joins the flight on Tuesday which is sche-

duled to take off from London for New York at 1 p.m. The pick up time of the crew at the Hotel for that Flight is 11.15 a.m.

22. The Flight then proceeds to New York where its scheduled time of arrival is 3.45 p.m. (Local Time) on Tuesday, considering the time difference of about 5 hours between London and New York. The 2 days layover of the cabin crew at New York will therefore commence at 3.45 p.m. on Tuesday. From 3.45 p.m. on Tuesday to 3.45 p.m. on Thursday is the gap of 2 days during which the layover continues. The cabin crew joins the return flight AI-112 on Thursday which is scheduled to leave New York at 8.30 p.m., for which the pick-up time for the Cabin Crew at the Hotel is 5.45 p.m.

23. The scheduled time of arrival of the flight at London on the return journey is 8.15 a.m. on Friday. The 1 days layover of the cabin crew at London will therefore commence at 8.15 a.m. on Friday. From 8.15 a.m. on Friday 8.15 a.m. on Saturday is a gap of 1 day during which the layover continues. The cabin crew joins the London-Bombay flight on Saturday which is scheduled to leave London at 10.30 a.m. for which the pick-up time for the cabin crew at the Hotel is 7.45 a.m.

24. These timings are mentioned in paragraph 17 of the statement of claim. The things are, of course, available in the time-table of AI Flights.

25. These facts demonstrate the importance and relevance of calculating the layover from the point of chocks on to the point of chocks off. Indeed, that is how AICCA itself has always looked at the question, in the midst of disputes and differences between it and AI. In the background of a dispute relating to layover on the 2+2+1 pattern which, according to AICCA, was being violated by AI in respect of the layover of 2 days at London for the cabin crew on the Bombay-Delhi-London-USA flights, the General Secretary of AICCA, Shri Pravin R. Barve, wrote a circular letter dated 20th February, 1991 to all its members saying that the Management had agreed to alter the pattern of operation of the crew to adhere to the Record Note dated 5th June, 1986. What follows is significant. The General Secretary added :

"The Cabin Crew members are once again reminded that the Crew is entitled for a layover of 48 hours in London, 48 hours in New York and 24 hours in London on the way back (FROM CHOCKS ON TO CHOCKS OFF)".

The letter ends on a note of justified triumph : "AIR INDIA CABIN CREW ASSOCIATION ZINDABAD !!!" The letter is at page 48 of the statement of claim, Exhibit G—collectively—J.

25.1 It appears that AICCA suspected that Shri K. A. Sapat, Dy. Director, Inflight Service Department, was instigating the employees to accept reduced layover. By an "Information Bulletin cum Directive" issued by Shri P. Murlidhar, General Secretary, AICCA, to all its members, it was reiterated that the 2+2+1 pattern of layover mentioned in the Record Note dated 5th June, 1986 must be adhered to

by the Management. The General Secretary added : "The time calculated will be from chocks-on to chocks-off of the respective flights".

25.2 Shri M. B. Singh, in answer to a question whether he was aware of the circumstances in which the said Bulletin was issued, stated that the Bulletin speaks of the circumstances in which it was issued and that, he had read the Bulletin. Shri Singh stated further in his cross-examination : "It is not our case that the concept of chocks on and chocks off has become irrelevant having regard to the Record Note of 5-6-1986".

25.3 Parties filed their written submissions after the oral arguments were concluded. In paragraph 4(i) (b) of its written submission, AICCA says that the cabin crew is entitled to layover of "2 days in London and New York on the outbound journey and one day in London on the return journey" and that, "This period of two days and one day must necessarily be between chocks on and chocks off. This is the only way in which the FDTL agreement and the agreement of 5-6-1986 must be read together".

26. The scheduled timings of Flights AI-111 and A-112 on the India-UK-USA-UK-India sector and the operational modalities relating to those flights which are mentioned above are representative of the other AI flights on that sector. Those timings and modalities show that the Management has so arranged the timings of flights and the flying schedule of the cabin crew that the layover of 2+2+1 is available to the cabin crew. Indeed, Paragraph 14 of the statement of claim states that "on most of the occasions, the Management has provided with the layover of 48[48] 24 hours on London|New York|London flights".

27. This frank and fair admission in the statement of claim narrows down the field of controversy. The very same sentence in paragraph 14 of the statement of claim says that though the Management has provided the agreed layover on most of the occasions, "there have been a few occasions when the said layover has not been provided by the Management". These "few occasions" are the subject matter of controversy. The case of AICCA regarding these few occasions is set out by it in paragraph 3 of its rejoinder thus "The Claimants say and submit that if for any reason a flight is delayed or a flight is extended beyond the normal pattern, necessarily, the layover period will begin later and must therefore, necessarily and later, it is inconceivable that if a flight is delayed or takes longer than scheduled due to any reason, the Cabin Crew who have already been additionally burdened by such delay|extended flight must be further burdened by having their agreed layover curtailed". The written submissions of AICCA emphasise this point without mincing words by saying in paragraph 4(iii)(a)(1) that "the layover prescribed by the agreement of 5-6-1986 was inflexible and provided for an actual layover and not an intended layover as is now sought to be contended by the Respondents".

28. This argument of AICCA confuses the issue in controversy by combining two pleas. It is not the case of AI, and its Counsel did not urge, that the Record Note provides for an "intended layover". The

essence of the matter is that the Record Note reflects an agreement under which AI is bound to arrange its flight schedules and the cabin crew's duty schedules so as to ensure that the cabin crew will be able to avail of layover of the 2+2+1 pattern. That the AI has inflexibly done. It has so fixed its flight timings and the cabin crew's duty schedules that the cabin crew will be able to avail of the layover to which it is entitled under the Record Note. There is no flexibility in those flight timings and duty schedules. Therefore, AI has done what is "humanly" possible for it to do to ensure that the cabin crew will inflexibly get the layover to which it is entitled under the Record Note.

29. The inflexibility devised by AI is upset by diverse imponderables which beset the flying schedules of airlines : the vagaries of weather, the technical snags, the traffic congestion, the occasional though infrequent delays caused by the crew itself, the demanding high-ups in official hierarchies who break the queue and whisper for an upgrading, the inebriated passenger who Oliver Twists, the diversion of an aircraft on a regular passenger route to help out, justly and rightly, the Head of the State or the Head of the Government whose aircrafts occasionally develop "trouble" in spite of the monumental care which the vastly expert engineers bestow on them prior to their departure, the VIP movements and so on. Their list is legion. By reason of these and similar eventualities, flights are unforseeably delayed. Flanking back to the schedule of AI-111, the flight may reach London an hour late at 12.30 p.m. on a Sunday instead of reaching at 11.30 a.m. That cuts into 2 days' layover of the cabin crew by one hour. And, it is no consolation to them that their counterparts who are scheduled to join the flight on the London-New York sector will get one more hour by way of layover at London. It is also no answer that what is lost on the swings will be gained on the roundabouts, in the sense that on a luckier Sunday, it will be their turn to join a delayed flight on the London-New York sector thereby getting a layover longer than 2 days.

30. Reasonably small delays in the arrival of outward flights to London and New York are not a source of any great irritant to the cabin crew as compared with the delay in the arrival at London of a return flight from New York. That is because, the cabin crew has a layover of 2 days at London and New York on the outward journey. A layover of an hour or two less than two days may not make a significant difference to the alleviation of fatigue and of especially at New York, in spite of its traffic jams on the ground and in the air, because AI-111 is scheduled to reach New York at 3.45 p.m. and the cabin crew later at 8.30. There is thus some cushion in the crew has to join the return flight, AI-112, two days layover at London and New York on the outward journey. But delay in the arrival at London of the New York London-Bombay flight, AI-112, could be disconcerting because any such delay would cut into a layover of but one day, and that too after an all-night trans-Atlantic flight from 8.30 p.m. (Local Time New York to 8.15 a.m. (Local Time, London)

the following day. The cabin crew has to join AI-112 the next day which leaves London at 10.30 a.m.

31. The purpose of saying what I have said in the preceding paragraph is to show that, conceivably, delays in flights can attenuate the length of the layover of 2+2+1. But that is not of AI's making. AI has discharged its obligation to provide for the layover of 2+2+1 by so arranging its flight schedules and the flying schedules of the cabin crew that the cabin crew will get its entitlement inflexibly. As admitted by AICCA in paragraph 14 of its statement of claim, "on most of the occasions, the Management has provided" the agreed layover, which must mean in the context that the agreed layover is in fact availed of by the cabin crew on most of the occasions. Therefore, mostly, the cabin crew gets the layover to which it is entitled under the Record Note. The "few occasions" on which it does not get its entitlement are due to unforeseen circumstances beyond the control of AI. That cannot justify the charge that AI has failed, neglected or refused to honour its obligation under the Record Note.

32. AICCA presented, with respect, an impractical solution to the delays cutting into agreed layovers. It suggested two alternatives : (a) If the arrival of the Bombay—London—USA flight is delayed at London by three hours on a Sunday, delay the departure of that flight from Bombay on Tuesday by three hours so that the Sunday cabin crew which deplaned at London three hours late will join that flight on Tuesday for onward journey to New York three hours late; or (b) Keep a set of stand-by cabin crew at London and another set of stand-by crew at New York to take care of delays. I regard these suggestions as untenable. The admission made by AICCA in paragraph 14 of its statement of claim itself shows that "on most of the occasions" flights are not delayed, which is why, on most of the occasions the cabin crew gets the layover to which it is entitled. It is unbusinesslike to provide for exceptions on a permanent basis either by deliberately delaying the departure of the next corresponding flight or by maintaining a large contingent of fairly well paid crew with fair allowances which, on most of the occasions, will have no work to do.

33. Though this is the true position, I must add that AI is under an obligation to observe the terms and conditions of the FDTL Agreement dated 11th February 1970 which was entered into between it and AICCA. That agreement provides, inter alia, for Rest Periods, Minimum Rest Period, and Rest-Time Off at Base. Those have to be observed by AI in any event.

34. For the aforesaid reasons, my answer to the second part of the question referred to me is, that the period of layover to which the cabin crew is entitled under the Record Note dated 5th June, 1986, commences at the point of time of chocks on in relation to the flight from which the cabin crew is deplaning and ends at the point of time of chocks off in relation to the flight which it is re-joining.

35. It have been told that it is not for me to say anything about any incidental matter. That is right, in so far as the merits of the question referred to me are concerned. Before parting with this Award, I would like to recommended that AI may consider the feasi-

bility of introducing the 2+2+2 pattern on the India-UK-USA-UK-India sector which means giving a layover of 2 days as London on the return journey also. I do not know of its impact and its implications on other sectors but, just as it is unbusinesslike to concede impractical demands, it is businesslike to concede plausible demands. The cockpit crew would seem to bear greater strain and fatigue and for greater responsibilities than the cabin crew. The cockpit crew carries the responsibility of 300 and odd lives on its head. But then, the cabin crew has to discharge onerous duties with a smile and upon it depends, to a significant extent, the image of the airline. Safety of the passengers must come first but their comforts do not come last. A crew which ensures those comforts may, perhaps, be equated with a crew which ensures that safety, in the matter of layover. If it is 2+2+2 for the cockpit crew, it can be 2+2+2 for the cabin crew. Working in the aircraft is strenuous, though glamorous. That glamour should remain. But, I am trespassing.

36. I must express my thankfulness to the parties and their counsel for the able manner in which they assisted me.

Bombay :

Dated : 24th June, 1994.

Y. V. CHANDRACHUD

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 1994

का. अ. 1881.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग के प्रबंधन से संबंधित नियोक्ता और

उनके कर्मकार के मध्य औद्योगिक विवाद संदर्भ सं. (आई टी सी) सं. 6/91 के संरक्ष में औद्योगिक अधिकरण बड़ोदरा द्वारा पारित किए गये दिनांक 6-6-1994 का पंचाट 25-6-94 का राजपत्र में प्रकाशित हुआ था। औद्योगिक अधिकरण बड़ोदरा से प्राप्त पंचाट का अनुलग्नक जिसमें 260 कर्मकारों की सूची सम्मिलित है एतद्वारा दिनांक 6-6-94 के पंचाट के अनुशेष के रूप में प्रकाशित किया जाता है।

[संख्या एल-30025/1/91-आईआर (कोल-1)]

सी. गंगाधरन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 15th July, 1994

S.O. 1881.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Award dated 6-6-1994 passed by Industrial Tribunal, Vadodara in Reference (ITC) No. 6/91 on the industrial dispute between the employers in relation to the management of Oil and Natural Gas Commission and their workmen was published in the Gazette on 25-6-1994. The Annexure to the Award containing a list of 260 workmen received from the Industrial Tribunal, Vadodara is hereby published as an addendum to the Award dated 6-6-1994.

[No. L-30025/1/91-IR (Coal 1)]

C. GANGADHARAN, Desk Officer.

ANNEXURE

Schedule to Ex. 48 in complaint (ITC) No. 5/93.
In Reference (ITC) No. 6/91.
No. of days Actually Worked

Sl. No.	Name	Days 81-89	Days 89-90	Days 90-91	Days 91-92	Days 92-93	Total Nos. of days in 12 yrs
1	2	3	4	5	6	7	8
Ex. 14							
110	Parshan Lal	700	204	175	129	14	1350
39	Avdeshkumar Upadhyay	740	182	193	118	101	1334
30	Manwar Singh Rawat	869	0	170	121	141	1301
188	Pramod Y. Patil	752	189	114	122	102	1279
141	Brijlal Harshnarayan Mishra	764	65	166	125	139	1259
139	Prabhunath Mishra	673	116	199	126	141	1255
24	Prashant Pawar	738	192	100	128	93	1251
17	Harishchandra Yadav	569	220	190	126	145	1250
176	Yogesh Mohanlal Solanki	636	170	211	123	52	1192
229	Rakesh Malhotra	182	80	0	0	0	1176
138	Sailendra Kumar Duvey	829	0	212	131	0	1172
3	Saklanand Chamoli	568	178	210	119	82	1160
161	Pramod Kumar Ramskishore	521	196	164	119	123	1123
27	B.L. Jadhav	550	168	202	103	127	1150
103	Nilesh Kumar J. Pandya	613	77	170	136	148	1144
15	Chandubhai Jalambhai Jadhav	498	209	192	118	126	1143
15	Sunil Kumar Mandal	577	180	103	131	148	1139
89	Kiratsingh Chotesingh	574	116	191	135	116	1132
102	Vijay Kumar J. Pandya	572	46	210	144	148	1120
109	Gurvinder Singh Chawla	539	135	170	114	148	1106
115	Shriram Ramsahahl Yadav	567	109	153	133	143	1105
42	Ram Singh K. Rana	429	208	195	128	144	1104
100	Bijender Singh Negi	668	104	192	84	52	1100

1	2	3	4	5	6	7	8
Ex-14							
64	Ravindra Pandey	396	212	205	135	114	1062
14	Jugal Kishore Sharma	598	222	90	68	75	1053
65	Sukhran Bhagwan Ram	646	0	140	124	142	1052
122	Uttam Singh Prem Singh	337	210	208	129	138	1022
52	Paramjeet Sharma	532	47	206	87	148	1020
150	Abodh Mishra	344	207	194	131	142	1018
38	Ajay Singh Satdevsingh	486	161	99	123	138	1009
214	Ashok R. Gaikwad	829	0	0	61	119	1009
127	Arvindbhai A. Parmar	475	130	180	85	135	1005
88	Rasulbeg Usmanbeg Mirza	451	177	100	133	142	1003
94	Mahendra Pal	412	154	217	114	99	996
34	Amardev J. Rai	456	81	180	119	142	978
61	Brajesh Kumar Upadhyay	517	103	146	124	86	976
137	Suresh Singh Jagdish Singh	382	140	188	135	122	967
123	Laxman A. Tiwari	522	0	188	119	134	963
59	Satendra Singh Rawat	444	64	192	132	125	957
98	Davendra Singh	552	136	156	118	139	945
154	Rajkishore Singh	445	91	166	113	128	943
8	Radhey Shyam Kukreti	342	108	210	133	144	937
48	Shriram Shrivastava	344	184	126	131	148	933
142	Dilip Shantilal Patel	514	50	113	105	140	922
31	Dham Singh	413	42	210	131	121	917
133	Kamtaisingh Rajkishore Singh	256	215	182	132	127	912
145	Satendra Singh Gabbar Singh	261	208	180	134	127	910
9	Narendraprasad Gaur	589	0	60	125	129	903
121	Krishna D. Shinde	360	72	194	131	144	901
46	Parmatma Saran	549	0	164	64	123	900
53	Gurpal Ram	303	140	192	126	135	896
11	Rakesh Gairola	334	172	134	117	131	888
149	Vinodkumar Kesarchand	240	198	190	129	121	878
6	Jetpalsingh Bhandari	534	0	88	111	144	877
131	Rajesh H. Parmar	436	107	202	119	0	864
62	Lalit Thakur	274	112	199	134	142	861
63	Narain Thakur	265	215	114	113	114	851
26	Devanand Bhatt	951	151	151	141	141	851
165	Dinesh Chandra Chandubhai	564	0	21	107	143	835
70	Shambhu Tiwari	511	75	0	101	130	817
224	Narayan Gangaram More	257	102	210	120	128	817
198	Gordhanbhai K. Parmar	296	94	175	119	130	814
119	Suresh R. Patel	573	93	0	0	135	801
167	Kamlesh Shanabhai Valand	455	93	0	108	139	795
117	Ram Dutt Kedarnath Tiwari	297	0	210	138	148	793
45	Jabal Karan Singh	368	95	88	105	135	791
124	Arun Kumar Mishra	377	0	164	93	138	772
47	Suresh L. Parmar	248	186	98	131	105	768
104	Mahesh M. Mahant	437	200	0	131	0	768
60	Balwant Singh Raj	372	149	0	108	136	765
12	Girish Singh Rawat	506	0	5	107	142	760
164	Nandkishore Ramanlal Shrimali	465	0	85	103	98	751
157	Kedarsingh Kalamsingh	269	213	140	125	0	747
194	Vishwanath Gaod	256	180	74	93	142	745
192	Gulabrao Ganpatrao Durge	453	180	0	106	0	739
153	Kailash Singh Shyvsingh	351	54	102	110	120	737
69	Umed Singh Chauhan	441	44	14	95	141	735
132	Kalabhai Devjibhai Chauhan	417	67	0	108	140	732
180	Jayantbhai J. Solanki	325	4	123	130	141	723
148	M. K. Chauhan	128	128	201	122	141	720
10	Khumendra Kumar Shah	304	0	156	111	141	712

1	2	3	4	5	6	7	8
73	Dinesh Chandra Brijmohan	252	97	210	107	41	707
136	Gupteshwar Pandey	389	141	74	97	0	701
28	Jayant Y. Kadam	449	0	0	103	148	700
120	Virendrakumar Devnareyan Singh	391	53	137	119	0	700
211	Truptiben B. Rana	181	153	140	116	104	694
18	Chanchal Kumar Ghosh	408	0	32	113	141	694
156	S.N. Maurya	246	66	168	103	104	689
210	Raj Singh	248	117	50	129	142	686
25	Prem Singh Negi	437	80	59	107	0	683
93	Jawaharlal Pal	268	109	68	102	132	679
118	Chandeshwar Devnath Singh	326	16	92	101	141	676
101	S.R. Mansuri	327	101	0	105	143	676
123	H.M. Saiyed	327	98	56	126	73	675
114	Kantilal D. Vanjara	250	87	170	105	59	671
204	Ashrafali Hilmayatullah Khan	423	0	0	106	140	669
191	Pathan Nashir Khan A.	83	174	210	119	82	668
182	Haridaya Rajan E.P.	340	0	59	131	129	659
78	Ramesh Omjilal Verma	421	0	63	77	97	658
202	Ganesh Bahadur Thapa	402	0	0	105	148	655
144	Surendra Singh Sudama Singh	305	0	0	101	143	654
84	Raju Hiranjan Bagul	263	0	182	99	110	654
129	Hafikhan Faizullah Khan	357	103	191	0	0	651
76	Manibhai Nathabhai Mochi	427	0	0	102	117	646
116	Tilak Singh Shivpal Singh	230	0	204	82	128	644
65	Sukhran Bhagwan Ram	237	0	157	110	139	643
75	Dayal Singh Satay Singh	244	198	70	127	0	639
190	Abdul Hakim Khanjoda	427	63	44	104	0	638
240	Ashok Ramanlal Soni	392	131	0	0	97	620
96	Amar Singh Negi	108	143	125	115	129	620
151	Sushil Saini	483	0	134	0	0	617
33	Jayant H. Khiraya	268	166	69	107	0	610
174	Arunkumar Thakur	286	0	74	98	114	602
178	Daya Shankar Tiwari	335	0	76	93	86	590
146	Vijay Shankar Ozha	246	0	91	114	127	578
51	Bharatsingh Bhupatsingh	395	0	0	38	138	571
72	Jalntlal Dhanjibhai Damo	303	0	0	124	139	566
245	Miss Geeta T. Gandhi	560	0	0	0	0	560
239	Ramesh D. Parmar	324	5	0	137	91	557
217	Navneet H. Parmar	0	143	200	74	126	543
113	Umashankar S. Ojha	243	0	64	89	143	539
80	Mohan Singh Tomar	317	0	0	89	123	529
197	Girish Harshrai Thakkar	522	0	0	0	0	522
228	Devi Dilip Somabhai	280	0	0	97	140	517
199	Champak Singh M. Raj	175	110	75	36	119	515
152	Ishwarbhai Punjabhai Padhiyar	26	63	165	129	130	513
166	Rajendra Ramanlal Shrimali	260	0	0	99	141	510
171	Bijendrasingh Chhoturam Choudhary	0	141	101	135	130	507
41	Mehtab Singh Gosain	350	0	66	80	0	504
97	Kartha Chandra Mohan	246	0	0	115	138	499
58	Madan Singh Rawat	270	0	114	0	114	498
57	Rameshbhai D. Rathod	280	0	0	88	126	494
108	Ayubhai Rasulbhai Mansuri	272	0	0	86	132	490
179	Inderjeet Ram Laxhan	241	0	0	110	133	484
86	Rajendra Nair K.	363	0	50	0	70	483
40	Salim Mohammed I. Mansuri	247	140	0	88	0	475
105	Vasant Gajananand Yalwande	243	0	0	86	140	469
106	Imtlaz Zahangir Mirza	259	0	0	101	108	468
111	Chandra Kishore	334	0	17	107	0	458
50	Dayanand Sharma	244	0	139	72	0	455
1	Ramesh Thapaliyal	254	0	0	85	112	451
126	Kiran Mohanlal Wade	214	0	180	42	11	447
219	Shyam Saran	272	0	0	59	113	444
162	Ravindra Valmik Pawar	352	0	0	87	0	439

1	2	3	4	5	6	7	8
56	Sher Singh	241	0	191	0	0	432
233	Shreeram Laxman Salunk	365	0	0	0	67	432
213	Ibrahimbhai B. Rana	231	94	0	0	93	418
195	Kadia Mukesh Babulal	25	133	0	121	132	411
143	Gajendra Singh Shivpal Singh	265	137	0	0	0	402
74	Bhupendra Singh Gosain	257	0	0	0	144	401
163	Mahesh Rangrao Sonwane	308	0	86	0	0	394
13	Yogendra Prasad Semwal	250	50	0	96	0	390
23	Prem Shankar Mishra	261	0	0	0	126	387
93	Nath Pal	258	0	0	128	0	386
183	Dhansingh Khim Singh	168	0	198	0	0	366
236	Jagdish Chandra Rangibhai Mahida	302	0	0	0	60	362
267	Mrs. Amita D. Shah	306	0	0	0	0	360
22	Ram Kishan Sharma	0	0	107	106	144	357
242	Bhaifalabhai Madhavbhai	147	103	0	0	90	340
243	Nilosh B. Thakkar	333	0	0	0	0	333
185	Devendra Kumar	530	0	0	0	0	330
212	Abdul Ashad Abdul Shamad	178	150	0	0	0	328
218	Lalit Mohan Mistry	307	0	0	0	0	307
251	Miss Sudha S. Kini	298	0	0	0	0	298
237	Rameshbhai Bhulabhai Parmar	298	0	0	0	0	298
247	Harish N. Narayanai	297	0	0	0	0	297
255	Parsothambhai V. Rathwa	296	0	0	0	0	296
187	Sohanlal Durgilal	290	0	0	0	0	290
256	K.N. Harijan	260	26	0	0	0	286
200	Rajendra Singh Rawat	74	113	0	0	98	283
241	Hemant Prabhakar Ambegaonkar	279	0	0	0	0	279
223	Mrs. Shobha S. Kadam	271	0	0	0	0	271
83	Laxman Manoharbhai Parmar	270	0	0	0	0	270
107	Raju Kishan Solaskar	269	0	0	0	0	269
250	Ramesh M. Parmar	226	40	1	0	0	267
173	Ayub Ahmed Musa Patel	240	18	0	0	0	258
186	Jagjitsingh Sardarsingh	248	0	0	0	0	248
175	Rameshchandra L. Choudhary	248	0	0	0	0	248
230	Jayeshbhai T. Patel	246	0	0	0	0	246
21	Mathurbhai Bijabhai Patel	221	0	0	0	0	221
261	Kumari Rajani Bambani	215	0	0	0	0	215
229	Rakesh Malhotra	182	80	0	0	0	202
263	Paresh K. Patel	0	0	0	87	79	176
77	Vijay Kumar Mishra	162	0	0	0	0	162
172	Yashwant T. Malode	0	0	45	107	0	152
264	Saukat A. Rathod	0	0	0	0	0	0
248	Dinesh J. Shah	0	0	0	0	0	0
288	Nagilphai H. Parmar	0	0	0	0	0	0
260	Jayesh T. Padiyar	0	0	0	0	0	0

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 1994

New Delhi, the 15th July, 1994

का. अ. 1882.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मै. टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी लिमि. की जामा-दोबा कोलियरी के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, (सं. 2), धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 13-7-94 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1882.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employees in relation to the management of Jamadoba Colliery of M/s. TISCO and their workmen, which was received by the Central Government on 13-7-1994.

[संख्या एल-20012/270/90-आई आर (कोल-1)]

सी. गंगाधरन, डेस्क अधिकारी

[No. L-20012/270/90-IR (Coal-I)]

C. GANGADHARAN, Desk Officer.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Shri B. Ram, Presiding Officer.

In the matter of an Industrial Dispute under Section
10(1)(d) of the I.D. Act, 1947

Reference No 24 of 1991

PARTIES :

Employers in relation to the management of
Jamadoba Colliery of M/s. Tisco Ltd. and
their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen.—Shri B. K. Lath,
Advocate.

On behalf of the employers.—Shri B. Joshi,
Advocate.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dated, Dhanbad, the 30th June, 1994

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012(270)/90-I.R. (Coal-I). dated the 14th January, 1991.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of M/s. Tisco Ltd., P.O. Jamadoba, District Dhanbad in dismissing Shri Lallu Turi, Miner from service is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. In this reference the action of the management of M/s. Tisco Ltd. has to be examined in dismissing Shri Lallu Turi miner from service with effect from 21-2-1989.

3. Admittedly Shri Lallu Turi the concerned workman was a miner working in 6/7 Pits Jamadoba colliery of M/s. Tisco Ltd. He was issued chargesheet Ext. M-1 on 18-11-1988 for absents from duty without permission and any satisfactory reason from 3-11-1988 till date. The said act on the part of the concerned workman amounted to long absence from duty under clause 19(16) of the Standing Orders (Ext. M-10). As per clause 19(16) of the Standing Orders continuous absence without permission or without satisfactory cause for more than 10 days was misconduct.

4. The concerned workman submitted W.S. denying allegations of absence without permission. According to him he never absented rather he was present in his duty either before or after dismissal on 21-2-89. It was contended that he was illegally and arbitrarily stopped from his duty with effect from 26-10-1988

without any reason and it was wrong to suggest that he absented from 3-11-1988.

5. The management on the other hand claimed that the concerned workman was in the habit of going absent and a number of instances were cited in the W.S. when the concerned workman was issued chargesheet for his habitual absence from duty. It was alleged that he absented from 3-11-1988 without any information to the authority and accordingly the chargesheet dated 18-11-1988 was issued and sent to him home address under registered cover. Since Shri Turi was not available in his colliery address registered letter including the chargesheet was sent to his home address. It was stated that the registered envelope did not return back unserved and so it was presumed that the same must have been delivered to the addressee. The concerned workman did not reply to the chargesheet. It was also stated that several registered notices were sent to his home address for attending domestic enquiry at a fixed place but he did not turn up. The notice was also published in the local newspaper 'Janmat' and still he did not turn up. Ultimately an ex parte enquiry had to be conducted. He was found guilty and ultimately dismissed from service of the company with effect from 21-2-89.

6. The point for consideration would be as to whether the concerned workman absented from duty without any permission from 3-11-1988 and if so whether the punishment of dismissal from service was justified?

7. The domestic enquiry held in this case has been held not fair and proper mainly on the ground it was done ex parte and the notice of enquiry or the chargesheet was not sent to the concerned workman at his colliery address under registered cover.

8. The concerned workman claimed that he was although present in the colliery and that he never absented rather he was illegally stopped from his work with effect from 26-10-1988 by an Overman while he was in 'B' shift duty. No doubt, under the provision of the Indian Evidence Act initial burden of proving guilt rests with the prosecution but it is well established and accepted principles of law that law and procedure of the evidence Act is not strictly applicable to the Industrial Law. The accused is not required to prove his innocence. Similarly in this case also it was for the management to establish a prima facie proof of absence against the concerned workman. It is equally true that even an accused is required to prove certain facts if any specific plea is taken. In this reference the concerned workman has taken plea that he was illegally stopped by the Overman with effect from 26-10-1988. In order to prove his fact the workman has brought on the record certain representations which he had filed before the authorities concerned.

9. Before dealing with the matter it may be repeated again that the concerned workman was alleged to have absented from 3-11-1988 and continuous 10 days absence without permission was a misconduct within the meaning of Standing Orders applicable to the company. This means according to the management the concerned workman committed misconduct

when he did not turn up for duty till 12-11-1988. The management was stated to have issued chargesheet on 18-11-1988. Ext. M-1 is the photo copy of representation dated 4-11-1988 filed by the concerned workman before the Manager 6/7 Pits colliery Jamadoba. The representation was shown to have been received on the same date. On the right hand top a receipt has also been shown. In the representation it is stated that the concerned workman was stopped from duty from 26-10-1988 while in 'B' shift duty by Overman and he was not allowed to mark his attendance. At this stage it will be a bit convenient to refer the evidence of MW-6 Shri B. K. Srivastava. He was working as Manager at 6/7 Pits Jamadoba colliery. He admitted to have received a complaint of the concerned workman. He stated that the concerned workman did not meet him personally. He also stated that he had verified the matter personally and found that the allegations alleged in the complaint were all baseless. In cross-examination the witness stated that after enquiry into the complaint of Lalu Turi he did not submit anything in the shape of enquiry report. The question is that this oral evidence on the point of enquiry has got virtually no importance and it was expected on the part of the witness to submit a report accordingly conveying it to the concerned workman that all his allegations were found baseless. In this way I find that there was nothing to show that the representation of the workman was responded. Again on 7-11-1988 the concerned workman filed another representation before the RLC(C) giving reference of his previous representation dated 4-11-1988. In this application the concerned workman stated that on 26-10-1988 and onward he had been reporting for duty regularly but the Overman did not allow him to go on duty. Thus, according to the concerned workman, he was not allowed duty even on the date of his representation dated 7-11-1988. However, the RLC(C) responded and reported to the ALC(C) to resolve the dispute.

10. The concerned workman filed an appeal on 7-11-88 before the Chairman, Tisco., 24 Modi Street Bombay which was sent under registered cover. In the appeal it was stated that since after 26-10-88 the concerned workman regularly reported for duty but the Overman marked him absent and since then he is being marked absence with mala fide intention. The concerned workman requested for kind intervention in the matter so that he may not be harassed. The photo copy of the appeal petition is marked Ext. W-2. The concerned workman appealed for the second time on 5-6-90 under Ext. W-2/2. It was suggested to the concerned workman that all these documents have been manufactured for the purpose of this case. I find that the receipt of Ext. W-1 has already admitted by MW-6 and other representations were sent under registered cover. The registration receipts are also there and in the circumstances there can be hardly any reason to disbelieve those documents as manufactured. From these facts it is made clear that the concerned workman had although been representing his case before the authorities but there is nothing to show that any of the representation petition or the appeal were acted upon. In all these representations he had shown his colliery address. Atleast the concerned workman should have been replied after proper enquiry at his colliery address.

11. It was contended by the learned counsel for the workmen that silence on the part of the management smacks something in the nature of arbitrariness which is not expected from a model employer like M/s. Tisco.

12. The management issued chargesheet against the concerned workman and it was sent to his home address by registered post for he was found traceless from the colliery. It was stated that since the registered cover did not return back undelivered it was presumed that the letter must have been received by the addressee. It may be noted that this is the statement of the management. The workman may not be in a position to show that those envelopes did not return unserved. The question is that no registered letter was ever sent to the colliery address of the concerned workman.

13. The management has proved a photo copy of the ordersheet of the ALC(C) Dhanbad dt. 12-4-89 through MW-6. (Ext. M-14). According to him Shri Lalu Turi had also signed the ordersheet dt. 12-4-89 and he did not turn up to join his duty. From the ordersheet I find that the management was prepared to examine and allow the workman to join his duty if he reports for duty to the C.P.M. By the ordersheet the workman was advised to meet the C.P.M. on 13-4-89 at Jamadoba. While going through the evidence of Lalu Turi I find that he had signed the ordersheet dt. 12-4-89. Here I fail to understand as to what was the necessity of going and meeting the C.P.M. on 13-4-89 when necessary order of dismissal had already been passed on 21-2-89. It was suggested to the witness that the concerned workman had met C.P.M. on 12-4-89 and he was only told that he had already been orally dismissed from service. I find that this suggestion has been denied and all these things have got no bearing with merit of the case.

14. Few other witnesses have also been examined on behalf of the management. MW-2 is Shri Dinesh Kumar Sharma who was working in clerical cadre since 1986. He has proved the photo copy of the service card of Shri Lalu Turi which is Ext. M-11. By going through this document it appears that the concerned workman was dismissed in the year 1967 and also suspended subsequently on so many occasions. It has been filed most probably to show that the concerned workman was in the habit of going absence and so a number of warnings and suspension letter was issued to him. I have held the view that merit of the present reference cannot be decided on the basis of the past record of the concerned workman. The witness has also proved pay sheet of November 1988 and December, 1988 which have been marked Ext. M-12 and M-12/1. These have been filed just to show that the concerned workman was present only for 8 days in the month of November and he remained absent for the whole of December, 1988. There is allegation that the concerned workman absented from duty with effect from 3-11-88 and so the question does not arise as to how he could have worked for 8 days in the month of November. The witness stated in the cross-examination that Ext. M-12 and M-12/1 were prepared on the basis of rough attendance book. He also stated that rough attendance book was not maintained regularly.

15. MW-3 is Shri Niaz Ahmed Khan, a clerk working in Jamadoba colliery as Attendance Clerk since 1983. However he has brought the photo copy of the rough attendance book concerning Lalu Turi and others (Ext. M-3). According to him the concerned workman has been shown absent from 3-11-88. In cross-examination the witness stated that no rough attendance book is to be maintained under the Mines Act. He also cannot say whether any rough attendance book is maintained under the circular of the company. This witness stated that Lalu Turi was in the night shift duty. But MW-4 Shri S. K. Basu, Asstt. Manager stated that Lalu Turi was on the morning shift when he absented from duty. Shri Basu also stated that in case of absence beyond 8 days we refer the matter to the colliery Manager. In cross-examination he admitted that he had not submitted any written report to the Manager of the colliery that the concerned workman was absenting continuously for more than 10 days after 3-11-88. He has got no knowledge that Lalu Turi was in 'B' shift duty. MW-5 Shri N. C. Mandal has stated that the concerned workman never worked in his shift.

16. I have examined various aspect of the matter and from the materials brought on the record I find that the concerned workman always represented his case after 3-11-88 before various authorities demanding intervention in the matter. The main allegation in the representation petitions was that he was not allowed to mark his attendance by the Overman. No doubt, the allegations were enquired into by the Manager but there was no enquiry report nor the concerned workman was ever conveyed that his allegations were baseless. He even appealed to the higher authorities for kind intervention. No doubt, from the document I find that the concerned workman has been shown absent from duty from 3-11-88 but the contention of the concerned workman that he was not allowed to work by the Overman has not been dispelled by the management. Even supposing for the sake of argument that the concerned workman absented from duty from 3-11-88 still the order of dismissal passed against him was quite disproportionate to the misconduct committed by him. The punishment of dismissal is the last resort which has to be taken by the management against any concerned workman. No doubt, the concerned workman on several occasion was also put under suspension for absence but he was condoned after mild warnings. In my considered opinion, this is at all not a fit case in which any order of dismissal could have been passed by the management. In the peculiar circumstances of the case the order of dismissal passed by the management is hereby set aside and the management is directed to reinstate the concerned workman to his original job within two months from the date of publication of the Award. But in the circumstances of the case I do not propose to give any back wages. However, continuity of service will be maintained.

B. RAM, Presiding Officer

नई दिल्ली, 20 जूलाई, 1994

का. आ. 1883.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार में भारत कोकिंग कोल लिमि. का पी. बी. क्षेत्र

के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं. 1) धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय-सरकार को 7-7-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-20025/12/94-आई आर (कोल-1)]

सी. गंगाधरन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 20th July, 1994

S.O. 1883.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal (No. I), Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employees in relation to the management of P.B. Area of M/s BCCL and their workmen which was received by the Central Government on 7-7-94.

[No. L-20025/12/94-IR(Coal-I)]

C. GANGADHARAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

Complaint No. 1 of 1994

(Arising out of Reference No. 119 of 1992)

PARTIES :

Nathun Prasad,
Secretary (RCMS)
C/o South Balihari Colliery,
P.O. Kusunda, Dhanbad.

... Complainant

Vs

Employers in relation to
the management of P. B. Area
of M/s. Bharat Coking Coal Ltd.,
P.O. Kusunda, Dhanbad.

.... Opposite Party.

PRESENT :

Shri P. K. Sinha,
Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Complainant :

Shri S. S. Bhattacharjee,
Authorised Representative.

For the Opp. Party :

Shri H. Nath, Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dated, the 30th June, 1994

AWARD

This is in order on an application dated 23-5-94, filed in the Tribunal on 26-5-94 in Ref. case No.

1992, under provision of Section 33-A of the Industrial Disputes Act, 1947 praying therein to decide the complaint relating to the retirement of the concerned workman, as also on a rejoinder filed on behalf of the management to-day. In the instant case, as per order dated 8-6-94, the following reference has been formulated :

"Whether the notice dated 27-1-94 issued by the management of P. B. Area of M/s. B.C.C. Ltd., P.O. Kusunda, Dist. Dhanbad, to retire Darogi Thakur, Drillman, with effect from 1-7-94 is legal and justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. It may be mentioned that no side had desired to adduce any evidence. With their consent their arguments on merit was heard.

3. The case of the workman was that before nationalisation the workman was working in South Balihari Colliery owned by East India Coal Co. Ltd. which was taken over in the year 1971. While working in the private colliery the workman were required to declare particulars about them including date of birth in the prescribed form known as I.D. 6. In that form the date of birth of the workman was 1-7-44, as declared at the time of initial appointment. But after take over, in the Form 'B' Register the date of birth of the workman was shown to be 1-7-34.

4. The management has adopted its case as given in the written statement in Ref. case No. 119 of 92. The case of the management is that after the take over, both in Form 'B' Register and in Identity Card Register prepared in the year 1974-75 the date of birth of the concerned workman was mentioned to be 1-7-34 which was duly authenticated by the workman himself. In the year 1974-75 itself Identity Card was issued to the workman also mentioning his date of birth, but the workman concerned never raised any dispute relating to his age. Even in his "Service Abhilekh" which was supplied to him by the management during the year 1986-87, the workman did not raise any objection.

5. In the present complaint application it has been urged on behalf of the sponsoring Union that though at the time of his original employment the workman had declared his date of birth to be 1-7-44, and though the reference case No. 119 of 1992 was pending in this Tribunal for adjudication of this very point, the management by their letter dated 27-1-94 have notified the workman to retire with effect from 1-7-94, which action was in contravention of the provision of Sec. 33 of the Industrial Disputes Act. According to this application this will adversely affect the status quo.

6. It has been argued by Sri S. S. Bhattacharjee on behalf of the sponsoring Union that if the management is allowed to retire the workman during the pendency of the reference case, in contravention of Section 33 of the Industrial Disputes Act, then not only the workman will be deprived of his service, but the management will also evict him from his quarter or cut off his electricity and water facilities thereby forcing the workman to leave the place and unable

to pursue the reference case with the help of his Union or to give and arrange for evidence.

7. Sri H. Nath, Advocate, appearing for the management has submitted that since the day the concerned workman was placed in the service of M/s. B.C.C. Ltd., his date of birth has been recorded to be 1-7-34 in various registers as well in the Identity Card, to the full knowledge of the concerned workman, who or his Union never raised any objection about that until recently when the retirement age of the workman approached. Sri Nath has submitted that by retiring him with effect from 1-7-1994, the management was not altering any condition of service of the workman applicable to him immediately before commencement of this proceeding. He submitted that before the commencement of this proceeding, as per record of the management of which the workman had full knowledge, the condition of his service was that he was to retire with effect from 1-7-1994, hence by giving him usual notice about his imploding retirement, no condition of service was changed, hence there was no need for the management to obtain permission of the Tribunal for the same.

7A. I find much force in this argument. It has not been disputed before me that the date of birth was recorded in the registers of the present employer, and in the Identity Card issued to the workman long back to be 1-7-1944. Therefore so far as the management is concerned it is bound to retire the concerned workman on completion of 60 years of age. This cannot be construed as altering the condition of service at this stage.

8. In case in the reference case the award is given in favour of the workman naturally he would get all the back wages and other benefits to which he would otherwise have been entitled had he continued in the service. But in case the award goes against the workman, and if the present complaint application is allowed, then the workman would have continued in service, getting full wages and other benefits, without being entitled to that which it would not be possible to recover back because the workman was allowed to continue in his work.

9. Therefore, I don't think that an award can be rendered on this complaint application under the provision of Section 33-A of the Industrial Disputes Act in favour of the applicant, giving him relief of continuance in service till the reference is decided.

10. However, though it is not possible at this stage to say about correctness or otherwise of the claim of the workman that at the time of his initial appointment in the colliery before nationalisation he had given his date of birth to be 1-7-1944 in proforma, yet it cannot be declared at this stage that the workman has no arguable case at all. But if after his retirement he is deprived of the facilities of quarter, water and electricity, it may prejudice him in getting the reference prosecuted. No doubt, it is the sponsoring Union which is prosecuting the reference on behalf of the workman, yet the interest of the workman is involved and this can hardly be denied that his assistance would be required by the concerned Union particularly in the matter of evidence.

11. The reference case No. 119 of 1992 relating to his date of birth has already been fixed for hearing on merit and the management has been directed to adduce evidence. Therefore, if both sides co-operate, the matter in reference can be decided in near future. Therefore, I find it to be in the interest of justice if, though not interfering at this stage in the retirement of the workman with effect from 1-7-1994, the management is directed to allow the concerned workman, with existing facilities on similar terms and is presently living in a quarter allotted by the management, with existing facilities on similar terms and conditions on which he is living presently in that quarter till an award is made in the reference case.

12. Therefore following is the award in this Complaint application.—

The action of the management in retiring the workman with effect from 1-7-1994 during the pendency of Reference Case No. 119 of 1992 cannot be held at this stage to be altering the condition of service, hence at this stage this action of the management does not call for any interference from this Tribunal. However, in the interest of justice the management is directed to allow the concerned workman to continue in the quarter, if he is presently living in a quarter allotted by the management, with existing facilities, on the existing terms and conditions about payment of rent or electrical or water charges by the workman till the award is made in Reference Case No. 119 of 1992.

P. K. SINHA, Presiding Officer.